आंखों की रोशनी गई, हौसला नहीं... ⏩ 4

हनुमान अंश से पहले छोटे बजट की 3 फिल्मों ... ⏩ 7

विकासखंड गोटेगांव में धूमधाम से मनाई गई श्रीकृष्ण ⏩ 8

शैक्षणिक उत्कृष्टता, कौशल विकास और उद्यमिता ही विकास की कुंजी: मुर्मू

नई दिल्ली (वार्ता)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शिक्षा को संविधान में निहित समान अवसर के आदर्श को साकार करने का सबसे प्रभावी माध्यम बताते हुए प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ाई छोड़ने वाले बच्चों की संख्या में कमी लाने में शिक्षकों के प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया है। शिक्षक दिवस के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को दिल्ली के विज्ञान भवन में देशभर के 48 स्कूल शिक्षकों को नेशनल टीचर अवॉर्ड से सम्मानित किया। इनमें केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, सैनिक स्कूल, आदर्श जनजातीय स्कूल और पीएम श्री स्कूलों के शिक्षक शामिल हैं। इन शिक्षकों ने पढ़ाई को आसान और दिलचस्प बनाने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाए। राष्ट्रपति ने कहा कि स्कूली शिक्षा पूरी शिक्षा व्यवस्था की नींव है। शुरुआती कक्षाओं में बच्चों के बौद्धिक, शारीरिक और नैतिक विकास पर ध्यान देकर शिक्षक उत्कृष्ट विद्यार्थी और जिम्मेदार नागरिक तैयार कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों, पहली पीढ़ी के शिक्षार्थियों, गांवों से बड़े शहरों के स्कूलों में आने वाले विद्यार्थियों, संकोची बच्चों, प्रतिभाशाली लेकिन आत्मविश्वास की कमी वाले विद्यार्थियों और विशेष जरूरतों वाले बच्चों में आत्मविश्वास पैदा करना शिक्षकों की विशेष जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक उत्कृष्टता, कौशल विकास और उद्यमिता देश के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि देश को विश्व की कौशल राजधानी और ज्ञान महाशक्ति बनाना सरकार की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में शामिल है। राष्ट्रपति ने कहा

राष्ट्रपति ने देशभर के 48 शिक्षकों को प्रदान किए राष्ट्रीय पुरस्कार

कि विकसित भारत का लक्ष्य विश्वस्तरीय शिक्षा व्यवस्था के माध्यम से ही हासिल किया जा सकता है। उन्होंने जोर दिया कि देश का एक भी विद्यार्थी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अवसर से वंचित न रहे तथा शिक्षक अपने स्नेह और समर्पण से विद्यार्थियों में ज्ञान, प्रेरणा, नैतिकता और संवेदनशीलता विकसित करें। शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक, नेशनल अवॉर्ड के लिए 27 राज्यों, 7 केंद्र शासित प्रदेशों से 48 टीचर्स चुने गए हैं। इनका चयन स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग ने तीन चरणों में किया। यह प्रक्रिया जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर पूरी हुई। नेशनल अवॉर्ड का मकसद शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर काम करने वाले टीचर्स को सम्मानित करना है। इसमें ऐसे टीचर्स को चुना जाता है, जिन्होंने पढ़ाई के नए तरीके अपनाकर छात्रों के सीखने और विकास में योगदान दिया हो।

मध्यप्रदेश के 6 शिक्षक सम्मानित

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने शिक्षक दिवस के अवसर पर नेशनल टीचर आवर्ड-2026 के अंतर्गत आयोजित समारोह में देशभर के उत्कृष्ट शिक्षकों को सम्मानित किया। मध्यप्रदेश के शिक्षा, कौशल विकास, नवाचार और अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले छह शिक्षकों एवं शिक्षाविदों को भी सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में डॉ. अर्चना शुक्ला, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, संगीता यादव, प्रो. सौरव दत्ता, रीना गुप्ता एवं ज्योतिबाला राठौर शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी सम्मानित शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुये कहा कि राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित होना मध्यप्रदेश के लिए गौरव और प्रसन्नता का विषय है।

बालाघाट में 30 बच्चों की मौत चिंताजनक: राहुल

नई दिल्ली (वार्ता)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मध्य प्रदेश के बालाघाट में 30 आदिवासी बच्चों की मृत्यु की खबर को

बेहद चिंताजनक और पीड़ादायक बताते हुए कहा है कि घातक बीमारी के साथ पीने के पानी, पोषण और समय पर इलाज जैसी बुनियादी सुविधाओं के अभाव में बच्चों की जान जा रही है। राहुल ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर इस घटना को सरकार की पूर्ण विफलता बताते हुए मुख्यमंत्री से स्वयं मामले का समाधान करने तथा प्रभावित क्षेत्र में तत्काल जांच, इलाज और राहत उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि बच्चों की जिंदगी से समझौता नहीं किया जा सकता।

27 नवंबर अंतरराष्ट्रीय बाल विवाह उन्मूलन दिवस घोषित

नई दिल्ली (वार्ता)। संयुक्त राष्ट्र ने 27 नवंबर को 'बाल विवाह, कम उम्र और जबरन विवाह के उन्मूलन के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस' के रूप में घोषित किया है। इस ऐतिहासिक फैसले के साथ ही बाल विवाह के खिलाफ वैश्विक स्तर पर जारी लड़ाई में भारत से उठी आवाज को अंतरराष्ट्रीय मंच पर बड़ी स्वीकृति मिली है। यह तिथि भारत के लिए विशेष महत्व रखती है, क्योंकि 27 नवंबर 2024 को ही भारत सरकार ने देशव्यापी 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान की शुरुआत की थी।

ट्रक ने सास-बहू समेत 3 महिलाओं को कुचला

मुरैना। मुरैना में कृष्ण जन्मोत्सव देखकर घर लौट रहीं तीन महिलाओं को दिल्ली की ओर जा रहे तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। तीनों महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा शुक्रवार देर रात राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर घिरोना हनुमान मंदिर के पास हुआ। टक्कर के बाद ट्रक सड़क किनारे बनी कुछ दुकानों में जा घुसा। इससे दुकानों को भी नुकसान पहुंचा।

लॉरी से टकराई कार, 8 की मौत

त्रिशूर। केरलम के त्रिशूर जिले में शुक्रवार देर रात एक कार हाईवे पर खड़ी लॉरी से टकरा गई। हादसे में कार सवार 8 इंजीनियरिंग छात्रों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, हादसा कैपामंगलम के पनंबिकुन्नू में हुआ। पुलिस ने बताया कि सभी मृतक तमिलनाडु के डिंडीगुल के एक इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र थे। कार गुरुवायुर से कोडुंगल्लूर जा रही थी। इसी दौरान वह महाराष्ट्र नंबर की लॉरी के पीछे जा घुसी। हादसे में 6 छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 को अस्पताल पहुंचने पर मृत घोषित किया गया।

हर स्कूल को मिलेगा पक्का भवन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिला शिक्षा अधिकारियों से किया सीधा संवाद

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि देश का भविष्य गढ़ने में युवा शिक्षा अधिकारियों और शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रदेश में बड़ी संख्या में युवा अधिकारियों और शिक्षकों को शिक्षा व्यवस्था की मैदानी जिम्मेदारी सौंपी गई है। युवा ऊर्जा, नई सोच, तकनीकी समझ और नवाचार की क्षमता का उपयोग शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए किया जाये। प्रत्येक शिक्षा अधिकारी यह संकल्प लेकर कार्य करे कि जिले का परीक्षा परिणाम 90 प्रतिशत से अधिक हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर इंदौर के सांदीपनि शासकीय अहिल्या आश्रम कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1 में आयोजित विशेष संवाद कार्यक्रम 'एजुकेशन डायलॉग' को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का विषय 'आज का युवा, भविष्य का निर्माता-एजुकेशन डायलॉग, बेहतर शिक्षा के नए विचार' था। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशभर के जिला शिक्षा अधिकारियों, जिला परियोजना समन्वयकों, विकासखंड शिक्षा अधिकारियों सहित 200 से अधिक युवा और शिक्षकों से सीधे संवाद किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवा शिक्षा अधिकारियों से सीधे संवाद करते हुए उनके अनुभवों, चुनौतियों, प्राथमिकताओं और शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से यह भी जाना कि वे अपने जिलों में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए किस प्रकार काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों से कहा कि शिक्षा अधिकारियों को अपने जिले की स्थानीय परिस्थितियों, विद्यार्थियों की आवश्यकताओं और विद्यालयों की समस्याओं को समझते हुए परिणामोन्मुखी नेतृत्व करना चाहिए।

ऐसे आएगा शिक्षा में बदलाव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्तमान समय तेजी से बदल रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में भी तकनीक की भूमिका निरंतर बढ़ रही है। आज एआई, डिजिटल लर्निंग और आधुनिक तकनीक विद्यार्थियों के सीखने के नये अवसर उपलब्ध करा रही है। ऐसे में शिक्षकों और शिक्षा अधिकारियों को भी समय के साथ अपनी योग्यता बढ़ानी होगी। उन्होंने कहा कि शिक्षक तकनीकी संसाधनों का उपयोग कर विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता को बेहतर कर सकते हैं। डिजिटल माध्यमों के साथ विद्यार्थियों को विषय की समझ, तार्किक क्षमता, प्रश्न पूछने की आदत और समस्या समाधान की क्षमता विकसित करने पर भी ध्यान दिया जाये।

कोई भी बच्चा नहीं रहे पीछे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिक्षा अधिकारियों से कहा कि उनके कार्य की पहली प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि उनके जिले में कोई भी बच्चा पीछे नहीं रहे। प्रत्येक विद्यार्थी की शैक्षणिक प्रगति पर नजर रखी जाए। कमजोर विद्यार्थियों की पहचान कर उनके लिए विशेष रणनीति बनाई जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिक्षकों से कहा कि प्रत्येक बच्चें में अलग क्षमता और प्रतिभा होती है। शिक्षक विद्यार्थियों की रुचि, योग्यता और क्षमता को पहचानें तथा उसी के अनुरूप उनका मार्गदर्शन करें। उन्होंने कहा कि कई बार 10वीं के बाद विद्यार्थियों को यह पता नहीं होता कि आगे उन्हें किस विषय या क्षेत्र में पढ़ाई करनी चाहिए।

शिक्षा विभाग में युवा नेतृत्व

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में शिक्षा विभाग में बड़े पैमाने पर युवा अधिकारियों को सीधे मैदानी नेतृत्व की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रदेश में लगभग 40 नए जिला शिक्षा अधिकारी, 23 जिला परियोजना समन्वयक और लगभग 60 विकासखंड शिक्षा अधिकारी पदस्थ किए गए हैं। इन युवा अधिकारियों की औसत आयु लगभग 28 वर्ष है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारियों को केवल निर्देशों के पालन तक सीमित नहीं रखना चाहिए। उन्हें परिणाम आधारित नेतृत्व करना होगा।

यहीं नहीं थमना, निरंतर आगे बढ़ना है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवनियुक्त युवा अधिकारियों और शिक्षकों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि यह उनकी यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। यहीं रुकना नहीं है, निरंतर आगे बढ़ना है और समाज के लिए कार्य करना है। उन्होंने कहा कि आपके माध्यम से कई पीढ़ियां आगे बढ़ेंगी। इसलिए अपनी मूल जड़ों से जुड़े रहकर आधुनिक तकनीक और नई सोच को अपनाना जरूरी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे अपने अनुभव साझा करते रहें और शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए नए विचार सामने लाएं।

प्रधानमंत्री बोले- पब्लिक से कैसे बात करें, टिप्स दीजिए

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को टीचर्स डे पर उन 48 शिक्षकों से बातचीत की, जिन्हें आज राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया है। पीएम मोदी के यूट्यूब चैनल पर 5 मिनट का वीडियो जारी किया गया। पीएम ने एक महिला टीचर से पूछा कि आप बच्चों को पब्लिक स्पीकिंग सिखाती हैं। अगर मैं आपके यहां का स्टूडेंट हूं और मुझे एक अच्छा स्पीकर बनना है तो मुझे टिप्स दीजिए कि मुझे क्या-क्या करना चाहिए। इस पर टीचर ने जवाब दिया कि आपको सबसे पहले कॉन्फिडेंस दिखाना चाहिए। इस पर पीएम ने हंसते हुए कहा कि तो आखिर ये कॉन्फिडेंस कैसे आएगा। टीचर्स ने कहा कि इसकी प्रैक्टिस करनी होती है। इस साल तीन विभागों से 82 टीचर्स और एजुकेटर्स को नेशनल टीचर्स अवॉर्ड के लिए चुना गया। इनमें 48 स्कूली टीचर हैं। इनके अलावा उच्च शिक्षण संस्थानों और पॉलिटेक्निक से 21 फैकल्टी सदस्य, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय से 13 स्किल ट्रेनर चुने गए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, स्क्रीन टाइम अब एक तरह की लत बन गया है। मेरे मन में एक विचार आता है। अगर कोई बच्चा खेलों में गहरी रुचि लेना शुरू कर दे और खेल से मेरा मतलब वीडियो गेम नहीं, बल्कि मैदान पर जाकर वास्तविक खेल खेलने से है तो धीरे-धीरे वह इस लत से बाहर निकल सकता है। ड्रेस कोड का मुद्दा भी कुछ बड़े शहरों या यूनिवर्सिटी में सामने आया है। वहां अक्सर जागरूकता की कमी होती है। कभी-कभी नियम बिना किसी स्पष्टीकरण के ही लागू कर दिए जाते हैं। मोदी ने कहा, आज शिक्षकों को बच्चों के मन में पैदा होने वाली आशंकाओं और इससे जुड़े प्रभावों के प्रति लगातार जागरूक रहने की जरूरत है। यह देखना चाहिए कि कौन से कदम बच्चों के व्यवहार में बदलाव ला रहे हैं।

10 हजार रुपये हो सकती है पीएम किसान सम्मान निधि

नूंह। भारतीय कृषक समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष और भारत सरकार की हाईपावर परचेज कमेटी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) के सदस्य डॉ. कृष्णवीर चौधरी ने किसानों के लिए एक बड़ी खुशखबरी दी है। उन्होंने संकेत दिया है कि अगले साल से किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ाकर 10,000 रुपये सालाना की जा सकती है। डॉ. चौधरी नूंह पंचायत भवन में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार और कृषक समाज किसानों को सस्ती दरों पर गुणवत्तापूर्ण खाद-बीज उपलब्ध कराने, उनकी फसलों का उचित न्यूनतम

समर्थन मूल्य सुनिश्चित करने और समग्र रूप से किसानों की आय में वृद्धि करने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। इस अवसर पर डॉ. कृष्णवीर चौधरी ने डॉ. इरशाद मदेपुर को भारतीय कृषक समाज, नूंह का नया जिलाध्यक्ष मनोनीत किया और उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा। उन्होंने नवनियुक्त जिलाध्यक्ष को निर्देश दिए कि नूंह-मेवात क्षेत्र में छोटे किसानों के समूह बनाकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में काम किया जाए। साथ ही, युवाओं को कृषि से जोड़कर इस अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने की जिम्मेदारी भी उन्हें सौंपी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा के मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार मुकेश वशिष्ठ ने की। अजीत सिंह तेवतिया और चौधरी ताहिर हुसैन ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार रखे।

कांग्रेस ने कई नेताओं की जिम्मेदारी बदली

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शनिवार को पार्टी संगठन में बड़ा फेरबदल करते हुए कई राज्यों के लिए नए प्रभारियों और महासचिवों की नियुक्ति की है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ये नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई हैं। नई सूची के अनुसार भूपेश बघेल- महासचिव/प्रभारी असम, रणदीप सिंह सुरजेवाला- महासचिव/प्रभारी, गुजरात (इसके साथ ही कर्नाटक की अतिरिक्त जिम्मेदारी), सचिन पायलट- महासचिव/प्रभारी पंजाब, सुखदेव भगत- प्रभारी छत्तीसगढ़, डॉ. सिरिवैला प्रसाद- प्रभारी, महाराष्ट्र और पीवी मोहन को आंध्र प्रदेश प्रभारी बनाया गया है। कांग्रेस पार्टी ने संगठन से विदा हो रहे निवर्तमान महासचिवों/प्रभारियों के योगदान की सराहना की है। संगठन में फेरबदल का शिकार हुए लोगों में जितेंद्र सिंह, रमेश चेन्निथला और मणिकम टैगोर शामिल हैं। वहीं, मुकुल वासनिक कांग्रेस के महासचिव के रूप में अपनी सेवाएं जारी रखेंगे।

जिसकी जितनी आबादी उसको उतना हक मिले

नई दिल्ली (वार्ता)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की जातिगत जनगणना की मांग को समर्थन देने के लिए कांग्रेस ने शनिवार को देश के विभिन्न शहरों में प्रेस कॉन्फ्रेंस की और मोदी सरकार पर जातिगत जनगणना को लेकर गुमराह करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेताओं ने इन प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और श्री गांधी लंबे समय से जातिगत जनगणना की मांग उठाते रहे हैं। श्री गांधी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि 'जिसकी जितनी आबादी, उसका उतना हक।' उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना से देश में विभिन्न सामाजिक वर्गों की वास्तविक स्थिति और सरकारी व्यवस्था में उनकी भागीदारी का पता चल सकेगा। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अहमदाबाद में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि जातिगत जनगणना देश के लिए बहुत जरूरी है। इसके हो जाने से देश में लोगों की वास्तविक भागीदारी सुनिश्चित होगी और सभी लोग मिलकर आगे बढ़ सकेंगे। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना का जो प्रारूप प्रस्तुत किया गया है, उससे साफ है कि मोदी सरकार की नीयत ठीक नहीं है। हैदराबाद में कांग्रेस के राष्ट्रीय समन्वयक के. राजू ने हैदराबाद में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि श्री गांधी लगातार जातिगत जनगणना का मुद्दा उठाते रहे हैं और उनके दबाव के कारण मोदी सरकार को इसकी घोषणा करनी पड़ी।

राहुल की जातिगत जनगणना की मांग के समर्थन में कांग्रेस की देशभर में प्रेस कॉन्फ्रेंस

मीडिया सेक्टर में विश्वसनीयता का संकट: गडकरी

लोकतंत्र के लिए न्यायपालिका और मीडिया का निष्पक्ष होना जरूरी

नागपुर

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सभी संस्थानों में मीडिया के सामने विश्वसनीयता का संकट सबसे बड़ी समस्या है। आज सबसे बड़ी जरूरत है कि मीडिया अपनी विश्वसनीयता फिर से कायम करे। गडकरी शनिवार को आईआईएम नागपुर मीडिया कॉन्क्लेव 2026 में 'मीडिया, नेतृत्व और नई विश्व व्यवस्था' विषय पर बोल रहे थे। उन्होंने लोकतंत्र की प्रगति के लिए स्वतंत्र-निष्पक्ष न्यायपालिका के साथ स्वतंत्र-निष्पक्ष मीडिया को जरूरी बताया। गडकरी ने कहा कि 21वीं सदी में हर सेक्टर के लिए विश्वसनीयता, सद्भावना और ईमानदारी सबसे बड़ी पूंजी हैं। सभी क्षेत्रों में विश्वसनीयता कम हुई है, लेकिन मीडिया की विश्वसनीयता बहुत ज्यादा घटी है। हालांकि इसमें सभी मीडिया संस्थान शामिल नहीं हैं। अखबार और मीडिया संस्थान कहा करते थे कि वे तय करेंगे कि चुनाव कौन जीतेगा, लेकिन अब सोशल मीडिया ने इस दिशा को बदल दिया है। उन्होंने कहा कि राजनीति समेत सभी क्षेत्रों में

विश्वसनीयता का संकट है, लेकिन मीडिया क्षेत्र में विश्वसनीयता का संकट सबसे बड़ी समस्या है। मीडिया को अपनी विश्वसनीयता बहाल करने के बारे में सोचना चाहिए। जिन लोगों के पास विश्वसनीयता होती है, उन्हें खुद का प्रचार करने की जरूरत नहीं पड़ती।

जनता, समाज और देशहित में लिखें

केंद्रीय मंत्री ने पत्रकारों को लोगों, समाज और देश के हित में लिखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पत्रकारों को गुणात्मक बदलाव के साथ आम लोगों तक पहुंचना चाहिए। गडकरी ने कहा कि अच्छे काम की तरह अच्छी पत्रकारिता को भी पहचान मिलती है। आने वाले समय में वही लोग टिकेंगे, जो अपनी विश्वसनीयता और पेशे के मूल मूल्यों की रक्षा करेंगे। उन्होंने मीडिया से लोकतंत्र को मजबूत करने, सामाजिक और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने और ज्ञान में बदलाव लाने की दिशा में काम करने की अपील की। इससे भारत को 'विश्व गुरु' यानी दुनिया का नेता बनाने में भी मदद मिलेगी।

लोकतंत्र के चार स्तंभों की जिम्मेदारी बताई

गडकरी ने कहा, भारत लोकतंत्र की जननी और दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। संविधान ने लोकतंत्र के चार स्तंभों यानी विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया की जिम्मेदारियां साफ तौर पर तय की हैं। गडकरी ने कहा- राजनीति और राजनीतिक दल लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत हैं। लोकतंत्र, लोकतांत्रिक मूल्यों के बारे में, सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक मुद्दों पर लोगों में जागरूकता बढ़ाना भी जरूरी है।

किशोर न्याय प्रणाली से जुड़ी चुनौतियों से निपटने शुरू हुआ विचार मंथन

दो दिवसीय मप्र राज्य स्तरीय परामर्श का हुआ उद्घाटन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र में किशोर न्याय प्रणाली को अधिक प्रभावी, संवेदनशील और बाल केंद्रित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में मप्र राज्य न्यायिक अकादमी में मीमांसा, मप्र राज्य स्तरीय परामर्श का उद्घाटन किया गया। 05 और 06 सितंबर को आयोजित यह दो दिवसीय राज्य स्तरीय परामर्श, किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 की दस वर्षों की यात्रा की समीक्षा करने, अब तक की प्रगति का आंकलन करने, किशोर न्याय प्रणाली के समक्ष उपस्थित चुनौतियों की पहचान करने और भविष्य की प्राथमिकताओं पर विचार विमर्श करने पर केंद्रित है। इस परामर्श का आयोजन मप्र उच्च न्यायालय की किशोर न्याय समिति के तत्वावधान में मप्र राज्य न्यायिक अकादमी, मप्र शासन, यूनिसेफ मप्र एवं मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से किया जा रहा है। इस परामर्श की एक विशिष्ट विशेषता उन किशोरों और युवाओं की सक्रिय भागीदारी है, जो स्वयं राज्य में किशोर न्याय प्रणाली का हिस्सा रहे हैं।

बाल विवाह जैसे मुद्दों को किया रेखांकित

मप्र उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति विवेक रूसिया ने अपने भाषण में इस बात पर बल दिया कि किशोर न्याय प्रणाली की सफलता का आंकलन केवल संस्थागत विकास या मामलों के निपटारे से नहीं, बल्कि बच्चों के जीवन पर पड़े वास्तविक और सकारात्मक प्रभाव से किया जाना चाहिए। उन्होंने एक बाल-केंद्रित और एकीकृत न्याय प्रणाली की आवश्यकता पर बल दिया। जो बच्चे की जीवन यात्रा में शामिल सभी हितधारकों के बीच निर्बाध समन्वय सुनिश्चित करे। उन्होंने बच्चों की देखरेख, संरक्षण, निष्पक्ष न्यायनिर्णयन, पुनर्वास, पुनर्स्थापन तथा उनके परिवारों और समाज में पुन:एकीकरण के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कमियों की पहचान करने, संस्थाओं को सुदृढ़ करने और अंतर-एजेंसी समन्वय में सुधार का आह्वान किया ताकि बच्चों को देरी का सामना न करना पड़े। मप्र उच्च न्यायालय की किशोर न्याय समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति आनंद पाठक ने अपने संबोधन में पिछले दशक की उपलब्धियों, कमियों और कार्यान्वयन के अंतर की समीक्षा करने तथा किशोर न्याय के लिए एक स्पष्ट भविष्य की रूपरेखा तैयार करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने प्रमुख विभागों के बीच संस्थागत संवाद और अंतर-विभागीय समन्वय पर बल दिया तथा आयु निर्धारण, अंतर्विभाजकता (इंटरसेक्शनैलिटी), दिव्यांगता, परिवार आधारित देखरेख और बाल विवाह जैसे मुद्दों को रेखांकित किया।

आने वाली कमियों को दूर करने दिया बल

मप्र उच्च न्यायालय की पॉक्सो समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति गुरपाल सिंह अहलूवालिया ने अपने विशेष संबोधन में किशोर न्याय ढांचे के तहत चार दशकों के अनुभवों से सीखने और जेजे एक्ट, 2015 के प्रभावी कार्यान्वयन में आने वाली कमियों को दूर करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने जेजे एक्ट और पॉक्सो एक्ट के बीच पूरक संबंधों को रेखांकित किया। इस अवसर पर कोलकाता उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुजॉय पॉल, मप्र उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल धर्मिंदर सिंह, प्रधान जिला न्यायाधीश (निरीक्षण) अजय प्रकाश मिश्र, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश कृष्णमूर्ति मिश्र आदि उपस्थित रहे।

हर साल ओवरहॉलिंग और अपग्रेड किए जाएंगे भारतीय सेना के 80 टी-सीरीज टैंक्स

लोक निर्माण मंत्री से व्हीकल फैक्ट्री सीजीएम ने भेंट कर परियोजना के संदर्भ में की विस्तृत चर्चा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। व्हीकल फैक्ट्री (व्हीएफजे) में 472 करोड़ रुपये की लागत से टी-72 और टी-90 टैंकों के लिए बनने वाले मेगा टैंक ओवरहॉलिंग फैसिलिटी (मरम्मत और आधुनिकीकरण केंद्र) को ढांचागत सुविधाओं में केंद्र व राज्य सरकार के बीच समन्वय बनाते हेतु कार्य को गति देने के उद्देश्य से लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह से व्हीकल फैक्ट्री के सीजीएम प्रवीण कुमार ने मंत्री श्री सिंह के निवास पर भेंट कर परियोजना के संदर्भ में विस्तृत चर्चा की। उल्लेनीय है कि केंद्र सरकार द्वारा व्हीकल फैक्ट्री में लगभग 472 करोड़ रुपये से टी-72 और टी-90 टैंकों के लिए बनने वाले एक टैंक मेगा ओवरहॉलिंग फैसिलिटी (मरम्मत और आधुनिकीकरण केंद्र) बनाने को स्वीकृति दी है और इस प्रोजेक्ट का भूमिपूजन केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा विगत दिनों किया गया था। मंत्री श्री सिंह से भेंट के दौरान सीजीएम ने बताया कि इस नई यूनिट में हर साल भारतीय सेना के 80 टी-सीरीज टैंकों की ओवरहॉलिंग और अपग्रेडेशन किया जाएगा। यह सुविधा आर्मड व्हीकलस निगम लिमिटेड के अंतर्गत आने वाली व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर में विकसित की जा रही है।

आने वाली कठिनाइयों को किया जाएगा दूर

सीजीएम श्री कुमार ने मंत्री श्री सिंह से इस प्रोजेक्ट में जो ढांचागत सुविधाएं आवश्यक है उन पर केंद्र और राज्य सरकार के बीच समन्वय बनाने का आग्रह किया जिस पर मंत्री सिंह ने उन्हें आश्वासत किया कि इस प्रोजेक्ट में राज्य सरकार की जो भी भूमिका होंगी और उसके दृष्टिगत किसी भी आने वाली कठिनाइयों को नियमानुसार दूर किया जायेगा। मंत्री राकेश सिंह ने कहा वर्तमान में केवल अवादी (चेन्नई) स्थित भारी वाहन कारखाना ही मुख्य रूप से यह काम संभालता था। जबलपुर में यह केंद्र बनने से सेना की ऑपरेशनल जरूरतों को समय पर पूरा करने में मदद मिलेगी, साथ ही इस मेगा प्रोजेक्ट से स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर मिलेंगे और क्षेत्रीय एमएसएमई उद्योगों को भी बढ़ावा मिलेगा।

खटवानी किआ में बहुप्रतीक्षित किया सोरेंटो का भव्य शुभारंभ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। प्रीमियम मोबिलिटी को नई दिशा देते हुए खटवानी किआ ने अपनी बहुप्रतीक्षित किया सोरेंटो का भव्य शुभारंभ किया। कार्यक्रम के मुख्य मंत्री अतिथि राकेश सिंह रहे। इस अवसर पर खटवानी ग्रुप के निदेशक रोहित खरवानी एवं रौबिन खरवानी ने अपने पुत्र रुशिल खरवानी एवं ऋ ग्वेद खटवानी के साथ मिलकर वाहन का अनावरण किया। खटवानी किआ परिवार की 7वीं वर्षगांठ का यह विशेष समारोह शनिवार, 5 सितंबर 2026 की शाम 5 बजे खटवानी किआ, त्रिपुरी चौक, मदन महल रोड, जबलपुर में आयोजित हुआ। इस अवसर पर रोहित खटवानी ने कहा किया सोरेंटो केवल एक नई प्रीमियम एसयूवी नहीं, बल्कि आधुनिक शक्ति, सुरक्षा और आरामदायक मोबिलिटी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। खटवानी किया ने अपनी सात वर्षों की सफल यात्रा में 8,000 से अधिक ग्राहकों को उत्कृष्ट बिक्री एवं सेवा अनुभव प्रदान कर उनका विश्वास जीता है और उनके चेहरों पर खुशी लाई है।

7 सितंबर से सप्त दिवसीय मानस ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। विगत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी श्री गोपाललालजी महाराज ट्रस्ट, महाकौशल शहीद स्मारक ट्रस्ट तथा चिन्मय मिशन के संयुक्त तत्वावधान में सप्त दिवसीय मानस ज्ञान यज्ञ का आयोजन सोमवार 7 सितम्बर से किया जा रहा है। ज्ञान यज्ञ में चिन्मय मिशन सेवा ट्रस्ट इंदौर के प्रमुख आचार्य प्राबुद्धानंदजी सरस्वती के 7 सितम्बर से 13 सितम्बर तक प्रति दिन सांय 6.30 से श्री लक्ष्मन चरित्र पर गोल बाजार स्थित शहीद स्मारक सभागार में प्रवचन होंगे।

समान कार्य, समान वेतन से वंचित हो रहे हैं हजारों कर्मचारी

मप्र विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन ने उठाई मांग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी पी पाठक ने कहा कि एक गलत आदेश के कारण हजारों कर्मचारी संविधान में मिलें समान कार्य समान वेतन से वंचित हो रहे हैं। इस विषय पर मप्र उच्च न्यायालय के स्पष्ट निर्णय के बाद भी शासन का अभि तक आदेश न होने के कारण बिजली कंपनियों में अनुकंपा आधार पर संविदा पदों पर नियुक्त कार्यालय सहायक श्रेणी-3 कार्मिकों को नियमित पद पर नियुक्ति उपरांत कर्मचारियों को 70 प्रतिशत, 80 प्रतिशत, 90 प्रतिशत वेतन दिया जा रहा है। जो कि पूर्णत: असंवैधानिक है। मप्र उच्च न्यायालय द्वारा स्पष्ट रूप से निर्णय दिया गया है कि सभी कर्मचारियों को समान कार्य समान वेतन के तहत पहली नियुक्ति के प्रथम माह से पूर्ण वेतन दिया जाए। इस आदेश का राज्य शासन द्वारा आज तक कोई निर्णय नहीं किया गया है। मप्र विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डीपी पाठक ने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव कर्मचारियों के प्रति संवेदनशील रुख सकारात्मक सोच से लगातार निर्णय ले रहे हैं किन्तु राज्य शासन के कुछ अधिकारी गण ऐसे न्यायालय के निर्णय के बावजूद अपनी मनमानी चलाकर मुख्यमंत्री की भावना के विरुद्ध कार्य कर हजारों कर्मचारियों का आर्थिक, मानसिक रूप से परेशान कर शोषण कर रहे हैं। इस दौरान यूके पाठक, दिनेश दुबे, अनूप वर्मा, उमाशंकर दुबे, सीताराम कुररिया, श्याम मोहन वर्मा आदि मुख्यमंत्री सहित अधिकारियों से अनुरोध किया है कि सभी उपरोक्त कार्यालय सहायक श्रेणी -3 के कर्मचारियों को नियुक्ति की दिनांक से ही पूर्ण रूप से 100 प्रतिशत वेतन और पहले काटी गई राशि के एरियर का पूरा भुगतान किया जाएं।

डिस्ट्रिक्ट योगासन स्पोर्ट्स में आरुषी गुप्ता को मिला प्रथम स्थान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। अशोका हॉल जूनियर एवं हाईस्कूल में आयोजित डिस्ट्रिक्ट योगासन स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप प्रतियोगिता जूनियर (14 वर्ष से कम) में श्रेष्ठ प्रदर्शन पर जबलपुर की आरुषी गुप्ता को जिले में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। आरुषी गुप्ता सरिता एवं अतुल गुप्ता की पुत्री हैं। इससे पहले भी वे विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चुकी हैं।

आधुनिक उपकरणों से रखी जा रही निगरानी, संवेदनशील स्थानों पर तैनात किए गए कर्मचारी

बारिश के मौसम में जबलपुर रेल मंडल द्वारा लगातार की जा रही निगरानी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मानसून के दौरान यात्रियों की सुरक्षित यात्रा एवं ट्रेनों के निर्बाध और सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल द्वारा व्यापक मानसून सुरक्षा तैयारियां की गई हैं। मंडल के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा भारी बारिश, जलभराव, बाढ़, मिट्टी के कटाव एवं अन्य मौसमी चुनौतियों से निपटने के लिए संवेदनशील रेल परिसंपत्तियों पर विशेष निगरानी एवं एहतियाती व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। वर्तमान मानसून सीजन में महत्वपूर्ण/प्रमुख पुलों, कटिंग लोकेशन एवं अन्य संवेदनशील स्थानों पर कुल 109 रेल कर्मचारी तैनात किए गए हैं। इन कर्मचारियों द्वारा निर्धारित पेट्रोलिंग के माध्यम से विशेष रूप से भारी बारिश के दौरान एवं उसके बाद रेल ट्रैक तथा आसपास के क्षेत्रों की सतत निगरानी की जा रही है। मॉनसून पेट्रोलमैन एवं स्टेशनरी वॉचमैन द्वारा ट्रैक के धंसने, गिट्टी के बहने या खिसकने, जलभराव, तटबंध के कटाव तथा अन्य संभावित असुरक्षित परिस्थितियों की समय रहते पहचान की जा रही है। पेट्रोलिंग की निगरानी डिवाइस के माध्यम से की जाती है तथा किसी भी असामान्य स्थिति की तत्काल सूचना संबंधित अधिकारियों एवं कंट्रोल कार्यालय को दी जाती है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तुरंत एहतियाती एवं सुधारात्मक कार्रवाई की जा सके। आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया के लिए, परिचालन, सिग्नल एवं दूरसंचार, विद्युत विभागों तथा सिविल प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय स्थापित किया गया है। बारिश के पानी का निर्बाध प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए, साइड ड्रेन, कैच वाटर ड्रेन, जलमार्गों एवं पुलों के खुले हिस्सों की सफाई तथा गाद निकालने का कार्य सुनिश्चित किया गया है। साथ ही रणनीतिक स्थानों पर गिट्टी, बड़े पत्थर, रेत की बोरियां, स्लीपर, रेल एवं आवश्यक औजार जैसी आपातकालीन सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रखी गई है। तेज बारिश एवं तूफान के दौरान इंजीनियरिंग अधिकारियों तथा रख-रखाव टीमों द्वारा चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है। जबलपुर मंडल की इन व्यापक एवं सक्रिय तैयारियों का उद्देश्य मानसून के दौरान संभावित व्यवधानों को न्यूनतम करते हुए रेल परिचालन की विश्वसनीयता बनाए रखना तथा यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देना है।

मिट्टी के श्री गणेश बनाकर दिया प्रकृति संरक्षण का संदेश

जबलपुर। प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन उत्तर मध्य क्षेत्र के विधायक डॉ. अभिलाष पांडे के मुख्यआतिथ्य में शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में किया गया। इस अभियान का उद्देश्य प्रदेश के समस्त परिवारों को जागरुक कर श्री गणेश उत्सव पर प्रत्येक परिवार को मिट्टी के गणेश जी स्थापित करने प्रेरित करना है।

एमएसई के 25 प्रतिशत आरक्षण पर मप्र हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र हाईकोर्ट ने मप्र पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड की आउटसोर्स जनशक्ति उपलब्ध कराने संबंधी निविदा में सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) के लिए 25 प्रतिशत खरीद आरक्षित रखने के प्रविधान को लेकर प्रतिवादियों से स्थिति स्पष्ट करने को कहा है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विवेक रूसिया और न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की युगलपीठ ने प्रतिवादियों को निर्देश प्राप्त करने के लिए समय देते हुए मामले की अगली सुनवाई 15 सितंबर को निर्धारित की है। याचिकाकर्ता मेसर्स अदिति इलेक्ट्रिकल की ओर से अधिवक्ता अमित सिंह सेंगर ने पक्ष रखा।याचिकाकर्ता की शिकायत है कि मप्र भंडार खरीद एवं सेवा खरीद नियम, 2015 तथा एमएसई के लिए सार्वजनिक खरीद नीति आदेश, 2012 के तहत वस्तुओं और सेवाओं की खरीद में 25 प्रतिशत हिस्सा एमएसई के लिए आरक्षित किया जाना चाहिए।

मामला एमपीपीकेवीवीसीएल द्वारा जारी निविदा से जुड़ा है। इसके तहत कंपनी के अंतर्गत आने वाले सभी जिलों सहित नौ सर्किलों में विभिन्न संचालन एवं रखरखाव कार्यों के लिए आउटसोर्स जनशक्ति उपलब्ध कराने वाली सेवा प्रदाता एजेंसी का चयन किया जाना है। याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट के लाइफकेयर इनोवेशन्स प्राइवेट लिमिटेड बनाम यूनियन आफ इंडिया मामले में दिए गए 2025 के निर्णय का हवाला दिया। उसमें एमएसई के 25 प्रतिशत खरीद के प्रविधान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। राज्य की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता नीलेश यादव उपस्थित रहे।

जो हर हाल में सत्य सिखाएं, वहीं एक सफल शिक्षक कहलाएं

शिक्षक दिवस के अवसर पर हुए विविध आयोजन, सम्मानित हुए शिक्षक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। तान्या कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल, पाटन में शनिवार को शिक्षक दिवस समारोह गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। समारोह में गुरु-शिष्य परंपरा की गरिमा को नमन करते हुए शिक्षकों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व शिक्षक एवं वर्तमान नगर परिषद अध्यक्ष आचार्य जगेंद्र सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर परिषद सीएमओ जयश्री चौहान ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में संस्था प्राचार्य ठाकुर चरण सिंह उपस्थित रहे।विद्यार्थियों ने शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों के सम्मान में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर समारोह को भावपूर्ण बना दिया। अपने प्रेरणादायी में अतिथियों ने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन को दिशा देने वाली सतत प्रक्रिया है। सीखने की कोई उम्र नहीं होती-मनुष्य को जीवन के प्रत्येक पड़ाव पर नई बातें सीखते हुए अपने ज्ञान और व्यक्तित्व का निरंतर विकास करते रहना चाहिए। समारोह में विद्यालय के उप-प्राचार्य सुजीत सिंह ठाकुर सहित हेमंत शर्मा, नीरज पटेल, बृजेश बिस्करमा, जसपाल सिंह, प्रताप नामदेव, अनिल पटेल, मनीषा सिंह, मानसी पस्तारिया, जयश्री राजपूत, देवीदीन पटेल, नारायण केसरवानी, राज कुमार प्रजापति, अर्चना बर्मन, प्रिया तिवारी, रुचि शर्मा, स्नेहा शर्मा एवं महेंद्र चौबे सहित विद्यालय परिवार के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

एपीएन ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीटयूशन्स में मनाया शिक्षक दिवस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शिक्षक का कार्य न केवल विद्यार्थियों को शिक्षा देना होता बल्कि उस शिक्षा को व्यवहारिक रूप में प्रदर्शित करना भी होना चाहिये। क्योंकि कोई भी शिक्षक कितना भी ज्ञानी क्यों न हो उस ज्ञान का उपयोग अपने व्यवहार में नहीं करता तो उस ज्ञान का कोई अर्थ नहीं होता है। उक्त आशय के उद्गार एपीएन ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीटयूशन्स के अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव ने शिक्षक दिवस समारोह के अवसर पर व्यक्त किये। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षक दिवस डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस के अवसर पर मनाया जाता है जो कि एक प्रख्यात शिक्षाविद महान दार्शनिक और भारतीय संस्कृति के सम्वाहक थे। उनके दर्शन और शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिये 1954 में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में इंस्टीटयूशन्स के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। जिसमें गीत एवं नाटक का मंचन प्रमुख थे। इस अवसर पर संस्था द्वारा सभी शिक्षक शिक्षिकाओं एवं कर्मचारियों को उपहार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रध्यापिका रूची आहूजा केन्द्रीय विद्यालय के पीजीटी शिक्षक अखिल प्रताप सिंह सहित, संस्था सह-प्रबंधक मयंक श्रीवास्तव, रजिस्ट्रार मानवेन्द्र सिंह, महाविद्यालय प्राचार्या डॉ सोनल खरे, स्टेट बोर्ड प्राचार्य अजय वर्मा आदि उपस्थित रहे।

सरस्वती शिशु मंदिर में मनाया गया शिक्षक दिवस

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। गोसलपुर नगर स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर में शिक्षक दिवस का कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर डॉ. राधाकृष्णन के जीवन-दर्शन एवं शैक्षिक विचारों पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में वक्ताओं ने कहा की शिक्षक ही देश का वास्तविक निर्माता होता है। शिक्षक वह दीपक है जो स्वयं जलकर विद्यार्थियों के जीवन में ज्ञान का प्रकाश फैलाता है। इस अवसर पर विद्यालय समिति की ओर से संस्था के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं को शॉल-श्रीफल एवं सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना की गई। कार्यक्रम में समिति अध्यक्ष नंदकिशोर अग्रवाल, जनपद सदस्य धर्मेंद्र सिंह राजपूत, संस्था के व्यवस्थापक जीवनलाल गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

डॉक्टर नहीं, फिर भी हेल्थ सेक्टर में बनाएं शानदार करियर

मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल और बड़े हेल्थकेयर संस्थानों तक आधुनिक सुविधाएं विकसित हो रही हैं। ऐसे में केवल डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ ही नहीं, बल्कि अस्पताल की पूरी प्रशासनिक व्यवस्था को कुशलता से संभालने वाले प्रोफेशनल्स की मांग भी तेजी से बढ़ी है। हॉस्पिटल मैनेजमेंट इसी जरूरत से जुड़ा ऐसा क्षेत्र है, जिसमें हेल्थ सेक्टर में रुचि रखने वाले युवा बिना डॉक्टर बने भी शानदार करियर बना सकते हैं।

क्या काम करते हैं हॉस्पिटल मैनेजर? – हॉस्पिटल मैनेजर अस्पताल की प्रशासनिक और संचालन व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी होता है। वह डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ, मरीजों और प्रबंधन के बीच बेहतर तालमेल बनाने का काम करता है। अस्पताल के विभिन्न विभागों का समन्वय, कर्मचारियों की व्यवस्था, मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं की निगरानी, रिकॉर्ड मैनेजमेंट, बजट और संसाधनों का प्रबंधन जैसे कार्य उसकी जिम्मेदारियों में शामिल होते हैं। इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए लीडरशिप, कम्युनिकेशन, टीम मैनेजमेंट, समस्या समाधान और निर्णय लेने की क्षमता बेहद जरूरी है। साथ ही वित्तीय प्रबंधन और डेटा की समझ भी करियर को मजबूत बनाती है।

12वीं के बाद बना सकते हैं राह– हॉस्पिटल मैनेजमेंट में प्रवेश की योग्यता संस्थान और कोर्स के अनुसार अलग-अलग हो सकती है। 12वीं के बाद बैचलर स्तर के पाठ्यक्रम किए जा सकते हैं। स्नातक के बाद एमबीए इन हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, मास्टर ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन (एमएचए), पीजी डिप्लोमा जैसे विकल्प मौजूद हैं। कुछ संस्थान डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स भी संचालित करते हैं।

कहां मिलेगी नौकरी?– सरकारी अस्पतालों के अलावा निजी अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, डायग्नोस्टिक सेंटर, हेल्थकेयर कंपनियां, नर्सिंग होम और हेल्थ इंश्योरेंस से जुड़े संस्थानों में रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। शुरुआत हेल्थकेयर एग्जीक्यूटिव या असिस्टेंट हॉस्पिटल मैनेजर के रूप में की जा सकती है। अनुभव के साथ हॉस्पिटल मैनेजर, ऑपरेशंस मैनेजर और वरिष्ठ प्रशासनिक पदों तक पहुंचने का अवसर मिलता है।

एक नजर में

- **योग्यता** – 12वीं के बाद स्नातक कोर्स; आगे स्नातकोत्तर/एमबीए विकल्प।
- **प्रमुख कोर्स** – बीएचए, बैचलर ऑफ हॉस्पिटल मैनेजमेंट, एमएचए, एमबीए इन हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, पीजी डिप्लोमा।
- **कोर्स अवधि** – स्नातक सामान्यत: 3 वर्ष; मास्टर स्तर के कोर्स 2 वर्ष।
- **नौकरी** – हॉस्पिटल मैनेजर, हेल्थकेयर एग्जीक्यूटिव, हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेटर, ऑपरेशंस मैनेजर।
- **रोजगार क्षेत्र** – सरकारी व निजी अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, डायग्नोस्टिक सेंटर, हेल्थकेयर कंपनियां।
- **जरूरी स्किल्स** – कम्युनिकेशन, नेतृत्व, टीम मैनेजमेंट, निर्णय क्षमता, समस्या समाधान और वित्तीय समझ
- **वेतन** – शुरुआत संस्थान व योग्यता के अनुसार; अनुभव के साथ बेहतर पैकेज की संभावना

ग्लोबल एजुकेशन से करियर के नए रास्ते, यूनिवर्सिटी चुनते समय रखें ध्यान

विदेश में पढ़ाई करना भारतीय विद्यार्थियों के लिए लंबे समय से आकर्षण का केंद्र रहा है। हालांकि अब इसका उद्देश्य केवल प्रतिष्ठित डिग्री हासिल करना या विदेश में नौकरी पाना नहीं रह गया है। बदलती तकनीक और ऑटोमेशन के दौर में विद्यार्थी ऐसी शिक्षा को प्राथमिकता दे रहे हैं, जो उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने के साथ वैश्विक स्तर पर काम करने का अनुभव भी दे।

विदेशी विश्वविद्यालय का चयन करते समय उसकी रैंकिंग महत्वपूर्ण हो सकती है, लेकिन इसे ही अंतिम आधार नहीं बनाना चाहिए। विद्यार्थियों को पढ़ाई की गुणवत्ता, इंडस्ट्री कनेक्शन, रिसर्च के अवसर, इंटर्नशिप, रोजगार की संभावनाएं और कुल खर्च जैसे पहलुओं पर भी विचार करना चाहिए। जर्मनी, आयरलैंड, सिंगापुर और यूएई जैसे उभरते शिक्षा केंद्र विद्यार्थियों के लिए नए विकल्प उपलब्ध करा रहे हैं।

आज के वैश्विक रोजगार बाजार में केवल किताबी ज्ञान पर्याप्त नहीं है। विश्वविद्यालयों को इंटर्नशिप, लाइव प्रोजेक्ट, रिसर्च और इंडस्ट्री विशेषज्ञों के साथ संवाद के अवसर बढ़ाने चाहिए। इससे विद्यार्थियों को वास्तविक कार्य परिस्थितियों को समझने और अपने ज्ञान को व्यवहार में लागू करने का अवसर मिलता है। इंटरनेशनल एक्सचेंज और सीमा-पार सहयोग के माध्यम से विद्यार्थी अलग-अलग देशों की कार्यसंस्कृति को भी समझ सकते हैं। इससे उनके भीतर कम्युनिकेशन, टीमवर्क, नेतृत्व और अलग-अलग संस्कृतियों के साथ काम करने की क्षमता विकसित होती है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उभरती तकनीकों के कारण आने वाले वर्षों में कई नौकरियों और कार्य भूमिकाओं का स्वरूप बदल सकता है। ऐसे में भविष्य के स्नातकों के लिए तकनीकी दक्षता और डिजिटल स्किल्स बेहद महत्वपूर्ण होंगी। साथ ही जिज्ञासा, रचनात्मक सोच, समस्या समाधान, संवाद और नेतृत्व जैसे मानवीय कौशल भी करियर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

विदेश में पढ़ाई से पहले चयन-चेकलिस्ट

1 **कोर्स की जांच करें** – विषय आपकी रुचि, योग्यता और भविष्य के करियर से जुड़ा है या नहीं।

2 **यूनिवर्सिटी की मान्यता देखें** – संस्थान की प्रतिष्ठा के साथ उसकी मान्यता और शैक्षणिक गुणवत्ता की जांच करें।

3 **रैंकिंग को अकेला आधार न बनाएं** – कोर्स की गुणवत्ता, प्लेसमेंट और इंडस्ट्री कनेक्शन को भी महत्व दें।

4 **फीस और कुल खर्च जोड़ें** – ट्यूशन फीस के साथ रहने, भोजन, यात्रा, बीमा और अन्य खर्चों का अनुमान लगाएं।

5 **स्कॉलरशिप की जानकारी लें** – यूनिवर्सिटी और अन्य संस्थाओं की उपलब्ध छात्रवृत्तियों की पात्रता जांचें।

7 **इंटर्नशिप और प्रोजेक्ट देखें** – कोर्स में इंडस्ट्री इंटर्नशिप, लाइव प्रोजेक्ट और प्रैक्टिकल ट्रेनिंग की सुविधा है या नहीं।

8 **रिसर्च के अवसर जांचें** – रिसर्च में रुचि है तो विश्वविद्यालय की लैब, प्रोजेक्ट और शोध सुविधाओं की जानकारी लें।

9 **रोजगार की संभावनाएं देखें** – डिग्री के बाद संबंधित देश और भारत में करियर के अवसरों की जानकारी जुटाएं।

10 **भविष्य की स्किल्स पर ध्यान दें** – एआई डिजिटल तकनीक, डेटा, कम्युनिकेशन और समस्या समाधान जैसी स्किल्स सीखने का अवसर मिले।

11 **भाषा और संस्कृति समझें** – जिस देश में जा रहे हैं, वहां की भाषा, संस्कृति और कार्यशैली की बुनियादी जानकारी हासिल करें।

12 **वीजा और नियमों की जानकारी लें** – स्टूडेंट वीजा, काम करने की अनुमति और पढ़ाई के बाद के नियम पहले समझें।

गेट 2027: रजिस्ट्रेशन शुरू, अपडेट रखें डीजी लॉकर

इंजीनियरिंग और तकनीकी क्षेत्र में उच्च शिक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण खबर है। गेट 2027 के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया 2 सितंबर 2026 से शुरू हो गयी है। अभ्यर्थी बिना विलंब शुल्क के 27 सितंबर तक आवेदन कर सकेंगे। विलंब शुल्क के साथ आवेदन की अंतिम तारीख 5 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है।

आवेदन से पहले जरूरी तैयारी

गेट 2027 के लिए आवेदन ऑनलाइन माध्यम से किया जाएगा। अभ्यर्थियों को आवेदन प्रक्रिया पूरी करने से पहले अपना सत्यापित डीजी लॉकर खाता बनाना या अपडेट करना होगा। पंजीकरण के दौरान पहचान सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी, जिसमें डीजी लॉकर एकीकरण और चेहरे की पहचान जैसी प्रक्रिया शामिल हो सकती है।

कौन कर सकता है आवेदन?

गेट 2027 के लिए स्नातक डिग्री के तीसरे या अंतिम वर्ष में अध्ययनरत विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। पात्र स्नातक भी परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। अभ्यर्थियों की शैक्षणिक पृष्ठभूमि इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, वास्तुकला, विज्ञान, वाणिज्य, कला, मानविकी सहित निर्धारित क्षेत्रों से हो सकती है। आवेदन से पहले आधिकारिक पात्रता शर्तों की जांच करना जरूरी है।

फरवरी में छह दिन होगी परीक्षा

गेट 2027 परीक्षा 6, 7, 13, 14, 20 और 21 फरवरी 2027 को आयोजित होगी। परीक्षा कंप्यूटर आधारित होगी और प्रत्येक पेपर की अवधि तीन घंटे रहेगी। प्रश्नपत्र में कुल 65 प्रश्न होंगे और अधिकतम 100 अंक निर्धारित हैं। परीक्षा का प्रश्नपत्र अंग्रेजी भाषा में होगा।

महत्वपूर्ण तिथियां

रजिस्ट्रेशन 2 सितंबर 2026
बिना विलंब शुल्क अंतिम तिथि 27 सितंबर 2026, विलंब शुल्क के साथ 5 अक्टूबर 2026
परीक्षा 6 से 21 फरवरी 2027
परिणाम 19 मार्च 2027

NMMSS छात्रवृत्ति योजना

कक्षा 8 के बाद पढ़ाई जारी रखने वाले मेधावी छात्रों को हर साल मिलेंगे 12 हजार की राशि

National Means & cum & Merit Scholarship Scheme केंद्र सरकार की छात्रवृत्ति योजना है। इसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के मेधावी विद्यार्थियों को कक्षा 8 के बाद पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करना और स्कूल छोड़ने की दर कम करना है। हर साल कक्षा 9 में प्रवेश लेने वाले एक लाख विद्यार्थियों को नई छात्रवृत्तियां दी जाती हैं।

कितनी मिलती है छात्रवृत्ति?

चयनित विद्यार्थी को रू 12,000 सालाना, यानी रू 1,000 प्रतिमाह छात्रवृत्ति मिलती है। यह छात्रवृत्ति कक्षा 9 से 12 तक अधिकतम चार वर्षों के लिए जारी रह सकती है, बशर्ते विद्यार्थी नवीनीकरण की शर्तें पूरी करता रहे।

कौन कर सकता है आवेदन?

योजना के लिए विद्यार्थी को मान्यता प्राप्त सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त या स्थानीय निकाय के स्कूल में नियमित विद्यार्थी होना चाहिए। कक्षा 7 में कम से कम 55 प्रतिशत अंक या समकक्ष ग्रेड जरूरी है। एसटी एससी विद्यार्थियों के लिए इसमें 5 प्रतिशत की छूट है। परिवार की सभी स्त्रोतों से वार्षिक आय रू 3.50 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए।

कैसे होता है चयन?

विद्यार्थियों का चयन संबंधित राज्य/केंद्रशासित प्रदेश की परीक्षा के माध्यम से होता है। परीक्षा में दो हिस्से होते हैं–

1 तर्क, विश्लेषण और मानसिक क्षमता से जुड़े प्रश्न।

2 मुख्यत: गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान से संबंधित प्रश्न।

दोनों टेस्ट में कुल मिलाकर कम से कम 40 प्रतिशत अंक जरूरी हैं। एसटी एससी विद्यार्थियों के लिए यह सीमा 32 प्रतिशत है। हालांकि अंतिम चयन राज्य के निर्धारित कोटे और नियमों के अनुसार होता है।

छात्रवृत्ति जारी रखने के लिए क्या जरूरी है?

कक्षा 10 के बाद छात्रवृत्ति जारी रखने के लिए कक्षा 10 में कम से कम 60 प्रतिशत अंक जरूरी हैं एसटी एससी विद्यार्थियों को 5 प्रतिशत की छूट मिलती है। कक्षा 9 से 10 और कक्षा 11 से 12 में विद्यार्थी को पहली कोशिश में पास होकर अगली कक्षा में जाना होता है। विद्यार्थियों के लिए जरूरी बात इसमें कक्षा 8 के स्तर पर होने वाली चयन परीक्षा सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव है। इसलिए कक्षा 7 से ही गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान की बुनियाद मजबूत करने के साथ रीजनिंग की नियमित तैयारी करना फायदेमंद रहेगा।

परीक्षा का तनाव बनाम बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य

बोर्ड परीक्षाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं का दौर शुरू होते ही बच्चों पर पढ़ाई, अच्छे अंक और भविष्य को लेकर दबाव बढ़ने लगता है। भारी पाठ्यक्रम, देर रात तक पढ़ाई, कोचिंग और परिवार की अपेक्षाएं कई बार बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर असर डालती हैं। ऐसे में अभिभावकों और शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे परीक्षा को जीवन की अंतिम कसौटी न बनने दें।

तुलना नहीं, प्रोत्साहन दें

हर बच्चे की सीखने की क्षमता और रुचि अलग होती है। इसलिए उसकी तुलना पड़ोसी, रिश्तेदार या भाई-बहन के अंकों से करने के बजाय उसकी मेहनत और सुधार पर ध्यान दें। बच्चों को समझाएं कि परीक्षा जीवन का केवल एक हिस्सा है और एक रिपोर्ट कार्ड उनका पूरा भविष्य तय नहीं करता।

खुलकर बातचीत जरूरी

अभिभावक बच्चों के साथ ऐसा माहौल बनाएं, जिसमें वे परीक्षा, डर या असफलता से जुड़ी अपनी परेशानियां खुलकर साझा कर सकें। डांट या दबाव के बजाय उनकी बात सुनना और उनका हौसला बढ़ाना ज्यादा प्रभावी है।

स्वस्थ दिनचर्या रखें

परीक्षा की तैयारी के बीच पर्याप्त नींद, पौष्टिक भोजन और नियमित शारीरिक गतिविधि जरूरी है। लगातार पढ़ने के बजाय बीच-बीच में छोटे ब्रेक लेने से एकाग्रता बेहतर रहती है। घबराहट महसूस होने पर कुछ मिनट गहरी सांस लेने से भी मन शांत करने में मदद मिल सकती है।

विद्यार्थियों के लिए 3 आसान टिप्स

1. पढ़ाई के बीच ब्रेक लें, 45 से 50 मिनट पढ़ने के बाद करीब 10 मिनट आराम करें।

2. गहरी सांस लें, तनाव या घबराहट महसूस होने पर कुछ मिनट धीरे-धीरे गहरी सांस लें।

3. सोशल मीडिया से दूरी रखें, दूसरों की तैयारी देखकर खुद से तुलना करने से बचें।

सफलता से पहले जरूरी है स्वस्थ बचपन

अंकों का महत्व अपनी जगह है, लेकिन बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य उससे कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है। अभिभावकों को बच्चों से केवल अच्छे परिणाम की उम्मीद करने के बजाय उन्हें समर्थन, विश्वास और सुरक्षित माहौल देना चाहिए। परीक्षा के इस दौर में बच्चों का हाथ थामें, उन पर दबाव न बढ़ाएं।

अंजना भारती
शिक्षक
आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन एकेडमी, गोविंदगंज, जबलपुर।

शब्द पहेली - 8967

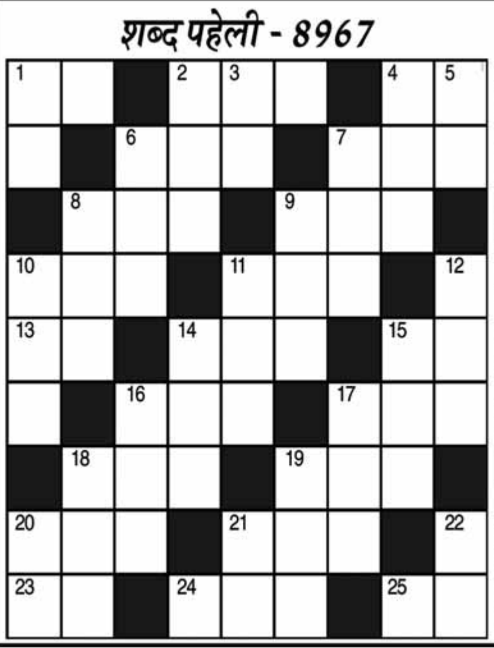

बाएँ से दाएँ

1. जी, इच्छा, चित्त-2
2. तन, बदन, देह-3
4. अग्निदग्ध-2
6. रनिवास (उर्दू-3)
7. स्नान करना-3
8. विश्राम-3
9. राजा, सम्राट-3
10. वचन, प्रतिज्ञा-3
11. तरंग, हिलोर-3
13. दौड़ना (अंग्रेजी-2)
14. सही का विलोम-3
15. सद्पुरुष-2
16. पाठ, शिक्षा-3
17. कर्ता, कार्य करने वाला-3
18. इज्जत, मान, सम्मान-3
19. सब कुछ छीन लेना-2
20. भवन, प्रासाद-3
21. वजह-3
23. खेल दिखाने वाला-2
24. पेन, लेखनी-3
25. ठाठ-बाट-2

ऊपर से नीचे

1. राय, वोट, अभिप्राय-2
2. लाज. लज्जा-2
3. 500 कागजों की गड्डी -2
4. दुनिया, जगत-3
5. लेकर आना-2
6. अवैध, नाजायज-3
7. निगाह, दृष्टि-3
8. बैठने की जगह-3
9. आराम, मदद-3
10. कर्म, भाग्य-3
11. लगन, जिद, उत्साह-3
12. दांपत्य संबंध विच्छेद-3
14. जवान, तरुण-3
15. रिक्त जगह पूर्ण करना-3
16. दुर्बल का विलोम-3
17. वजह-3
18. पदचाप, किसी के आने की आवाज-3
19. रनिवास (उर्दू-3)
20. जी, इच्छा, चित्त-2
21. समयगति-2
22. देह, बदन-2

शब्द पहेली -8966 का हल

सा	ध	■	प	ना	ह	■	शा	न
त	र	ह	■	क	व	च	■	शा
■	ती	र	थ	■	स	प	ना	■
घ	■	म	का	न	■	ल	च	क
रा	ख	■	न	ज	र	■	ना	म
ना	र	द	■	ला	क	र	■	र
■	ल	ह	र	■	म	वा	ली	■
रा	■	न	क	ल	■	ना	प	ना
ज	रा	■	म	त	ली	■	ना	ना

Jagrutidaur.com, Bangalore

शिक्षक दिवस पर विशेष

आंखों की रोशनी गई, हौसला नहीं...

शिक्षक रमेश राहंगडाले आज भी बच्चों के जीवन में भर रहे ज्ञान का उजाला

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

शिक्षक वह विभूति है, जो समाज को शिष्टाचार सिखाता है. अंधविश्वास, रूढ़िवादी परंपराओं के खिलाफ जाकर बेहतर समाज बनाने में विद्यार्थियों को राह दिखाता है. समाज में फैली असमानता को समानता में लाने का प्रयास करता है. शिक्षक वह दीपक है, जो समाज में फैली बुराई रूप अंधेरों को हटाकर उजाले में लाने का प्रयास करता है.

यह कहना है प्राइमरी स्कूल भरवेली में पदस्थ शिक्षक रमेश राहंगडाले का, जो भले ही अपनी आंखों से देख नहीं सकते हैं लेकिन अपने स्टूडेंट्स को दुनियादारी का पाठ पढ़ाते हैं. वह करीब 27 सालों से पढ़ाने का काम कर रहे हैं. सन 1989 में उन्होंने बतौर शिक्षक शिक्षा विभाग में काम शुरू किया था. उस वक्त वह देख सकते थे. लेकिन नौकरी के सिर्फ चार साल बाद ही आंखे जाने लगी. ऐसे में उन्हें कई बार समस्याओं का सामना करना पड़ा. स्थानीय लोगों का विरोध हुआ. लेकिन शासन ने उनकी पढ़ाने की क्षमता को देख कर उनकी नौकरी जारी रखी. अब तब से लेकर अब तक वह पढ़ा ही रहे हैं.

आज भी वैसा ही आत्मविश्वास... बच्चों का कहना है कि रमेश सर जब बच्चों को पढ़ाते हैं, तो ऐसा नहीं लगता कि वह देख नहीं सकते हैं. वह हर विषय को गहराई से पढ़ाते हैं. वह बिना देखे सिर्फ विषय बताने पर वह हुबहू किताब में लिखा हो उसे उदाहरण सहित समझाते हैं. इसमें खास बात ये हैं कि उनकी पत्नी घर पर विषय के बारे में अभ्यास करती है. इसके बाद वह स्कूल आकर बच्चों बड़े चाव से पढ़ाते हैं.

पत्नी करती पूरी मदद...

रमेश सर की पत्नी शांति राहंगडाले का कहना है कि वह उनकी शादी साल 1999 में हुई. ऐसे में तब से लेकर अब तक उनका साथ निभा रही है. घर के सारे कामों से लेकर स्कूल में मदद करती है. वह कहती है कि मुझे इसके लिए कोई अलग से भुगतान नहीं होता है. लेकिन वह कहती है कि अपनी वजह से किसी भी बच्चे का नुकसान नहीं होना चाहिए. पति के सारे राइटिंग वर्क करती है. पति कहते हैं वह बोर्ड पर लिखती है. ऐसे में वह पति को स्कूल लाने से लेकर घर ले जाने तक सारे काम करती है.

पति-पत्नी बने समाज के लिए मिसाल...

अब रमेश सर और उनकी पत्नी शांति की हर कोई तारीफ करता है. उनके त्याग और समर्पण की हर कोई मिसाल देता है. वह कहते हैं कि ऐसा करने से उनको अंदर से ही शांति मिलती है. शिक्षा अंधकार से उजाले की ओर ले जाती है. शिक्षा से ही मुक्ति मिल सकती है. समाज को भी शिक्षा के महत्व को समझते हुए इसके लिए प्रयास करना चाहिए. समाज में किसी को भी हीन दृष्टिकोण से नहीं देखना चाहिए. पत्नी का भी अहम योगदान हैं।रमेश और शांति की कहानी सिर्फ एक शिक्षक और उनकी पत्नी के संघर्ष की कहानी नहीं है, बल्कि यह हौसले, त्याग, सहयोग और शिक्षा के प्रति समर्पण की ऐसी मिसाल है, जो समाज को प्रेरणा देती है।

परसवाड़ा में बाघ की दहशत

इधर-दो गायों का शिकार उधर-गांव के पास दिखा बाघ

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

परसवाड़ा तहसील क्षेत्र में बाघ की लगातार हो रही मौजूदगी से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। एक ओर बाघ रहवासी इलाकों के नजदीक दिखाई दे रहा है, वहीं दूसरी ओर मवेशियों को अपना शिकार बना रहा है। लगातार हो रही घटनाओं से ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है।

पहली घटना परसवाड़ा सर्कल के बोदालझोला बीट अंतर्गत कंपाउंड नंबर 1435, ग्राम पंचायत सिलगी के कान्हटोला के पास राजस्व क्षेत्र की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार 4 सितंबर की शाम बाघ ने दो गायों का शिकार कर लिया। 5 सितंबर की सुबह मवेशी मालिक अपने पशुओं की तलाश में गांव के पास जंगल की ओर पहुंचा, जहां दोनों गाय मृत अवस्था में मिले। घटना की सूचना वन विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई की। विभाग ने

पशु क्षति का नियमानुसार मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया है।

साथ ही बाघ की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए क्षेत्र में कैमरा लगाने की बात कही गई है। इससे पहले 3 सितंबर को परसवाड़ा क्षेत्र के ग्राम शेरपार में भी बाघ द्वारा दो मवेशियों का शिकार किए जाने की जानकारी सामने आई थी।

वहीं दूसरी घटना में परसवाड़ा मुख्यालय से लगे चीनी-लिंगा रोड पर 5 सितंबर की सुबह करीब 7 बजे बाघ दिखाई देने की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।

तस्वीर सामने आने के बाद क्षेत्र में बाघ की मौजूदगी को लेकर ग्रामीणों में भय का माहौल है। वन विभाग ने ग्रामीणों से जंगल की ओर अकेले नहीं जाने और बाघ दिखाई देने पर तत्काल वन विभाग को सूचना देने की अपील की है। विभाग ने ग्रामीणों से सतर्क और सुरक्षित रहने की अपील की है।

कटंगी में बेलगाम हुआ डीजे साउंड, प्रशासन मौन

कटंगी (स्वतंत्र मत)। नगर सहित ग्रामीण अंचलों में डीजे साउंड सिस्टम पूरी तरह से बेलगाम हो चुका है। धार्मिक कार्यक्रम हो, सामाजिक आयोजन हो या शादी-ब्याह, डीजे की कानफोड़ू आवाज ने आम जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है, लेकिन प्रशासन का इस ओर कोई नियंत्रण नहीं है। स्थानीय जागरूक नागरिकों का सवाल है कि क्या एसडीएम कार्यालय से इतने तेज आवाज में डीजे बजाने की अनुमति दी जाती है? यदि नहीं, तो फिर एक ही स्थान पर घंटों तक 100 से 120 डेसिबल से अधिक क्षमता वाले डीजे कैसे बजते हैं और पुलिस प्रशासन कार्रवाई क्यों नहीं करता?नियमों के अनुसार रात 10 बजे के बाद लाउडस्पीकर और डीजे प्रतिबंधित है और दिन में भी ध्वनि की एक सीमा तय है, लेकिन कटंगी में इन नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। कई जगह तो देर रात 12 से 1 बजे तक डीजे बजते रहते हैं। सबसे ज्यादा परेशानी बुजुर्गों और गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को हो रही है। हार्ट के मरीज, ब्लड प्रेशर, शुगर, और कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीजों की स्थिति डीजे की तेज धमक से और बिगड़ रही है। छोटे बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है, लेकिन आयोजकों को इसकी कोई परवाह नहीं है। नागरिकों का आरोप है कि शिकायत करने पर भी पुलिस केवल समझाइश देकर चली जाती है, सख्त कार्रवाई नहीं होती। इसी कारण डीजे संचालकों के हौसले बुलंद हैं। जागरूक नागरिकों ने जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन से मांग की है कि बेलगाम डीजे साउंड पर तत्काल रोक लगाई जाए। ध्वनि सीमा और समय सीमा का कड़ाई से पालन कराया जाए तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना और साउंड जब्ती जैसी सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि आम नागरिक चैन से रह सकें।

बीमारी से प्रभावित क्षेत्र में तेजी से सुधर रहे हालात, नए मरीजों की संख्या घटी

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। बिरसा, बैहर विकासखंड के ग्राम कुंडेकसा, कोरका, बोंदारी और अन्य क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की लगातार निगरानी और उपचार के प्रभाव से अब हालात तेजी से सामान्य होते नजर आ रहे हैं। 05 सितंबर की रिपोर्ट के अनुसार अस्पतालों में नए मरीजों के भर्ती होने की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है, वहीं स्वस्थ होकर घर लौटने वाले मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार शनिवार 05 सितम्बर को केवल 5 नए मरीजों को अस्पताल में भर्ती किया गया है, जबकि उपचार के बाद 12 मरीज स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हुए है। इस प्रकार अस्पताल में भर्ती कुल 436 मरीजों में से अब तक कुल 391 मरीज उपचार के बाद स्वस्थ होकर अपने घर लौट चुके हैं और 45 मरीजों का अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। मरीजों की रिकवरी बढ़ने और नए मामलों में कमी आने से अस्पतालों में भी पहले की तुलना में भीड़ कम होने लगी है।

5,480 लोगों की हुई जांच... प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग की टीमें लगातार घर-घर पहुंचकर लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर रही हैं। अब तक 5,480 व्यक्तियों का सर्वे एवं स्वास्थ्य परीक्षण किया जा चुका है। इनमें कुल 1,029 मरीजों की पहचान हुई है। वर्तमान में 593 मरीजों का घर पर उपचार चल रहा है, जबकि 436 मरीज अस्पतालों में भर्ती कराये गये थे। सर्वे के दौरान मलेरिया के 379, दस्त के 180, दाने के साथ बुखार के 243 तथा चर्म रोग के 227 मरीज सामने आए हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी चिन्हित मरीजों को उनकी बीमारी के अनुसार आवश्यक उपचार एवं दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। घर पर उपचाररत मरीजों की भी स्वास्थ्य टीमों द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है।

कम हो रहे नए मामले, बढ़ रही रिकवरी... क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की सक्रियता का असर अब आंकड़ों में भी दिखाई देने लगा है। एक ओर नए मरीजों की संख्या घट रही है, वहीं दूसरी ओर स्वस्थ होने वाले मरीजों की संख्या बढ़ रही है। एक ही दिन में 12 मरीजों का स्वस्थ होकर घर लौटना इस दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। प्रभावित गांवों में स्वास्थ्य सर्वे, उपचार, दवा वितरण और निगरानी का कार्य लगातार जारी है। प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग की टीमें स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और लोगों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। अस्पताल से डिस्चार्ज होने वाले मरीजों को उनके परिजनों के साथ जिला चिकित्सालय से गांव तक पहुंचाया जा रहा है। अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान मरीजों के परिजनों के लिए भोजन का भी इंतजाम किया गया है।

उम्मेद सिंह भाटी का नागपुर मुख्यालय स्थानांतरण

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। मॉयल प्रबंधन द्वारा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए मॉयल समूह-1, बालाघाट खान के महाप्रबंधक एवं अभिकर्ता श्री उम्मेद सिंह भाटी का स्थानांतरण नागपुर स्थित मॉयल मुख्यालय कर दिया गया है। श्री भाटी अब मॉयल मुख्यालय में प्रबंधन सेवा विभाग के विभागाध्यक्ष के रूप में नई जिम्मेदारी संभालेंगे। उनका यह स्थानांतरण करीब 17 माह के कार्यकाल के बाद हुआ है। उम्मेद सिंह भाटी ने भरवेली खान में लगभग 17 माह तक अपनी सेवाएं दीं। इस दौरान उन्होंने भरवेली के साथ-साथ तिरोड़ी, उकवा एवं सितापाथोर खदानों से जुड़े कार्यों और विभिन्न परियोजनाओं का भी कुशलतापूर्वक संचालन किया। उनके कार्यकाल में खदानों के संचालन को लेकर प्रशासनिक स्तर पर प्रभावी समन्वय देखने को मिला।मॉयल प्रबंधन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप उनके कार्यकाल में खदानों में विभिन्न परियोजनाओं का सफल संचालन किया गया। वहीं सीएसआर योजना के अंतर्गत बालाघाट जिले में जनहित से जुड़े कई कार्यों को गति मिली, जिससे स्थानीय लोगों को लाभ पहुंचा और मॉयल की सामाजिक जिम्मेदारियों को मजबूती मिली।उल्लेखनीय है कि श्री भाटी इससे पूर्व भी भरवेली खदान में खान प्रबंधक के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। इस कारण भरवेली माइंस से उनका पुराना और मजबूत जुड़ाव रहा है।

शासकीय महाविद्यालय में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी एवं बलराम जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई

उमरिया। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय महाविद्यालय उमरिया में भगवान श्री कृष्ण जन्माष्टमी एवं हलधर भगवान बलराम जयंती के अवसर पर भव्य सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. के. त्रिपाठी द्वारा भगवान श्री कृष्ण एवं बलराम जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अमित कुमार निगम ने कहा कि श्रीकृष्ण प्रेम, करुणा और गीता के कर्मयोग के प्रतीक हैं, जबकि बड़े भाई बलराम जी कृषि, श्रम और शक्ति के देवता हैं। मध्यप्रदेश शासन द्वारा बलराम जयंती को किसान दिवस के रूप में भी मनाया जाता है, जो अन्नदाता के सम्मान का प्रतीक है। छात्र-छात्राओं द्वारा राधा-कृष्ण पर आधारित समूह नृत्य- भजन. श्री कृष्ण गोविंद हरे मुरारी- बलराम जयंती पर भाषण प्रतियोगिता, श्रीमद्भगवद्गीता की प्रासंगिकता विषय पर की गई जिसमें एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अरविंद शाह बरकड़े ने विद्यार्थियों को गीता के उपदेशों से अवगत कराया।

सागरेश्वर नाथ मंदिर में धूमधाम से मनाई गई कृष्ण जन्माष्टमी

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

जिले के प्राचीन एवं प्रसिद्ध सागरेश्वर नाथ मंदिर परिसर स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर में भक्तों की अपार भीड़ उमड़ी और श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव में उत्साहपूर्वक सहभागिता की।कार्यक्रम के दौरान सागरेश्वर संगीत समिति के कलाकारों द्वारा मनमोहक भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी गई, जिसका श्रद्धालुओं ने भरपूर आनंद लिया। मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं के लिए भंडारा प्रसाद का भी वितरण किया गया। यह आयोजन मध्यप्रदेश शासन के

संस्कृति विभाग के अधिष्ठान एवं श्रीकृष्ण पाथेय न्यास के माध्यम से प्रदेशभर में आयोजित कार्यक्रमों के क्रम में किया गया। कार्यक्रम की क्षेत्रीय जिम्मेदारी एवं सहयोगी संस्था के रूप में नगर व संभाग की पंजीकृत एवं राष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिलब्ध संस्था संदेश नाट्य मंच (रंगमंडल) को सौंपी गई थी।

संस्था के निदेशक एवं वरिष्ठ रंगकर्मी पंकज दुबे के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें संस्था के सहयोगी राहुल गौतम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में प्रशासन की ओर से एसडीएम अंबिकेश प्रताप सिंह सहित राकेश शर्मा, धनुषधारी सिंह, उपाध्यक्ष दीपक छत्तवानी, मानसिंह उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत 12 सितंबर को

उमरिया (स्वतंत्रमत) - सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि 12 सितम्बर को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर प्री-लिटिगेशन स्तर पर ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जायेगी। सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात् प्रत्येक छः माही चकवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिदर्ष की दर से राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जायेगी।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत जगन्नाथपुरी यात्रा के लिए ट्रेन 8 को रवाना होगी

उमरिया (स्वतंत्रमत) - मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत जगन्नाथपुरी के लिए स्पेशल ट्रेन 8 अक्टूबर को रवाना होगी। जिले के लिए आवंटित तीर्थ यात्रियों की संख्या 150 है। तीर्थ यात्रा के लिए आवेदन 23 सितंबर तक प्राप्त किए जाएगे। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने बताया कि ऐसे वरिष्ठ नागरिक जिनकी आयु 60 वर्ष या उससे अधिक है, (महिलाओ के लिए दो वर्ष की छूट) तथा जो आयकर दाता नही है, को प्रदेश के भीतर एवं बाहर स्थित विभिन्न अधिसूचित तीर्थ स्थलो की यात्रा कराए जाने का प्रावधान है। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के प्रावधानों के तहत 65 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे व्यक्ति जो अकेले यात्रा करने के लिए आवेदन करते है उन्हे एक सहायक साथ ले जाने की पात्रता होगी। इसके अतिरिक्त 3 से 5 व्यक्तियो के समूह (जहां सभी सदस्य 65 वर्ष से अधिक आयु के हो) को एक सहायक ले जाने की अनुमति होगी। (जबकि पति पत्नी के साथ यात्रा करने की स्थिति में सहायक की अनुमति नही होगी। सहायक का संबंधी होना अनिवार्य नही है। कलेक्टर ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत करकेली, पाली, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका उमरिया, पाली नगर परिषद चंदिया, नौरोजाबाद, मानपुर से कहा है कि समस्त आवेदन केवल निर्धारित तीर्थ यात्रा पोर्टल के माध्यम से ही दर्ज किए जाए तथा किसी अन्य माध्यम जैसे व्हाटसएप आदि से प्राप्त आवेदन स्वीकार नही किए जाएगे। उन्होने कहा है कि 23 सितंबर को दोपहर 2 बजे तक समस्त आवेदनों की प्रविष्टि पोर्टल पर पूर्ण कर ली जाए। निर्धारित कोटे से अधिक आवेदन प्राप्त होने की स्थिति में पात्र आवेदको का चयन कम्प्यूटीकृत लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में मनाया गया शिक्षक दिवस

उमरिया (स्वतंत्रमत)... प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय महाविद्यालय शिक्षक दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। कवितापाठ, भाषण, नृत्य एवं गीतों के माध्यम से विद्यार्थियों ने गुरुजनों के मार्गदर्शन और प्रेरणा को जीवन का आधार बताया। महाविद्यालय की सहा. प्राध्यापक डॉ. विमला मरावी ने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि जीवन मूल्यों और संस्कारों का भी संचार करते हैं। कार्यक्रम में प्राचार्य ने सभी शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षक समाज का दीप स्तंभहैं, जिनके मार्गदर्शन से विद्यार्थी उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर होते हैं।रासेयो, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अरविंद शाह बरकड़े ने उपस्थिति समस्त गुरूजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि च्शिक्षक दिवस केवल औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह अवसर हमें अपने गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। शिक्षक ही वह शक्ति हैं जो विद्यार्थियों को अज्ञान से ज्ञान की ओर ले जाते हैं और समाज को दिशा देते हैं।इस अवसर पर प्रो. ॠषिराज पुरवार, डॉ. रमेश प्रसाद कोल, डॉ. संध्या कुशवाहा, रानी सिंह, सुश्री रश्मि सिंह, मनीष मिश्रा, डॉ. रश्मि रानी तिवारी, डॉ. सौरभ पाण्डेय, मुजीबउल्ला शेख, मोहम्मद शकील मंसूरी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत मे सभी उपस्थित जनों ने राष्ट्रीय गान के साथ कार्यक्रम का समापन किया। अधिनायक, रासेयो के शिवांश सिंह सेंगर द्वारा कार्यक्रम का संचालन करते हुए अपने सहपाठियों के साथ शिक्षकों को पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि में दान दाताओं को पुरस्कृत किया जाएगा

उमरिया।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस वर्ष 2026-27 के अंतर्गत सात दिसंबर 2025 से 6 दिसंबर 2026 तक के लिए शासन स्तर से उमरिया जिले को 3 लाख 43 हजार 500 रूपये का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसकी पूर्ति कार्यालयों एवं विभाग प्रमुखों व्दारा की जाएगी। कोई भी व्यक्ति स्वेच्छा से भी दान कर सकता है। दान की गई राशि में आयकर से छूट का भी प्रावधान है। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने बताया कि सशस्त्र सेना झंडा दिवस में व्यक्तिगत अथवा संस्था से एक लाख रूपये या उससे अधिक दान देने वाले दानदाताओं , संस्थाओं को राज्य पाल महोदय व्दारा राज भवन में ट्राफी एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया जाएगा।

आइपीएस इंटरनेशनल स्कूल में मनाया गया शिक्षक दिवस

उमरिया (स्वतंत्रमत)

शनिवार 5 सितम्बर को जिले की प्रतिष्ठित आई.पी.एस. इंग्लिश मीडियम स्कूल में शिक्षक दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया। शिक्षक दिवस में बच्चों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम, डिबेट प्रतियोगिता तथा एस.एल.सी. स्टूडेंट लेड कॉन्फ्रेंस सिंगापुर टीचिंग मैथड कार्यक्रम संचालित किया गया। जिसमें सभी बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। एस एल सी में क्लास नर्सरी से 12वीं तक के विद्यार्थी पार्टिसिपेट किए थे, जिसमें उन्हें टीचर द्वारा दिया गया कोई भी सब्जेक्ट व कोई भी टॉपिक तैयार करके कॉँफ्रेंस में पार्टिसिपेट करना था। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती, भारत माता, डॉ? सर्वपल्ली राधा कृष्णन के छाया चित्र पर फूल माला अर्पित कर

प्रोग्राम प्रारंभ किया गया। आई. पी. एस. विद्यालय द्वारा शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में सम्मान समारोह किया गया।

आईपीएस प्राचार्य श्रीमती आरजू खान ने अपने उद्बोधन में बताया डॉ. राधाकृष्णन की जयंती 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाई जाती है। उनका मानना था कि शिक्षकों को समाज में एक विशेष स्थान मिलना चाहिए और शिक्षक दिवस इसी विचार को जीवित रखता है। हर वर्ष भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती 5 सितंबर को देश भर में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन अपने शिक्षकों के समर्पण, मार्गदर्शन व योगदान के प्रति आभार प्रकट करने का दिन है। यह दिन गुरु और शिष्य के रिश्ते के लिए बेहद खास होता है। आई पी एस मैनेजिंग डायरेक्टर वसीम अकरम ने अपने उद्बोधन में बताया शिक्षक सिर्फ शिक्षक ही नहीं होते, वे हमारे भविष्य के निर्माता होते हैं। उन्होंने हमें ज्ञान, बुद्धि और करुणा के मूल्य सिखाए हैं। उन्होंने हमें न केवल विषय सिखाए हैं, बल्कि जीवन के अनमोल सबक भी सिखाए हैं जो हमारे पूरे जीवन में काम आएंगे। कार्यक्रम के अंत में विनर विद्यार्थियों को मिडिल देकर सम्मानित किया गया तथा सभी अतिथियों शिक्षकों का आभार व्यक्त किया गया।

श्रीकृष्ण पर्व में खाली कुर्सियों ने खोली सरकारी आयोजन की पोल

दो घंटे भी नही चला कार्यक्रम, लाखों रूपए बहाए पानी में

मण्डला (स्वतंत्रमत)।

शुक्रवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर जिले भर में शासकीय अशासकीय और सामाजिक कार्यक्रमों की धूम रही पूरा वातावरण उत्साह में देखा गया लेकिन जिले के मुख्यालय में आयोजित शासकीय कार्यक्रम में अधिकारियों की लापरवाही से पूरा कार्यक्रम तहस नहस हो गया। इस भव्य आयोजन में आधा सैकड़ा लोग भी नही पहुंच पाए जैसे तैसे कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ और दो घंटे के अंदर कार्यक्रम को समाप्त कर दिया गया। मात्र दो घंटे में लाखों रूपए की बर्वादी कर दी गई।

नगर के गणमान्य नागिरकों ने बताया कि सांस्कृतिक विभाग द्वारा हर वर्ष जन्माष्टमी के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है यह कार्यक्रम पिछले कई वर्षो से सरस्वती स्कूल में आयोजित किया जाता रहा है जहां पर भव्यता के साथ कार्यक्रम की गरिमा दिखाई दे रही थी लेकिन इस बार अचानक कार्यक्रम का स्थान बदल दिया गया और कार्यक्रम ज्ञानदीप स्कूल में हुआ कार्यक्रम का प्रचार प्रसार नही किया गया और नही ही लोगों को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ में चंद लोगों ने दीप प्रज्वालन कर कार्यक्रम को आरंभ कराया लेकिन बाहर से आए संगीतकार और नाटक मंच के कलाकारों का उत्साह तब टूट गया जब सामने की तमाम कुर्सीया खाली पड़ी रही। धीरे धीरे कर 40-50 लोग भी यहां से चलते बने अंत में 10-5 लोग ही यहां पर दिखाई दे रहे थे 10 बजे कार्यक्रम समाप्त कर दिया गया जिससे धर्मप्रेमियों में रोष है लोगों ने कहा कि प्रशासनिक लापरवाही से यह आयोजन अपना मूर्त रूप नही ले पाया इस कार्य की एजेंसी कृषि विभाग को बनाया गया था। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा ज्ञानदीप इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित श्रीकृष्ण पर्व कार्यक्रम अब आयोजन की भव्यता से अधिक अपनी व्यवस्थाओं और दर्शकों की मौजूदगी को लेकर चर्चा में है। 4 सितंबर की शाम आयोजित इस कार्यक्रम को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन प्रसंगों, लीलाओं और भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं पर आधारित कला-अभिव्यक्तियों का मंच बताया गया।

कार्यक्रम में नृत्य नाटिका, भक्ति गायन सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुईं, लेकिन कार्यक्रम स्थल की सामने आई तस्वीरों में बड़ी संख्या में कुर्सियां खाली दिखाई दी। जानकारी के अनुसार श्रीकृष्ण पाथेय न्यास मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भगवान श्रीकृष्ण के जीवन प्रसंगों एवं लीलाओं को नृत्य नाटिका और भक्ति गायन के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। गोवर्धन धारण पर केंद्रित नृत्य नाटिका डॉ. नेहा विश्वकर्मा एवं साथी जबलपुर द्वारा प्रस्तुत की गई जबकि सुदामा मिलन प्रसंग पर आधारित नृत्य नाटिका मोहिनी गोरे एवं साथ ही जबलपुर ने प्रस्तुत की। इसके अलावा रुद्रकांत ठाकुर एवं साथी सिवनी द्वारा भक्ति गायन की प्रस्तुति दी गई।

कार्यक्रम के दौरान कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से श्रीकृष्ण की लीलाओं, गोवर्धन धारण और सुदामा मिलन जैसे प्रसंगों को जीवंत करने का प्रयास किया। लेकिन कार्यक्रम स्थल की तस्वीरों में दर्शकों के बैठने के लिए लगाई गई कई कुर्सियां खाली दिखाई दीं। मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि कार्यक्रम मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग से जुड़ा था और जिला प्रशासन के सहयोग से आयोजित किया गया।

शासकीय स्तर पर आयोजित किसी भी कार्यक्रम में मंच, साउंड, लाइट, सजावट, बैठक व्यवस्था, कलाकारों की प्रस्तुति, प्रचार-प्रसार और अन्य व्यवस्थाओं पर राशि खर्च होती है। ऐसे में आम नागरिकों का यह जानना स्वाभाविक है कि श्रीकृष्ण पर्व के आयोजन के लिए कितनी राशि स्वीकृत की गई थी और वास्तविक रूप से कितनी राशि खर्च हुई। खर्च किन-किन मदों में किया गया कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार पर कितनी राशि खर्च हुई दर्शकों की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन या आयोजक की ओर से क्या प्रयास किए गए। किसी भी सांस्कृतिक कार्यक्रम का मंच केवल प्रस्तुति देने का स्थान नहीं होता। उनके सामने बैठे दर्शकों की तालियां, उत्साह और प्रोत्साहन उनके आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं। कार्यक्रम को भव्य और सफल बताया जाता है तो उसकी सफलता का पैमाना केवल मंच, सजावट और कलाकारों की प्रस्तुति नहीं हो सकता।

कार्यक्रम में कितने लोग पहुंचे स्थानीय नागरिकों की कितनी सहभागिता रही बच्चों और कलाकारों को कितना प्रोत्साहन मिला तथा सरकारी खर्च के मुकाबले आयोजन का सामाजिक प्रभाव कितना रहा इन पहलुओं का भी मूल्यांकन होना चाहिए। कार्यक्रम के लिए बड़ी संख्या में दर्शकों के बैठने की व्यवस्था की गई थी तो अपेक्षित संख्या में लोग कार्यक्रम स्थल तक क्यों नहीं पहुंचे क्या कार्यक्रम को लेकर पर्याप्त प्रचार-प्रसार किया गया था क्या स्थानीय नागरिकों अभिभावकों और विद्यार्थियों को समय रहते कार्यक्रम की जानकारी दी गई थी यदि दी गई थी तो फिर कार्यक्रम स्थल पर दर्शकों की संख्या अपेक्षाकृत कम क्यों दिखाई दी।

श्रीकृष्ण पर्व में भजन संध्या आयोजित

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर श्रीकृष्ण पाथेय न्यास भोपाल के मार्गदर्शन में नगर के सिंहवाहिनी वार्ड बुधवारी चौक स्थित श्रीराधा-कृष्ण मंदिर में भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में कृष्ण भक्त शामिल हुए। भजन संध्या का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ संजय कुशराम, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, पूर्व क्षेत्रीय प्रबंधक मुकेश सोनी, सामाजिक कार्यकर्ता सुधीर कांस्कार, नगर उपाध्यक्ष संजय गुप्ता कृष्ण मंदिर के पुजारी पंडित राहुल शुक्ला ने भगवान श्रीकृष्ण के तैल्यचित्र में माल्यार्पण दीप प्रज्वलन से किया। इस अवसर पर ओम युवा मंडल के कलाकारों ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं अंग वस्त्र भेट कर स्वागत किया। भजन संध्या के शुभारंभ अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. संजय कुशराम एवं नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा ने अपने संबोधन में कहा की कृष्ण पाथेय न्यास भोपाल द्वारा मंडला में कृष्ण पर्व का आयोजन किया जाना एक अच्छी परंपरा की शुरुआत है ऐसे कार्यक्रम से हम सभी को भगवान कृष्ण की भक्ति के लिए प्रेरणा मिलती है साथ ही जन्माष्टमी जैसे प्रमुख पर्व पर एक अलग अनुभूति का अनुभव मिला भजन संध्या में भगवान श्री कृष्ण की भक्ति और उनके चरित्र पर हुई मनमोहक प्रस्तुति से पूरा वातावरण कृष्ण मय लग रहा है। उन्होंने मध्य प्रदेश सरकार के संस्कृति विभाग के इस अभिनव प्रयास के लिए साधुवाद देते हुए स्थानीय कलाकारों की मन मोहक प्रस्तुति की सराहना की भजन संध्या में नगर के अनेक गणमान्य नागरिक जनप्रतिनिधीगण सहित बड़ी संख्या में कृष्ण भक्त उपस्थित थे।

गुरुद्वारा में कृष्ण जन्माष्टमी

मण्डला (स्वतंत्र मत)। स्थानीय अंबेडकर वार्ड स्थित श्री गुरुद्वारा साहिब में श्री झूलेलाल धाम सेवा समिति एवं पूज्य सिंधी पंचायत के तत्वावधान में कृष्ण जन्माष्टमी पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया यहां पूजन-अर्चन के साथ रामधुनी का शुभारंभ किया गया सामाजिक महिलाओं ने रामधुन प्रस्तुत कर भक्ति का माहौल बनाया रात्रि में सामाजिक कलाकारों ने श्रीकृष्ण भजनों से सजी संगीत संध्या की प्रस्तुति दी रात्रि 12 बजे सामाजिक बच्चे बाल स्वरूप कृष्ण एवं राधा की वेशभूषा में कार्यक्रम में शामिल हुए बच्चों ने रासलीला की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

आंगनबाड़ी में सजी मनमोहक झांकियां

मण्डला (स्वतंत्र मत)। जन्माष्टमी के पावन अवसर पर सिंहवाहिनी वार्ड स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण एवं राधा के स्वरूप में मनमोहक झांकियां प्रस्तुत की गईं बच्चों ने आकर्षक पोशाक धारण कर अपनी मासूम अदाओं से उपस्थित लोगों का मनमोह लिया आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बच्चे एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे। बच्चों को श्रीकृष्ण और राधा के रूप में सजे देखकर पूरा आंगनबाड़ी केंद्र भक्तिमय वातावरण से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पार्षद श्रीमती माया संजय गुप्ता उपस्थित रहीं उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें मिष्ठान वितरित किए बच्चों ने भी हर्षोल्लास के साथ जन्माष्टमी पर्व मनाया इसके पश्चात सभी बच्चों को भोजन कराया गया।

शिक्षक दिवस पर कार्यक्रम

मण्डला (स्वतंत्र मत)। शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के मुख्य सेवाकेंद्र विश्व शांति भवन में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में शिक्षकों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करते हुए शिक्षा के साथ संस्कार और नैतिक मूल्यों की आवश्यकता पर चर्चा की गई कार्यक्रम में क्षेत्रीय संचालिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी ममता दीदी, ब्रह्माकुमारी ओमलता दीदी, प्राचार्य डॉ. प्रो. शरद नारायण खरे, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी अरविन्द कुमार शुक्ल, शिक्षिका बहन प्रीति दुबे, शिक्षिका बहन नमिता दुबे, इको क्लब के सदस्य एवं पूर्व शिक्षक राजेश क्षत्री सहित शिक्षकगण उपस्थित रहे।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव में भक्तिमय वातावरण

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

यादव महासभा नारायणगंज के तत्वावधान में ग्राम कूड़ामैली स्थित सार्वजनिक श्री राधा-कृष्ण निर्माणाधीन मंदिर परिसर में भगवान श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव भव्य एवं भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में यादव समाज सहित विभिन्न समाजों के लोगों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। महोत्सव के तहत सुबह 10 बजे भगवान श्री राधा-कृष्ण की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई और सुबह 11 बजे विशाल शोभायात्रा एवं वाहन रैली निकाली गई। रैली ग्राम कूड़ामैली से मैली चौराहा होते हुए नारायणगंज मुख्य बस स्टैंड पहुंची और पुनः कूड़ामैली पहुंचकर समाप्त हुई। शोभायात्रा के समापन के बाद मंदिर परिसर में भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। वृंदावन से आए कलाकारों ने मनमोहक भजनों की प्रस्तुति दी। वहीं मां हिंगलाज देवी जागरण ग्रुप के सिंगर अमन परवाना, ममता सत्यार्थी एवं चंचल यादव ने भगवान श्री कृष्ण के भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। भजनों पर युवा एवं श्रद्धालु जमकर थिरके। ग्राम बरोंची से आए कलाकारों ने पारंपरिक अहीर नृत्य की प्रस्तुति दी जबकि बच्चों ने भी सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। कार्यक्रम में सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, क्षेत्रीय विधायक चैन सिंह वरकड़े,

भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, पूर्व जिला अध्यक्ष रतन ठाकुर, जिला पंचायत सदस्य भूपेंद्र वरकड़े, जनपद पंचायत अध्यक्ष आशाराम भारतीया, उपाध्यक्ष मोनू शर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष किशन तेकाम, तहसीलदार, मंडल महामंत्री मृदु साहू सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय विधायक चैन सिंह वरकड़े ने श्री राधा-कृष्ण निर्माणाधीन मंदिर के निर्माण कार्य के लिए 2 लाख 1 हजार रुपये की नगद राशि प्रदान की। इस सहयोग के लिए यादव महासभा एवं उपस्थित समाजजनों ने विधायक का आभार व्यक्त किया। यादव महासभा नारायणगंज के अध्यक्ष अनिल यादव, सचिव दिनेश यादव, उपाध्यक्ष दयाराम यादव चाटी, कोषाध्यक्ष परमानंद यादव, सह सचिव देवेंद्र यादव, संरक्षक सोमनाथ यादव, युवा समाज अध्यक्ष अरुण यादव सहित महासभा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में सक्रिय रहे। कार्यक्रम में बीजाडांडी सहित टिकरिया, बरोंची, गुजरशानी, खम्हरिया, चरगांव, चौकी कोबरी, कूड़ामैली, समनापुर, मानेगांव, घोंटखेड़ा, पाठा, टाटीघाट, खैरी, मलारा, पड़रिया, नारायणगंज, मैली, पटेहरा, शंकरगंज, भावल, बीजाडांडी, कालपी सहित आसपास के अनेक ग्रामों से यादव समाज के लोग एवं अन्य समाजों के महिला-पुरुष, युवतियां और युवा बड़ी संख्या में शामिल हुए।

शिक्षक दिवस पर हुआ शिक्षकों का सम्मान

विकास कार्यों का लोकार्पभूमिपूजन

1.72 करोड़ के विकास कार्यों की मिली सौगात

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। शिक्षक दिवस के अवसर पर नगर पालिका परिषद नैनपुर द्वारा भव्य शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। साथ ही नगर में विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण तथा भूमिपूजन भी सम्पन्न किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मंत्री श्रीमती संपतिया उईके मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। समारोह में नगर के विभिन्न विद्यालयों से सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान कर उनके योगदान को नमन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती और सर्वपल्ली राधा कृष्णन के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

सेवानिवृत्त शिक्षकों का हुआ सम्मान

शिक्षक दिवस के अवसर पर नगर के विभिन्न विद्यालयों से सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन एवं शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान प्रदान करने वाले नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करने वाले मार्गदर्शक होते हैं। विद्यार्थियों को ज्ञान, संस्कार और जीवन की सही दिशा देने में शिक्षकों की भूमिका सदैव महत्पूर्ण रहेगी।

1.72 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन

समारोह के दौरान नगर में पूर्ण कराए गए तथा प्रस्तावित विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन भी किया गया। इनमें दीनदयाल रसोई एवं रैन बसेरा, कायाकल्प 2.0 योजना अंतर्गत वार्ड क्रमांक 14 की प्राथमिक शाला से सिविल अस्पताल तक सीसी रोड निर्माण कार्य का लोकार्पण शामिल रहा।

इसके साथ ही वार्ड क्रमांक 14 में पंडित दीनदयाल भवन एवं सामुदायिक भवन निर्माण तथा जिला खनिज प्रतिष्ठान योजना के अंतर्गत सिविल अस्पताल परिसर में रैन बसेरा एवं रसोई निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। इन सभी कार्यों की कुल लागत लगभग 172.68 लाख रुपये है।

जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों की रही मौजूदगी

कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पंजवानी, उपाध्यक्ष श्रीमती संजूलता वैष्णव, पार्षद राजाराम शर्मा, सुशीला चौरसिया, नितिन ठाकुर, सुनील विश्वकर्मा, मोहित कांत झारिया, नामनिर्देशित पार्षद किरण स्वामी, सुभाष सेन, प्रदीप मिश्रा, सालिक राम झारिया एवं मदन यादव सहित मुख्य नगर पालिका अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष नरेश चंद्रौल, पूर्व पार्षद जुगल बघेल, गणमान्य नागरिक मोनू जैन, खुब्बीलाल नामदेव, भगवती श्रीधर सहित बड़ी संख्या में नागरिक, सेवानिवृत्त शिक्षक, पत्रकारो की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक शंकर दयाल वाजपेयी द्वारा किया गया।

मॉन्टफोर्ट स्कूल में शिक्षक दिवस

मण्डला (स्वतंत्र मत)। मॉन्टफोर्ट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 5 सितंबर को शिक्षक दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों ने सहभागिता की। मुख्य अतिथि संस्था प्रमुख ब्रदर बिनु चेरियन, ब्रदर राजन, कॉर्डिनेटर एवं वरिष्ठ शिक्षकों मीना ज्योतिषी और रोहित नायकवार के स्वागत के साथ हुई। अतिथियों के प्रवेश के दौरान कक्षा नवमी के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत स्वागत नृत्य ने समारोह में उत्साह का संचार किया। इसके बाद विद्यालय के प्राचार्य ब्रदर बिनु, कॉर्डिनेटर और शिक्षकों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया और विद्यालय के लीडर्स द्वारा गणमान्य अतिथियों एवं शिक्षकों को शुभकामना कार्ड भेंट किए गए। विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करते हुए उन्हें शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं। कक्षा नवमी की छात्राओं ने समूह नृत्य प्रस्तुत किया वहीं छात्र-छात्राओं ने समूहगान के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समारोह में कक्षा बारहवीं की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत समूह नृत्य ने भी सभी का ध्यान आकर्षित किया।

छात्र-छात्राओं ने डांस ड्रामा प्रस्तुत कर शिक्षक-विद्यार्थी संबंधों एवं शिक्षा के महत्व को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के साथ सहयोगी स्टाफ की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

विशेष रूप से मंच व्यवस्था सजावट संगीत अनुशासन एवं अन्य व्यवस्थाओं में स्टॉफ सदस्यों ने मिलकर जिम्मेदारी निभाई समारोह के अंत में कक्षा नवमी की छात्रा धारा क्षत्री द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

मण्डला (स्वतंत्रमत)। शासकीय आयुर्वेद जिला चिकित्सालय द्वारा माहिष्मती घाट में निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित शिविर में रोगियों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक औषधियों का वितरण किया गया। चिकित्सकों ने नागरिकों को वर्षा ऋतु में होने वाली मलेरिया डायरिया सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियों से बचाव के उपाय बताए।

एक वर्ष पूरा होने पर थाना नैनपुर पुलिस ने एफआरवी-112 का मनाया स्थापना दिवस

डायल-112 ने अगस्त में 297 इवेंट पर पहुंचकर दी त्वरित पुलिस सहायता

6 से 8 मिनट रहा औसत रिस्पॉन्स टाइम

नैनपुर (स्वतंत्र मत)।

थाना नैनपुर एवं चौकी पिंडरई क्षेत्र में डायल-112 एफआरवी वाहनों के माध्यम से आमजन को त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। डायल-112 सेवा के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर थाना नैनपुर पुलिस द्वारा एफ आर बी 112 वाहन का केक काटकर स्थापना दिवस मनाया गया। इस दौरान सेवा के माध्यम से क्षेत्र में किए जा रहे सराहनीय कार्यों को रेखांकित किया गया।

जरूरतमंदों तक कम समय में पहुंच रही पुलिस

112 सेवा के क्षेत्र में प्रभावी होने से आमजन को आपातकालीन परिस्थितियों में पुलिस सहायता प्राप्त करने में काफी सुविधा हुई है। किसी पीड़ित या शिकायतकर्ता द्वारा तत्काल पुलिस सहायता की आवश्यकता बताए जाने पर डायल-112 वाहन कम से कम समय में मौके पर पहुंचता है। पुलिसकर्मी मौके पर परिस्थितियों का जायजा लेकर आवश्यकतानुसार वैधानिक कार्रवाई, राहत एवं सहायता उपलब्ध कराते हैं।

अगस्त में 297 इवेंट पर पहुंची पुलिस

अगस्त 2026 में थाना नैनपुर क्षेत्र में डायल-112 वाहन को कुल 198 इवेंट प्राप्त हुए। इन सभी इवेंट पर वाहन का औसत रिस्पॉन्स टाइम 6 मिनट 05 सेकंड रहा। वहीं चौकी पिंडरई क्षेत्र में डायल-112 वाहन को 99 इवेंट प्राप्त हुए, जिन पर पुलिस का औसत रिस्पॉन्स टाइम 7 मिनट 36 सेकंड रहा।

इस प्रकार अगस्त माह में थाना नैनपुर एवं चौकी पिंडरई क्षेत्र में डायल-112 वाहनों को कुल 297 इवेंट प्राप्त हुए। पुलिस टीमों ने सभी इवेंट पर त्वरित रूप से मौके पर पहुंचकर परिस्थितियों के अनुसार आवश्यक सहायता, राहत एवं वैधानिक कार्रवाई की।

दुर्घटना और आकस्मिक घटनाओं में भी मददगार

डायल-112 सेवा के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं, बाढ़ एवं अन्य आकस्मिक घटनाओं में तत्काल राहत एवं बचाव कार्य किए जा रहे हैं। आवश्यकता पड़ने पर पीड़ितों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने तथा प्राथमिक सहायता उपलब्ध कराने में भी पुलिसकर्मियों द्वारा सहयोग किया जाता है। इसके अलावा आवश्यकतानुसार पुलिस की विवेचना एवं अन्य वैधानिक कार्यवाहियों में भी -112 वाहन महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

आपात स्थिति में डायल-112 का करें उपयोग

डायल-112 सेवा का उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में आमजन को कम से कम समय में पुलिस सहायता, सुरक्षा एवं राहत उपलब्ध कराना है। थाना नैनपुर एवं चौकी पिंडरई पुलिस द्वारा इस सेवा के माध्यम से आमजन की सहायता के लिए निरंतर तत्परता से कार्य किया जा रहा है।

थाना नैनपुर पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी आपातकालीन परिस्थिति में तत्काल डायल-112 सेवा का उपयोग करें। पुलिस आपकी सहायता एवं सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर है।

वर्तमान दौर की सबसे बड़ी महामारी : संस्कारहीन रिश्ते

रिश्तों को बड़े शब्द नहीं, छोटे संस्कार बचाते हैं

एक साथ रहते हुए भी कितने अकेले हो गए हम

कृति आरके जैन

वर्तमान समय की सबसे भयावह महामारी अस्पतालों में नहीं, घरों के भीतर पल रही है। इसका न कोई परीक्षण है, न तापमान, न कोई चिकित्सकीय रिपोर्ट। यह चुपचाप रिश्तों में उतरती है और उनकी धड़कनें धीमी कर देती है। इसका नाम है–संस्कारहीन रिश्ते। समाचारों की सुर्खियाँ हत्या, तलाक, पारिवारिक कलह और टूटते घर दिखाती हैं, पर उन घटनाओं के पीछे पसरा वह सन्नाटा नहीं दिखातीं, जहाँ कभी अपनापन साँस लेता था। असली त्रासदी तब होती है, जब अपने ही लोग एक-दूसरे के लिए अजनबी बन जाते हैं। संस्कार रिश्तों की रखवाली छोड़ दें तो मकान तो खड़े रहते हैं, कमरे भी भरे रहते हैं–बस घर भीतर से वीरान हो जाता है।

कभी रिश्ते मिट्टी जैसे थे–नरम, लचीले, एक-दूसरे में घुले हुए। संस्कार वह पानी थे, जो बिखरे कणों को जोड़कर परिवार गढ़ते थे। आज वही मिट्टी सूख रही है। अहंकार की एक चुभन, स्वार्थ की एक परत और सुविधा की एक आँधी रिश्तों में दरार डाल देती है। हमने संबंधों को भावनाओं से नहीं, फायदे से तौलना शुरू कर दिया है–सुविधा रही तो रिश्ता रहा, सुविधा गई तो अपनापन भी गया। अदालतों के पारिवारिक विवाद और रोज की सुर्खियाँ इसी बिखराव के कण हैं। सवाल यह नहीं कि रिश्ते क्यों टूट रहे हैं; सवाल यह है कि उन्हें बाँधने वाला संस्कारों का पानी हमारी हथेलियों से कब रिस गया।

आज परिवार एक छत के नीचे रहता है, पर एक-दूसरे के भीतर नहीं उतरता। खाने की मेज पर थालियाँ साथ होती हैं, मोबाइल भी–बस संवाद नहीं होता। बच्चे सवाल लेकर बड़ों तक पहुँचने के बजाय स्क्रीन पर उत्तर खोजते हैं और बुजुर्ग घर में रहकर भी बातचीत से बाहर हो जाते हैं। संस्कार अब व्यवहार में कम, किताबों, भाषणों और त्योहारों की तस्वीरों में अधिक दिखाई देते हैं। फिर किसी दिन खबर आती है–किसी वृद्ध की मृत्यु का पता कई दिनों बाद चला। सुर्खी कुछ पल ठहरती है, मगर उसके पीछे वर्षों का अकेलापन, दरवाजे पर टिकी आँखें और अपनों के स्पर्श को तरसते हाथ छूट जाते हैं। संस्कार जीवित होते तो बुजुर्ग खबर नहीं बनते–घर की सबसे सुरक्षित छाँव बने रहते।

प्रेम अब अपनापन कम, अपेक्षाओं का हिसाब अधिक बनता जा रहा है। इच्छा पूरी हुई तो मुस्कान, टूटी तो शिकायत; अपेक्षा टूटी तो रिश्ता भी डगमगा गया। कभी एक माफी वर्षों का साथ बचा लेती थी, आज एक संदेश, ब्लॉक या अनफॉलो वर्षों की निकटता मिटा देता है। मतभेद समस्या नहीं, संवाद का इम्तिहान हैं; दुख यह है कि हमने मतभेद के बाद बात करना छोड़ दिया। गलती मानना कमजोरी नहीं, रिश्ते की ताकत है; माफी माँगना हार नहीं, प्रेम का साहस। इसीलिए पहला तूफान आते ही रिश्ते की छत उड़ जाती है–उसे थामने वाली संस्कारों की कड़ियाँ पहले ही टूट चुकी होती हैं।

शहरों की चमक हमें उस आँगन से दूर ले गई, जहाँ कभी परिवार साथ बैठता था। दादा-दादी की कहानियाँ किस्से नहीं, धैर्य, क्षमा, त्याग और सम्मान की पाठशाला थीं। आज आँगन की जगह बालकनी, कहानियों की जगह रील्स और साथ की जगह अलग-अलग स्क्रीन हैं। बच्चे तेज भागना सीख रहे हैं, ठहरकर सुनना नहीं। माता-पिता सुविधाएँ जुटाने की दौड़ में बच्चों की आँखों की थकान और मन की चुप्पी पढ़ना भूल रहे हैं। फिर वही बच्चे बड़े होकर माता-पिता को वृद्धाश्रम छोड़ देते हैं और यह एक खबर बन जाती है। पर वृद्धाश्रम की राह उस दिन नहीं बनती–उसकी पहली ईंट बहुत पहले घर के भीतर रखी जा चुकी होती है।

इस महामारी का सबसे खतरनाक लक्षण है–उसका दिखाई न देना। न बुखार, न खाँसी, न कोई रिपोर्ट; फिर भी परिवार भीतर से बीमार हो जाता है। आवाजों से अपनापन घटता है, बातचीत औपचारिक होती है और एक ही छत के नीचे लोग अपने-अपने एकांत में सिमट जाते हैं। साथ रहते हुए भी अकेलापन बढ़ता जाता है। समाचार चैनल घटना दिखा सकते हैं, आँकड़े गिना सकते हैं, बहस कर सकते हैं; मगर उस संस्कारहीनता को नहीं पकड़ सकते, जो टूटते रिश्तों की जड़ में पलती है। शायद इसलिए हम सुर्खियों से आगे देखना नहीं चाहते–क्योंकि वहाँ किसी और की कहानी नहीं, हमारा अपना आईना खड़ा है।

फिर भी इस बीमारी का इलाज संभव है, क्योंकि संस्कार कोई पुरानी चीज नहीं, बल्कि रोजमर्रा के छोटे-छोटे व्यवहार हैं। इलाज बाहर से नहीं, भीतर से शुरू होगा। बिना कारण मुस्कुरा देना, किसी की बात बीच में न काटकर सुन लेना, गलती पर माफी माँग लेना, बुजुर्ग के हाथ छूकर आशीर्वाद लेना, बच्चे के सवाल को महत्व देना और क्रोध के क्षण में कठोर शब्द रोक लेना–यही रिश्तों की असली वैक्सीन हैं। रिश्तों की सूखी मिट्टी को फिर से गीला करना होगा। संस्कारों को उपदेशों की दीवार से उतारकर व्यवहार की जमीन पर लाना होगा। घर में थोड़ा समय, थोड़ा धैर्य और थोड़ा अपनापन लौट आए, तो बहुत-से रिश्ते टूटने से पहले ही बच सकते हैं।

शायद अब समय है कि हम सुर्खियों से बाहर निकलकर अपने ही घर को देखें। रिश्ते क्यों टूट रहे हैं, यह पूछने से पहले यह देखना होगा कि उन्हें बचाने के लिए हम अपने भीतर क्या बदल सकते हैं। न्यूज़ की सुर्खियाँ बदलती रहेंगी, घटनाएँ गुजर जाएँगी; मगर टूटा विश्वास, अकेला बुजुर्ग और भीतर से बुझा रिश्ता खबर बदलने से वापस नहीं आएगा। शुरुआत किसी बड़े अभियान से नहीं, घर की छोटी-सी संवेदना से होगी–किसी अपने को सुन लेने से, रूठे को मना लेने से, बुजुर्ग के पास बैठ जाने से, बच्चे के मन को समझ लेने से और अपनी गलती पर झुक जाने से। क्योंकि रिश्ते बड़े शब्दों से नहीं, छोटे संस्कारों से बचते हैं। सुर्खियों से आगे देखिए–शायद आपके अपने घर में अभी भी एक रिश्ता आपकी प्रतीक्षा कर रहा है।

विटामिन्स की कमी से होती है हाथ-पैरों में

झुनझुनी

कुछ लोगों के हाथ-पैरों में झुनझुनी की समस्या रहती है। यह समस्या शरीर में पोषक तत्वों की कमी के कारण हो सकती है। कुछ विटामिन्स की कमी के कारण हाथ-पैरों में झुनझुनी की हो सकती है। तो चलिए आज आपको बताते हैं ऐसे कौन से विटामिन्स हैं जो इस समस्या का कारण बनते हैं।

विटामिन-बी6

हाथ-पैरों में होने वाली झुनझुनी का कारण विटामिन-बी6 कमी हो सकती है। ऐसे में इसकी कमी दूर करने के लिए आप विटामिन-बी डाइट जैसे नट्स, बीज, मीट, मछली शामिल कर सकते हैं।

विटामिन-ई

इस विटामिन के कारण भी हाथ-पैरों में बहुत झुनझुनी हो सकती है। इसकी कमी के कारण आंतों में मौजूद फैट का अवशोषण कम हो सकता है, जिसके कारण हाथ-पैरों में झुनझुनी हो सकती है। इन विटामिन्स की पूर्ति के लिए आप डाइट में ड्राई फ्रूट्स, बीज, वनस्पति तेल का सेवन कर सकते हैं।

विटामिन-बी1

हाथ-पैरों में झुनझुनी के कारण शरीर में विटामिन-बी1 की कमी हो सकती है। यह विटामिन नर्व इंपल्स और न्यूरोन की रिपेयरिंग का काम करता है। ऐसे में इसकी शरीर में कमी पूरी करने के लिए आप फलियां, साबुत अनाज, ड्राई फ्रूट्स का सेवन कर सकते हैं।

विटामिन-बी12

शरीर में हाथ-पैरों में झुनझुनी का कारण विटामिन-बी12 की कमी भी हो सकती है। यह विटामिन कोशिकाओं को एनर्जी देने में मदद करता है। यदि इसकी शरीर में कमी होने लगे तो कोशिकाएं कमजोर हो सकती हैं। ऐसे में इसकी कमी पूरी करने के लिए अंडे, डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन करें।

ये गलतियां बना रही हैं आपको बीमार

सीटिंग जॉब करते समय रहें सतर्क

बढ़ता वजन हर किसी के लिए बेहद चिंताजनक हो सकता है, क्योंकि इसकी वजह से कई ऐसी बीमारियां हैं, जो हमें घेर सकती हैं। लंबे समय तक बैठे रहना मोटे होने का सबसे बड़े कारणों में से एक है। ऐसे में अगर आप सीटिंग जॉब करते हैं तो हम आपके लिए कुछ आसान टिप्स लेकर आए हैं, जिससे अगर आप इस परेशानी से जूझ रहे हैं या हैल्दी रहना चाहते हैं तो आप अपना वजन घटा सकते हैं। इनकी मदद से न सिर्फ आप वजन कंट्रोल कर पाएंगे, बल्कि बैठे रहने से होने वाली अन्य दिक्कतों से भी आप छुटकारा पा सकते हैं। बस करना ये है कि अपनी कुछ गलत आदतों को छोड़ना है।

डेस्क से चिपके रहना

कई लोग अपनी डेस्क पर लगातार बैठकर काम करते हैं व बिल्कुल भी अपनी सीट से उठते नहीं हैं तो ये आदत आपको बदलने की जरूरत है, क्योंकि इसकी वजह से वजन तेजी से बढ़ सकता है। दरअसल, आप अपने ऑफिस का टास्क पूरा करने के लिए अपने शरीर की एक्टिविटी पर ध्यान नहीं देते हैं, जिसकी वजह से आपके शरीर की कैलोरी बर्न नहीं होती है। इस स्थिति में शरीर का वजन बढ़ सकता है।

जल्दी-जल्दी खाना

काम के चक्कर में कई बार हम जल्दी-जल्दी खाना खाते हैं तो आपको बता दें ऐसा बिल्कुल ही न करें। ऐसा करने से आपकी पाचन क्रिया प्रभावित हो सकती है और आप मोटापे का शिकार हो सकते हैं।

काम का स्ट्रेस

ऑफिस के काम को कभी भी स्ट्रेस के रूप में न लें, बल्कि काम को आराम से दिल लगाकर पूरा करने की कोशिश करें। इससे आपके शरीर का वजन कंट्रोल रहेगा, वहीं बढ़ते वजन की परेशानी से छुटकारा मिल सकता है, साथ ही मानसिक चिंता से भी छुटकारा मिलेगा।

लेट नाइट शिफ्ट

लेट नाइट तक शिफ्ट करने के कारण कई लोग रात में देर से सोते हैं और ऐसे लोग भूख लगने पर जरूरत से ज्यादा कैलोरी लेते हैं, जिस वजह से मोटापे की समस्या हो सकती है। लेट नाइट शिफ्ट में लोग अक्सर समय से खाना नहीं खा पाते। उनके खाने का समय रोजाना बदलता रहता है।

लंच सही समय पर न करना

ऑफिस में काम के लोड के चलते कई बार हम लंच को स्किप कर देते हैं या फिर देरी से लंच करते हैं। ऐसा करना आपकी सेहत के लिए नुकसानदायक होता है। आपकी यह आदत आपका वजन बढ़ा सकती है। इसलिए कोशिश करें कि लंच हमेशा समय पर करें। कभी भी लंच को स्किप न करें। काम में व्यस्त होने के कारण कई बार लोग कुकीज जैसी कई अनहैल्दी चीजों का सेवन दिनभर करते रहते हैं, जिसके कारण आपके शरीर में कैलोरी बढ़ने लगती है।

हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट में क्या अंतर है?

आए दिन दिल संबंधी बीमारियों से लोग परेशान हो रहे हैं। हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट से कई लोगों की जान भी जा रही है, लेकिन क्या आपको इन दोनों में फर्क पता है? इन दिनों ज्यादातर लोग दिल संबंधी बीमारियों से जूझ रहे हैं। ऐसा खराब लाइफस्टाइल और बहुत ज्यादा तला खाने से हो रहे है। इन दोनों ही समस्याओं को लोग एक समझते हैं। हालांकि, दोनों के बीच काफी अंतर है। यहां जानिए हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट में क्या फर्क होता है।

- दिल का दौरा तब आता है, जब एक ब्लॉक्ड धमनी ब्लड को दिल के एक हिस्से तक पहुंचने से रोकती है, जबकि कार्डियक अरेस्ट तब होता है, जब दिल का इलेक्ट्रिकल सिस्टम फेल हो जाता है।
- कई कार्डियक अरेस्ट दिल का दौरा पड़ने के कारण होता है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि जिस व्यक्ति को दिल का दौरा पड़ रहा है, उसमें खतरनाक हृदय गति विकसित हो सकती है, जो कार्डियक अरेस्ट का कारण बन सकती है।
- दिल के दौरे के दौरान हृदय की मांसपेशियां जरूरी ब्लड फ्लो से वंचित हो जाती हैं, वहीं कार्डियक अरेस्ट के दौरान व्यक्ति का हृदय मस्तिष्क सहित पूरे शरीर में ब्लड फ्लो करना बंद कर देता है।
- जब आर्टिरीज में ब्लड फ्लो रुक जाता है तो ऑक्सीजन की कमी से हार्ट के कुछ हिस्से खत्म होने लगते हैं, वहीं कार्डियक अरेस्ट में दिल अचानक से धड़कना बंद कर देता है।

क्या होते हैं लक्षण?

दिल का दौरा पड़ने के दौरान, सीने में दर्द, सांस लेने में तकलीफ और मतली जैसे लक्षण मौजूद हो सकते हैं, जबकि कार्डियक अरेस्ट के मामले में व्यक्ति अचानक गिर सकता है और घटना से पहले कोई चेतावनी संकेत या लक्षण नहीं दिखते।

नोट- दिल का दौरा और कार्डियक अरेस्ट दोनों ही आपातकालीन स्थितियां हैं। ऐसे में कोई भी लक्षण दिखने पर डॉक्टर से तुरंत संपर्क करें।

साइलेंट हार्ट अटैक क्या है, लक्षण पहचान कर ही करें उपचार

साइलेंट हार्ट अटैक के घरेलू उपाचार = साइलेंट हार्ट अटैक एक गंभीर बीमारी है, जो दिल के दौरे से बिल्कुल विपरीत होता है क्योंकि हार्ट अटैक आने से पहले सीने में जलन या फिर दर्द होना सभाविक है लेकिन साइलेंट हार्ट अटैक में ऐसा नहीं होता। मरीज को पता नहीं चलता कि उसके साथ क्या हो रहा है। इसके लक्षण पता चल जाने पर मरीज की जान बचाई जा सकती है लेकिन साइलेंट हार्ट अटैक के लक्षण बहुत ही सामान्य होते हैं, इनका पता चलना थोड़ा मुश्किल है। आज हम आपको साइलेंट अटैक आने के कारण, लक्षण और इसके घरेलू उपचार बताएंगे। इन तीनों बातों के बारे में पता होने के बाद ही आप खुद को इस खतरनाक बीमारी से सुरक्षित रख सकते हैं।

क्या है साइलेंट अटैक? एक शौध के अनुसार पुरूषों की तुलना में महिलाओं को साइलेंट अटैक सबसे ज्यादा आता है। जब खून का प्रवाह पट्टिका के निर्माण से कोरोनरी धमनियों के अविरुद्ध हो जाता है, तो ऐसी स्थिति में व्यक्ति को साइलेंट अटैक आने की संभावना बढ़ जाती है। साइलेंट अटैक में पीड़ित को सीने में दर्द नहीं होती, इसलिए व्यक्ति को पता हीं नही चलता की उसको साइलेंट अटैक आया है या नहीं।

लिवर को हैल्दी रखने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

लिवर को हैल्दी बनाए रखने के लिए अपनी डाइट में प्रोटीन और फाइबर रिच डाइट के साथ हरी सब्जियां, फल, अदरक, लहसुन, दालें, अखरोट, मखाने जैसी चीजें शामिल करें। इसके अलावा डाइट में फ्राइड और ऑयली चीजों को शामिल करने से बचें।

एलोवेरा जूस

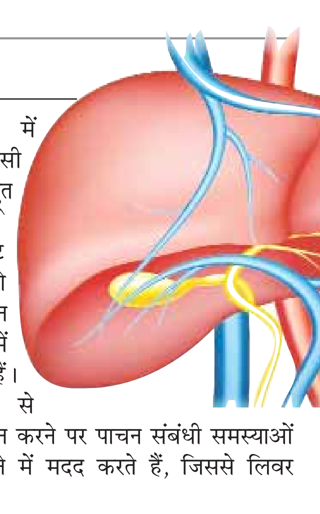

एलोवेरा में विटामिन ए, सी और ई सहित बहुत सारे एंटीऑक्सीडेंट मौजूद होते हैं, जो लिवर को नुकसान होने से बचाने में मदद करते हैं। नियमित रूप से एलोवेरा का सेवन करने पर पाचन संबंधी समस्याओं को भी दूर करने में मदद करते हैं, जिससे लिवर स्वास्थ्य रहता है।

हल्दी वाली चाय

लिवर के लिए फायदेमंद पेय पदार्थों में से एक हल्दी की चाय भी है। अध्ययनों के अनुसार हल्दी में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण मौजूद होते हैं, जो प्रो-इंफ्लेमेटरी रसायनों को कम कर सकते हैं, जो आगे लिवर रोग जैसी स्थितियों का कारण बनते हैं

चुकंदर का रस

चुकंदर के रस में मौजूद विटामिन सी, पोटेशियम और फोलेट जैसे पोषक तत्व लिवर को सेहतमंद बनाए रखने में मदद करते हैं। चुकंदर का रस पित्त उत्पादन को प्रोत्साहित करके लिवर की कार्यप्रणाली में सुधार कर सकता है।

अल्कोहल से रहें दूर

लिवर को हैल्दी रखने के लिए अल्कोहल और धूम्रपान से परेहज करें। ये दोनों ही चीजें लिवर की सेहत को नुकसान पहुंचाती हैं। इनके नियमित सेवन से लिवर डैमेज होने का खतरा बना रह सकता है। जरूरत से ज्यादा अल्कोहल का सेवन डिहाइड्रेशन की समस्या भी पैदा करता है।

एक्सरसाइज से न करें परहेज

लिवर को हैल्दी रखना है तो रोज एक्सरसाइज करें। हैल्दी बॉडी के लिए कम से कम आधा घंटा लाइट वेट वर्कआउट से शुरुआत करते हुए जॉगिंग, रस्सी कूदना और दौड़ को भी रुटीन का हिस्सा बना सकते हैं। इसके अलावा हैल्दी डाइट भी लें, ताकि लिवर को सेहतमंद रखा जा सके।

वैक्सीन जरूर लगवाएं

हेपेटाइटिस ए और बी की वैक्सीन जरूर लगवाएं। अगर आपको पहले से कोई मेडिकल कंडीशन है तो यह वैक्सीन आपको बीमार होने से बचा सकती हैं। हेपेटाइटिस ए की समस्या गंदा खाना या पानी का सेवन करने से होती है। इसलिए अपने रुटीन में हैल्दी हाईजीन टिप्स जरूर फॉलो करें।

इस मौसम में कमरे को न्यू इफेक्ट देने के लिए गार्डन थीम चुन सकती हैं। इसके लिए रंग-बिरंगे फूल, हरी पत्तियों और फव्वारों से जुड़ी सीनरीज, कर्टन्स, बेड लिनेन से कमरे को सजाएं। इन दिनों में आपका लिविंग रूम कूलिंग इफेक्ट दे, इसके लिए जरूरी है कि लिविंग रूम की दीवारों पर लाइट कलर्स पेंट करा दें।

न्यू थीम से घर को दें न्यू इफेक्ट

प्राकृतिक रूप से आप आसानी से अपने घर को ठंडा-ठंडा, कूल-कूल रख सकती हैं। इसकी खास बात यह है कि ये तरीके बीमारियों से बचाव भी करते हैं। घर को ठंडा-ठंडा, कूल-कूल रखने के लिए जरूरी है कि उसकी छत ठंडी रखें। इसके लिए सुबह और शाम दोनों टाइम घर की छत पर पानी से छिड़काव करें या छत पर टाट रखें। इससे घर की दीवारों का तापमान कम होता है, साथ ही ठंडक के लिए खस के टाट को पानी से भिगोकर टांगने से घर में ठंडक बनी रहती है।

हलके रंग के पर्दे

सूरज की रोशनी आपके कमरे को रौशनी से भरक देती है। इससे बचने के लिए पर्दों का इस्तेमाल करें। गाढ़े रंग के पर्दे धूप को अपनी ओर खींचते हैं, वहीं हलके, पेस्टल और व्हाइट जैसे रंग धूप से बचाते हैं। कहने का मतलब है कि पर्दों का कलर जितना हलका होगा, घर उतना ही ठंडा रहेगा।

यूज करें लाइट कलर्स

इन दिनों में लाइट फैब्रिक में लाइट कलर कर्टेंस लगाएं। कोशिश करें कि ये प्योर कॉटन, नेट और शिफॉन फैब्रिक्स के हों। कुर्सियों और सोफे के तकियों और कुशंस को कलरफुल और वाइब्रेंट डिजाइंस से सजाएं। आप चाहें तो ग्रीन और यलो वुवेन बास्केट को भी लिविंग रूम में रख सकती हैं।

ताजगी से भरपूर

ग्रीन के साथ सनी येलो कलर कॉम्बिनेशन के पिलो, बेड लिनेन भी कमरे को आकर्षक और तरोताजगी से भर देंगे। ग्रीन कलर के शौकीन लोगों को चाहिए कि मिक्सिंग पैटर्न, जैसे क्रिस कॉस, स्ट्राइप, ज्यॉमैट्रिकल शेप यानी तिकोनी, गोल, चौकोर, आड़ी-तिरछी आकृतियों का सहारा लें।

पेस्टल शेड

दूसरी ओर, यदि आपने वॉल-टू-वॉल कारपेट लगाया हुआ है तो उसके ऊपर से कॉटन के हलके रंग वाले कालीन या कपड़े लगा दें। इससे कमरा गर्म महसूस नहीं होगा। डार्क कलर के कैंडल्स को व्हाइट और पेस्टल शेड कैंडल्स से रिप्लेस कर लें। इसके अलावा ताजा फूलों को भी फ्लावर पाट में लगाएं।

लिविंग रूम को कूल रखेगा फेस्टिव लुक

फेस्टिव लुक लिविंग रूम में लाइटिंग एसेसरीज यूज करें। स्ट्रिंग लाइट्स बेहद आकर्षक नजर आती हैं। इन्हें हैंग करना आसान होता है और ये कमरे को एक फेस्टिव लुक भी देती हैं। हमिंगबर्ड्स और सनफ्लावर्स जैसे डिजाइन सिलेक्ट करें। इस पर मेरीगोल्ड और ज्यॉमैट्रिकल डिजाइंस वाले हैंगिंग पेपर लालटेन आपके लिविंग रूम को सीजनल टच देंगे। कालीन मोड़कर रख दें। लिविंग रूम की जमीन को खाली रहने दें।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
रविवार 06 सितंबर 2026

इटली की पीएम मेलोनी ने रचा इतिहास, एक ही कार्यकाल में सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने वाली नेता बनीं

रोम

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने देश की राजनीति में एक नया रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। सत्ता संभालने के बाद लगातार 3 साल 316 दिन तक प्रधानमंत्री पद पर रहने के साथ ही मेलोनी इटली के इतिहास में एक ही कार्यकाल में सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने वाले नेताओं में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई हैं। जॉर्जिया मेलोनी ने 22 अक्टूबर 2022 को इटली के प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाली थी। वह इटली की पहली महिला प्रधानमंत्री हैं। इटली की राजनीति लंबे समय से सरकारों के बार-बार बदलने और प्रधानमंत्रियों के अपेक्षाकृत छोटे कार्यकाल के लिए जानी जाती रही है। ऐसे में मेलोनी का लगातार सत्ता में बने रहना एक बड़ी राजनीतिक उपलब्धि माना जा रहा है।

इस उपलब्धि के साथ मेलोनी ने इटली के पूर्व प्रधानमंत्री जियोवानी लांजा को पीछे छोड़ दिया है। लांजा 14 दिसंबर 1869 से 10 जुलाई 1873 तक प्रधानमंत्री रहे थे और उनका एकल कार्यकाल 3 साल 208 दिन का था।

मेलोनी का यह रिकॉर्ड इटली की राजनीति में उनकी मजबूत पकड़ और उनकी सरकार की स्थिरता को दर्शाता है। ऐसे देश में, जहां सरकारों का बार-बार बदलना आम रहा है, लगातार लगभग चार साल तक एक ही प्रधानमंत्री का सत्ता में बने रहना महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

चीन में तूफान 'सॉडेल' का कहर, जियांग्शी में भूस्खलन से 1 की मौत और 11 लापता

बीजिंग।

चीन के जियांग्शी प्रांत के गाओपिंग कस्बे में आए भूस्खलन में एक व्यक्ति की मौत हो गई है और 10 से अधिक लोग मलबे में दबे हुए हैं। यह आपदा ऐसे समय में आई है जब चीन पहले ही खराब मौसम का सामना कर रहा है और तटीय इलाकों में सॉडेल तूफान के कारण मूसलाधार बारिश और बाढ़ की स्थिति बनी हुई है।

सरकारी न्यूज चैनल सीसीटीवी के अनुसार, घटना के तुरंत बाद गाओपिंग में बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है और अधिकारी फंसे हुए लोगों को खोजने का प्रयास कर रहे हैं। फिलहाल मलबे में दबे लोगों की स्थिति के बारे में तुरंत कोई विस्तृत जानकारी नहीं मिल पाई है। शुक्रवार को सॉडेल तूफान के कारण आई बाढ़ ने फुजियान और ग्वांगडोंग के कई घरों और चाय बागान वाले इलाकों को पूरी तरह से जलमग्न कर दिया। फुडिंग में अग्निशमन कर्मियों को कमर तक पानी में उतरकर बुजुर्ग लोगों को सुरक्षित निकालते देखा गया। वहीं, गांव में बाढ़ के तेज बहाव में एक तीन मंजिला इमारत ढह गई। मूसलाधार बारिश के कारण अचानक आने वाली बाढ़ और भूस्खलन के बढ़ते खतरे को देखते हुए, प्रशासन ने एहतियातन स्कूलों और पर्यटन स्थलों को बंद कर दिया है, साथ ही 24 नौका सेवाओं को भी निलंबित कर दिया गया है।

अमेरिकी सेना की खुफिया जानकारी लीक होने पर भड़के ट्रंप, पेंटागन के 50 टॉप अधिकारियों का कराया गया पॉलीग्राफ टेस्ट

वाशिंगटन

अमेरिकी सरकार के जांचकर्ताओं ने पत्रकारों को खुफिया जानकारी लीक होने के मामले में ज्वाइंट स्टाफ के लगभग 50 सदस्यों का पॉलीग्राफ यानी लाई डिटेक्टर टेस्ट किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह संवेदनशील जांच अमेरिका के उन्नत हथियारों में लंबी दूरी की मिसाइलों और पैट्रियट इंटरसेप्टर जैसे महत्वपूर्ण युद्धक सामानों के घटते भंडार से जुड़ी गुप्त सूचनाएं लीक होने पर केंद्रित थी।

सीबीएस न्यूज के अनुसार, अगस्त में किए गए इन परीक्षणों का मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना था कि क्या सैन्य अधिकारियों और नागरिक कर्मचारियों ने मीडिया को कोई खुफिया जानकारी दी थी। गौरतलब है कि इससे पहले गर्मियों की शुरुआत में भी अमेरिकी सेंट्रल कमांड और अन्य कॉम्बैटेंट कमांड के कई दर्जन अधिकारियों का इसी तरह का परीक्षण किया गया था।

टॉप-सीक्रेट जानकारी या विशेष प्रोग्राम्स तक पहुंच रखने वाले अधिकारियों की सिक्योरिटी क्लीयरेंस को फिर से प्रमाणित करने के लिए हर कुछ वर्षों में नियमित रूप से पॉलीग्राफ का उपयोग किया जाता है। हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में जितने लोगों का परीक्षण किया गया, वह संख्या बेहद असामान्य थी। द न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, अमेरिकी ज्वाइंट स्टाफ में 1500 से 2000 के बीच अधिकारी और कर्मचारी हैं, जो दुनिया भर में कॉम्बैटेंट कमांडरों के साथ ऑपरेशन्स, नीति और युद्ध योजनाओं का समन्वय करते हैं।

पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने कहा कि विभाग आंतरिक कर्मियों या जांच के मामलों पर टिप्पणी नहीं करता है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा की खुफिया जानकारी के लीक होने के सभी मामलों को बेहद गंभीरता से लेता है और उसी के अनुसार जांच करता है।

सीबीएस न्यूज के अनुसार, नाम न छापने की शर्त पर बात करने वाले तीन सूत्रों ने बताया कि इन लीक्स को लेकर राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप बेहद नाराज थे। केवल बहुत कम लोगों के पास ही हथियारों से जुड़ी खुफिया जानकारी तक पहुंच थी, जिससे यह चिंता पैदा हो गई है कि कहीं कोई विदेशी खुफिया एजेंसी के एजेंट के तौर पर तो काम नहीं कर रहा है। हालांकि, सभी वरिष्ठ अधिकारियों का परीक्षण नहीं किया गया। एक वरिष्ठ पेंटागन अधिकारी ने बताया कि ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन केन का पॉलीग्राफ टेस्ट नहीं किया गया था। वहीं, सूत्रों ने कहा कि मीडिया को जानकारी लीक करने का पता लगाने के लिए पूछे गए विशिष्ट सवालों में कोई भी फेल नहीं हुआ।पॉलीग्राफ परीक्षणों का यह दायरा तब बढ़ा, जब रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने जुलाई में घोषणा की थी कि पेंटागन और न्याय विभाग ने संदिग्ध रूप से जानकारी लीक करने वालों की पहचान करने और उन पर मुकदमा चलाने के लिए एक संयुक्त टास्क फोर्स का गठन किया है।

हेगसेथ ने कहा था कि आज जब विभाग की कोई जानकारी लीक होती है, तो यह महत्वपूर्ण है कि हम न्याय विभाग और एफबीआई सहित अन्य जांच एजेंसियों को जल्द से जल्द एक्शन लेने लायक जानकारी प्रदान करें। लीक हुई जानकारी से लोगों की जान को खतरा होता है।

बंगलादेश में खसरे का प्रकोप, करीब 1,000 बच्चों की मौत

ढाका, (वार्ता)। बंगलादेश दशकों में सबसे भीषण खसरे की महामारी का सामना कर रहा है। इस कारण मार्च से अब तक 986 बच्चों की जान जा चुकी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, खसरे के संदिग्ध और पुष्ट मामलों की संख्या 1.8 लाख के पार पहुंच गयी है, जबकि प्रतिदिन 1,000 से अधिक नये संदिग्ध मामले दर्ज किये जा रहे हैं। राजधानी के प्रमुख बाल चिकित्सा अस्पतालों के खसरा वार्ड पूरी तरह से भरे हुए हैं। डॉक्टरों का कहना है कि अस्पताल पहुंचने वाले कई बच्चे कुपोषण के कारण पहले से ही कमजोर हैं, जिससे उनका शरीर इस बेहद संक्रामक वायरस से मुकाबला नहीं कर पा रहा है। सांस लेने में तकलीफ और निमोनिया जैसी जटिलताओं के चलते कई बच्चों को लगातार ऑक्सीजन पर रखना पड़ रहा है। बंगलादेश ने पहले टीकाकरण में बड़ी प्रगति की थी, लेकिन 2024 में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के तख्तापलट के बाद राजनीतिक अस्थिरता, 2025 में स्वास्थ्य कर्मियों की हड़ताल के कारण टीकाकरण अभियान टलता गया।

सहारनपुर मस्जिद ध्वस्तीकरण पर अखिलेश यादव का बयान

एक सच्चा हिंदू कभी किसी दूसरे का अपमान नहीं कर सकता

लखनऊ

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर ज़िला मजिस्ट्रेट कलेक्ट्रेट परिसर में बनी एक मस्जिद को अदालत के आदेश के बाद गिरा दिया गया। यह कार्रवाई सुबह-सुबह की गई, जिसके बाद सभी पार्टियों की ओर से राजनीतिक प्रतिक्रियाएं सामने आईं। इसको लेकर समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि जो लोग दूसरे धर्मों का सम्मान नहीं करते, वे कभी सनातनी नहीं हो सकते। जो लोग दूसरों की आस्था के साथ खिलवाड़ करते हैं, वे कभी सनातनी नहीं हो सकते।

यादव ने हुंकार भरते हुए कहा कि एक सच्चा हिंदू कभी किसी दूसरे का अपमान नहीं कर सकता; हमने %सनातन धर्म% में यही सीखा है... सच्चे सनातनी वे लोग हैं जो सद्भाव को महत्व देते हैं; सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता सद्भाव

होनी चाहिए। क्या कोई मुझे बता सकता है कि ऐसा क्यों हो रहा है? ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि वे भगवान श्री राम के लिए आए फंड की चोरी करते हुए पकड़े गए थे... हर कोई जानता है कि इसमें बीजेपी के सदस्य शामिल थे। स्ढ्ढ्र बनाने और लोगों को जेल भेजने के कदम ने उनकी असलियत सबके सामने ला दी।

अखिलेश ने कहा कि जनता अब समझ गई है कि वे किस तरह के लोग हैं। इसीलिए वे जानबूझकर इसे सांप्रदायिक रंग दे रहे हैं। क्या हाई कोर्ट में न्याय नहीं मिल सकता था? क्या वे सुप्रीम कोर्ट में अपील नहीं कर सकते थे? अधिकारियों ने सरकार के कहने पर यह कार्रवाई की, ताकि उन्हें ऊपरी अदालत से न्याय न मिल सके... आप लोगों से न्याय का अधिकार छीन रहे हैं; इसीलिए मैंने कहा कि अब सिर्फ़ सौ दिन बचे हैं। यह तोड़-फोड़ की कार्रवाई सिटी मजिस्ट्रेट के आदेश और उसके बाद ज़िला अदालत के फ़ैसले के बाद की गई। गुरुवार को, ज़िला जज सतेन्द्र कुमार ने मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज कर दी और सिटी मजिस्ट्रेट के 16 जुलाई, 2026 के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसमें विवादित ज़मीन को सरकारी संपत्ति माना गया था। अदालत के फ़ैसले के बाद, प्रशासन ने शुक्रवार देर रात मस्जिद को सील कर दिया और अगली सुबह उस हिस्से को हटाना शुरू कर दिया जिसे सरकारी ज़मीन पर बना हुआ माना गया था।

मस्जिदों को अवैध बताकर कार्रवाई का अभियान ठीक नहीं, सरकार तत्काल रोके : मायावती

लखनऊ, (वार्ता)

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने उत्तर प्रदेश में मस्जिदों समेत धार्मिक स्थलों के खिलाफ चल रही कार्रवाई को लेकर प्रदेश सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि जिला सहारनपुर की मस्जिद सहित पूरे प्रदेश में आबाद मस्जिदों को कथित तौर पर अवैध बताकर उन्हें ध्वस्त करने का जो सरकारी अभियान चल रहा है, वह उचित नहीं है। सरकार को ऐसे नकारात्मक हालात से बचने के लिए इस पर तत्काल रोक लगाकर समाधान के अन्य उपाय करने चाहिए।

मायावती ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर किए गए पोस्ट में कहा कि

संवैधानिक और धर्मनिरपेक्ष सरकार की जिम्मेदारी सभी धर्मों को मानने वाले लोगों तथा उनके धार्मिक स्थलों का समान रूप से आदर-सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

उन्होंने कहा कि इस्लाम मजहब में मस्जिदें हर दिन इबादत और दिन में कई बार जमात के साथ नमाज पढ़ने का प्रमुख एवं अभिन्न हिस्सा हैं। इसलिए भारतीय परंपरा के अनुरूप इनका सम्मान करना देश और व्यापक जनहित में जरूरी है। बसपा प्रमुख ने कहा कि नियम-कानून का समुचित अनुपालन किए बिना किसी भी अभियुक्त का मकान ध्वस्त कर उसके पूरे परिवार को सामूहिक रूप से सजा देकर बेघर करने की कार्रवाई से लोग काफी विचलित हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में बसपा सरकार की तरह 'कानून द्वारा कानून का राज' वाला व्यवहार किया जाना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि इस मामले में केवल सरकार ही नहीं, बल्कि न्यायालय को भी समुचित ध्यान देना चाहिए। हालांकि, मौजूदा हालात में सभी लोगों से सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने की अपील करते हुए मायावती ने कहा कि उनकी पार्टी भी यही चाहती है।

डीपीआर पर यूक्रेनी हमलों में तीन नागरिक घायल : क्षेत्रीय प्रमुख

मॉस्को, (वार्ता)। डोनेट्स्क पीपुल्स रिपब्लिक (डीपीआर) के क्षेत्रीय प्रमुख डेनिस पुशिलिन ने कहा कि शुक्रवार को यूक्रेनी सशस्त्र बलों के हमलों में तीन नागरिक घायल हो गये और उनका इलाज चल रहा है।

श्री पुशिलिन ने रूस में प्रचलित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म मैक्स पर लिखा, यूक्रेनी सशस्त्र बलों के स्ट्राइक ड्रोन हमलों में आज गणराज्य के तीन नागरिक घायल हुए हैं।

उन्होंने कहा कि सभी घायलों को बेहतर चिकित्सीय देखभाल मिल रही है। इसके साथ ही उन्होंने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

आधुनिक शिक्षा और नवाचार से नई पीढ़ी का भविष्य गढ़ रहे शिक्षक : योगी

लखनऊ, (वार्ता)

शिक्षक दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को प्रदेश के सभी शिक्षकों और गुरुजनों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किए गए संदेश में उत्तर प्रदेश की प्राचीन ज्ञान परंपरा का स्मरण करते हुए आधुनिक शिक्षा व्यवस्था में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की विशिष्ट ज्ञान परंपरा को आधुनिक स्वरूप में नई पीढ़ी तक पहुंचाने वाले सभी गुरुजनों और शिक्षकों को शिक्षक दिवस की हार्दिक बधाई। उत्तर प्रदेश प्राचीन काल से ही ज्ञान,

साधना और संस्कारों की पावन भूमि रहा है। उन्होंने कहा कि काशी ने विश्व को ज्ञान का प्रकाश दिया, वहीं सारनाथ में भगवान बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश दिया था। अयोध्या, मथुरा-वृंदावन और प्रयागराज भी सनातन ज्ञान परंपरा के प्रमुख केंद्र रहे हैं। योगी ने कहा कि शुकतीर्थ और नैमिषारण्य की भी भारतीय ज्ञान परंपरा में विशिष्ट भूमिका रही है। करीब पांच हजार वर्ष पूर्व शुकतीर्थ में महर्षि शुकदेव ने श्रीमद्भागवत का प्रथम वाचन किया था। मुख्यमंत्री ने कहा है कि नैमिषारण्य में 88 हजार ऋषियों की साधना ने भारतीय ज्ञान परंपरा को समृद्ध किया। इसी भूमि से आयुर्वेद, अध्यात्म, दर्शन और भारतीय ज्ञान-विज्ञान की महान परंपराओं का विकास हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश के शिक्षक इसी गौरवशाली ज्ञान परंपरा को आधुनिक शिक्षा, तकनीक और नवाचार से जोड़कर नई पीढ़ी का भविष्य गढ़ने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने प्रदेश के सभी शिक्षकों और गुरुजनों का अभिनंदन करते हुए उनके प्रति मंगलमय शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

नए तेल रूट बनने से होर्मुज जलडमरूमध्य हो जायेगा महत्वहीन : ट्रंप

वॉशिंगटन, (वार्ता)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि भविष्य में होर्मुज जलडमरूमध्य का महत्व कम हो जाएगा, क्योंकि मध्य पूर्व में पाइपलाइनें बन रही हैं और तेल ले जाने के लिए वैकल्पिक रास्ते विकसित किए जा रहे हैं। ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, अभी पाइपलाइनें बन रही हैं। सीरिया से होकर जाने वाला रास्ता बन रहा है और असल में खुला भी है; लोग सीरिया से ट्रक ले जा रहे हैं, तेल से भरे बड़े-बड़े ट्रक। होर्मुज जलडमरूमध्य के कई विकल्प तैयार किए जा रहे हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य अब वैसा नहीं रहा जैसा पहले हुआ करता था... ईरानियों के पास आखिर में ऐसा होर्मुज जलडमरूमध्य बचेगा जिसकी अब बहुत ज़्यादा ज़रूरत नहीं होगी।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

'तुम्बाड 2' को लेकर नवाजुद्दीन सिद्दीकी का बड़ा बयान

बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने बहुप्रतीक्षित फिल्म 'तुम्बाड 2' को लेकर बड़ा अपडेट दिया है।नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने फिल्म से अपने जुड़ाव की पुष्टि करते हुए कहा कि इसकी कहानी आगे बढ़ रही है और यह एक बेहद शानदार प्रोजेक्ट है। शेखर सुमन के साथ बातचीत के दौरान नवाजुद्दीन से उनके आगामी प्रोजेक्ट के बारे में पूछा गया। 'तुम्बाड' के दूसरे भाग को लेकर सवाल किए जाने पर उन्होंने कहा, तुम्बाड, तुम्बाड, हां।

यह पूछे जाने पर कि क्या दूसरा भाग पहली फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाएगा, नवाजुद्दीन ने कहा, अब, इसका कंटिन्यूएशन आगे बढ़ रहा है। यह एक बहुत ही अमेजिंग प्रोजेक्ट है। नवाजुद्दीन ने फिल्म को लेकर अपना उत्साह जाहिर करते हुए कहा, यह सच में मजेदार है। मुझे उस प्रोजेक्ट पर गर्व हो सकता है। साल 2018 में रिलीज हुई 'तुम्बाड' ने अपनी अनोखी कहानी, हॉरर और लोककथा के मिश्रण तथा शानदार दृश्य शैली के कारण दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई थी। फिल्म को बाद में कल्ट स्टेटस भी हासिल हुआ।

फिलहाल 'तुम्बाड 2' की कहानी और इसकी दुनिया से जुड़ी ज्यादातर जानकारियां सामने नहीं आई हैं। नवाजुद्दीन सिद्दीकी का यह बयान निश्चित रूप से फिल्म के अगले अध्याय को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ाने वाला है।

कृति खरबंदा की रहस्यमयी इंस्टाग्राम स्टोरी से बढ़ी उत्सुकता

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति खरबंदा की हालिया इंस्टाग्राम स्टोरीज़ ने उनके प्रशंसकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। कृति खरबंदा ने लगातार कुछ ऐसी तस्वीरें साझा की हैं, जिनसे कयास लगाए जा रहे हैं कि वह जल्द ही कोई खास घोषणा कर सकती हैं। कृति ने सबसे पहले अपनी क्लोज-अप सेल्फी साझा की। इसके बाद उन्होंने एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें एक गिलास में ड्रिंक डाली जाती हुई दिखाई दे रही है और साथ में लाल रंग की नोटबुक नजर आ रही है। तस्वीर पर लिखा था, कुछ खास पक रहा है। इसके बाद कृति ने एक और तस्वीर साझा की, जिसमें हाथ से लिखे नोट की तरह संदेश था मैं अभी खुद पर काम कर रही हूँ। कृति के इन रहस्यमयी संदेशों ने प्रशंसकों की जिज्ञासा और बढ़ा दी है। हालांकि कृति ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि उनकी इन स्टोरीज़ का इशारा किस ओर है, लेकिन सोशल मीडिया पर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। माना जा रहा है कि यह किसी नए प्रोजेक्ट, पेशेवर उपलब्धि या उनकी जिंदगी से जुड़ी किसी खास खबर का संकेत हो सकता है। फिलहाल कृति के इन रहस्यमयी अपडेट्स ने प्रशंसकों को इंतजार और अनुमान के बीच ला खड़ा किया है। अब सभी की नजर इस बात पर है कि कृति कब इस सस्पेंस से पर्दा उठाती हैं।

हनुमान अंश से पहले छोटे बजट की 3 फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर उड़ाया गर्दा

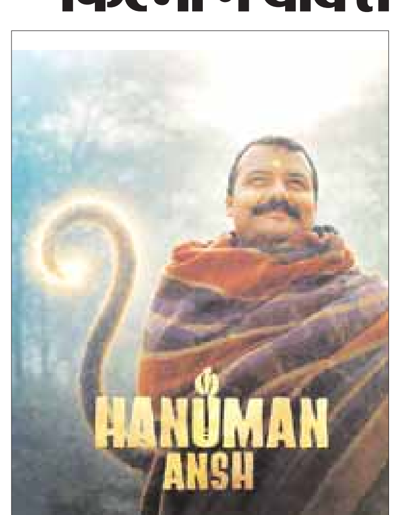

चार हफ्तों पहले थिएटर्स में एक ऐसी फिल्म ने दस्तक दी जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते थे और इसी के चलते पहले दिन इस फिल्म ने सिर्फ 10 लाख कमाए। कम कमाई का सिलसिला दो हफ्तों तक चला लेकिन फिर तीसरे हफ्ते में वर्ड ऑफ माउथ के चलते फिल्म की कमाई ने शानदार कमाई करते हुए बॉक्स ऑफिस पर डबल डिजीट में करोड़ों की कमाई की। हनुमान अंश, सिर्फ 2 करोड़ रुपये के बजट में बनने वाली इस फिल्म ने बिना किसी शोर शराबे वाले प्रमोशन के बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया है। डिवोशनल फिल्म ने साबित किया है कि कंटेंट ही किंग होता है। वहीं दर्शकों ने भी फिल्ममेकर्स को एक संदेश दिया है कि एक तगड़े कंटेंट वाली फिल्में ही ज्यादा दिन तक टिक पाती हैं- फिर भले ही बजट कम हो या ज्यादा।हनुमान अंश की तरह ही हाल के सालों में कुछ और ऐसी फिल्में आई हैं जो ज्यादा बड़ी स्टारकास्ट, बिग बजट या बिग प्रमोशन वाली नहीं थी लेकिन दमदार कंटेंट के चलते इन फिल्मों ने ना सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर करोडों छापे बल्कि अच्छा खासा प्रॉफिट कमाया और दर्शकों के दिलों में हमेशा के लिए जगह बना ली।एक गुजराती फिल्म जिसे सिर्फ 50 लाख के बजट के साथ बनाया गया था। बिना बड़े स्टारकास्ट के भी दर्शकों ने इसके कंटेंट को खूब प्यार दिया और इसने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा पैसा कमाया। 120 करोड़ रुपये कमाकर यह एक स्लीपर हिट साबित हुई थी। इतना ही नहीं यह अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली गुजराती फिल्म भी बनी।

एनिमेटेड माइथोलॉजिकल फिल्म महावतार नरसिम्हा 15 करोड़ रुपये के बजट के साथ बनाई गई थी और इसने दुनियाभर में लगभग 250 करोड़ रुपये का जबरदस्त कलेक्शन किया था। 1300त्न से ज्यादा के प्रॉफिट के साथ यह भारत की सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाली फिल्मों में से एक बन गई। ऋषभ शेट्टी स्टारर कांतारा 2022 में रिलीज हुई थी और यह सिर्फ 16 करोड़ रुपये के बजट के साथ बनाई गई थी। माइथोलॉजिकल फिल्म ने दुनियाभर में 400 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की थी।

अनुभव और ज्ञान को नई पीढ़ी के निर्माण में लगाना आज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी : मंत्री प्रहलाद पटेल

शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पढ़ाने वाला नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की भावी पीढ़ी का निर्माता है

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने शिक्षक दिवस के अवसर पर स्थानीय पीजी कॉलेज में आयोजित शिक्षक दिवस सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज समाज और सरकार दोनों को बदलते समय तथा नई पीढ़ी की आवश्यकताओं पर गंभीरतापूर्वक विचार करना होगा। नई पीढ़ी के समक्ष उपस्थित चुनौतियों का समाधान केवल सरकारों के प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि परिवार, शिक्षक, गुरु, समाज और अनुभवी नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि जीवन के लंबे अनुभव से समृद्ध लोगों को अपने अनुभवों का उपयोग आने वाली पीढ़ी के मार्गदर्शन और निर्माण में करना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यक्ति की उम्र बढ़ने के साथ उसकी प्राथमिकताओं और जीवन के एजेंडे में भी समयानुकूल परिवर्तन होना चाहिए। जो व्यक्ति चालीस, पचास या साठ वर्षों का अनुभव प्राप्त कर चुका है, उसका अनुभव केवल उसकी निजी पूंजी नहीं, बल्कि समाज की धरोहर भी है। उन्होंने कहा कि अनेक लोग सेवानिवृत्ति के बाद भी स्वस्थ, सक्रिय और अनुभव से समृद्ध हैं। ऐसे लोगों को विचार करना चाहिए कि वे अपने जीवन के अनुभव से आने वाली पीढ़ी के लिए क्या योगदान दे सकते हैं। वरिष्ठजनों का दायित्व है कि वे युवाओं की बदलती आवश्यकताओं और समस्याओं को समझें तथा अपने अनुभव के आधार पर उनका मार्गदर्शन करें।

केवल प्रमाणपत्र नहीं, जीवन की चुनौतियों के लिए भी तैयार करना होगा

श्री पटेल ने कहा कि आज युवाओं के सामने अनेक नई चुनौतियां हैं। केवल प्रमाणपत्र, डिग्री और औपचारिक शिक्षा जीवन की सभी समस्याओं का समाधान नहीं कर सकते। युवाओं को समझने, उनके साथ संवाद स्थापित करने तथा उन्हें जीवन के वास्तविक अनुभवों से जोड़ने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि युवाओं को केवल उपदेश देने से अपेक्षित परिणाम नहीं मिलेंगे। उन्हें समाज, प्रकृति, श्रम, सेवा और जिम्मेदारियों से जोड़ना होगा। युवा शक्ति को अवसर और सही दिशा देकर उनमें यह विश्वास जगाना होगा कि वे समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि नई पीढ़ी में आत्मविश्वास, जिम्मेदारी, संवेदनशीलता और समस्याओं का समाधान करने की क्षमता विकसित करना आवश्यक है।

भारतीय ज्ञान परंपरा और सेवा भाव से जुड़ने का आह्वान

कैबिनेट मंत्री श्री पटेल ने भारतीय ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि आधुनिक ज्ञान और मनोविज्ञान के साथ भारत की अपनी मनीषा, जीवन-दृष्टि और अनुभव को जोड़कर समाज की अनेक समस्याओं के बेहतर समाधान खोजे जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में सेवा का व्यापक महत्व रहा है। भगवान की सेवा हो, मानव की सेवा हो, सभी प्राणियों अथवा प्रकृति की सेवा-सेवा का प्रत्येक स्वरूप समाज को मजबूत बनाने का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि सेवा को कभी छोटा कार्य नहीं समझना चाहिए। व्यक्ति का कर्म और समाज के प्रति उसका दायित्व ही उसकी वास्तविक पहचान है। हमारी भारतीय परंपरा व्यक्ति को उसके कर्तव्य, कर्म और सामाजिक जिम्मेदारियों से जोड़ने की प्रेरणा देती है। श्री पटेल ने कहा कि समय के साथ अनेक सामाजिक अवधारणाओं में परिवर्तन आया है। इसलिए आवश्यक है कि हम अपनी वैदिक और सनातन ज्ञान परंपरा को केवल भावनात्मक दृष्टि से नहीं, बल्कि गंभीर अध्ययन और विवेक के साथ समझें तथा उसके मूल जीवन-मूल्यों को वर्तमान समय की आवश्यकताओं के अनुरूप आत्मसात करें।

शिक्षक और गुरु की भूमिका सर्वोपरि

शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों को संबोधित करते हुए श्री पटेल ने कहा कि शिक्षक केवल विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम पढ़ाने वाला व्यक्ति नहीं है, बल्कि वह समाज और राष्ट्र की भावी पीढ़ी का निर्माता है। शिक्षक और गुरु विद्यार्थियों को ज्ञान देने के साथ-साथ उनमें संस्कार, जिम्मेदारी, संवेदनशीलता और कर्तव्यबोध का विकास करते हैं। उन्होंने कहा कि गुरु की महिमा और आचार्य का दायित्व यही है कि वे अपने ज्ञान और अनुभव को आने वाली पीढ़ी के निर्माण में लगाएं। अनुभवी व्यक्तियों का मार्गदर्शन युवा ऊर्जा को सही दिशा प्रदान कर सकता है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि किसी भी समाज का भविष्य केवल सरकारें नहीं बनातीं, बल्कि परिवार, शिक्षक, गुरु, समाज और अनुभववान नागरिक मिलकर आने वाली पीढ़ी का निर्माण करते हैं। इसलिए अनुभव और युवा ऊर्जा के बीच सतत संवाद स्थापित करना समय की आवश्यकता है। श्री पटेल ने शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए शिक्षकों के योगदान को नमन किया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों के जीवन में ज्ञान, संस्कार और मूल्यों का जो बीजारोपण किया जाता है, वही आगे चलकर सशक्त समाज और राष्ट्र निर्माण की आधारशिला बनता है। कार्यक्रम में शिक्षकों को सम्मानित कर शिक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। इस अवसर पर पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अनीता राजेन्द्र सिंह ठाकुर, श्री रामसनेही पाठक, सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश, श्री महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, श्रीमती संध्या कोठारी, श्री अनंत दुबे, आचार्य थम्मन शर्मा, श्री राधेश्याम नेमा, श्री गुरु सक्सेना, श्री शिवकुमार जाट, श्री लेखराम बीएस शर्मा, डॉ. सतीश दुबे सहित अन्य जनप्रतिनिधि, शिक्षकगण उपस्थित थे।

विकासखंड गोटेगांव में धूमधाम से मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

शासकीय विद्यालयों में सजी आकर्षक झांकियां, नाटक, नृत्य एवं भजनों की दी गई प्रस्तुतियां

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर विकासखंड गोटेगांव के समस्त शासकीय विद्यालयों में उत्साह और उल्लास के साथ विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यालयों में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को लेकर विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर विद्यालयों में विद्यार्थियों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, माखन-मटकी फोड़, रासलीला एवं गीता उपदेश पर आधारित आकर्षक झांकियां सजाई गईं। झांकियों के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं उनके संदेशों का सुंदर और सजीव चित्रण किया गया। छात्र-छात्राओं ने श्रीकृष्ण की लीलाओं पर आधारित नाटक, नृत्य एवं भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। राधा-कृष्ण की आकर्षक वेशभूषा में सजे विद्यार्थियों ने सभी का मन मोह लिया। विद्यालय परिसरों में भक्ति एवं उत्सव का वातावरण बना रहा। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, उनके आदर्शों, कर्तव्यबोध एवं संस्कारों से परिचित कराया। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें धर्म, सत्य, कर्तव्य, कर्म और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित इन कार्यक्रमों ने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति एवं धार्मिक परंपराओं से जोड़ने के साथ-साथ उनमें रचनात्मकता, संस्कार और सांस्कृतिक चेतना का भी संचार किया।

सांगई में मनाया गया शिक्षक दिवस

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। शनिवार को ग्राम सांगई की एकीकृत शासकीय नवीन माध्यमिक शाला में शिक्षक दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शिक्षकों द्वारा माँ सरस्वती एवं देश के पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णन के चित्र का पूजन कर किया गया।

इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने शिक्षकों का सम्मान करते हुए उन्हें उपहार भेंट किये। इस अवसर पर शिक्षकों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें शिक्षक दिवस क्यों मनाया जाता है इस बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में प्रधानपाठक दशरथ प्रसाद जाटव, मधुसूदन पटैल, विवेक नाईक, देवेंद्र ठाकुर, किरणलता ठाकुर, चंद्रभूषण नामदेव, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ता आरती कहार सहित स्कूल के छात्र छात्राएँ उपस्थित रहे ।

सरकारी स्कूलों में बच्चों की संख्या बढ़ी : शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

मध्यप्रदेश के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने गाडरवारा प्रवास के दौरान स्कूल शिक्षा विभाग को लेकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में स्कूल शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश द्वारा शिक्षण सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु लगातार अभिनव प्रयास किए जा रहे हैं। कैबिनेट मंत्री श्री सिंह ने कहा कि प्रदेश में बड़ी संख्या में स्कूल बंद होने की खबरें सामने आ रही हैं, मैं इससे सहमत नहीं हूं। इसके विपरीत मध्यप्रदेश में सरकारी स्कूलों में बच्चों की दर्ज संख्या में लगातार वृद्धि हुई है। सरकार की मंशा हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने की है। टी ई टी परीक्षा को लेकर मंत्री जी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार शिक्षकों के हित में लगातार प्रयास कर रही है। सरकार ऑफलाइन टी ई टी परीक्षा कराने की तैयारी भी कर रही है, ताकि शिक्षकों को सुविधा हो और पारदर्शिता के साथ परीक्षा संपन्न हो सके। उन्होंने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग प्रदेश में शिक्षा के स्तर को और बेहतर बनाने के लिए अधोसंरचना विकास, शिक्षकों की भर्ती और नवीन तकनीकों के उपयोग पर जोर दे रहा है, जिससे बच्चों को बेहतर शिक्षण सुविधा मिल सके।

जन्माष्टमी पर महिला कलाकारों ने दी भजनों की प्रस्तुति

भक्ति गीतों पर झूम उठे श्रद्धालु, राधा-कृष्ण के भजनों ने बांधा समां

नरसिंहपुर स्वतंत्रमत।

जन्माष्टमी पर श्री देव राधावल्लभ मंदिर, नरसिंह परिसर में आयोजित श्रीकृष्ण पर्व में जबलपुर के प्रसिद्ध श्री जानकी बैंड की महिला कलाकारों ने भगवान श्रीकृष्ण एवं राधारानी को समर्पित भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। भक्ति गीतों की सुरमयी प्रस्तुति पर श्रद्धालु झूम उठे और पूरा मंदिर परिसर कृष्ण भक्ति में सराबोर नजर आया। श्रीकृष्ण पाथेय न्यास एवं संस्कृति मंत्रालय द्वारा जन्माष्टमी पर प्रदेश के विभिन्न शहरों के प्रमुख मंदिरों में 'श्रीकृष्ण पर्व' का आयोजन किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में नरसिंहपुर के श्री देव राधावल्लभ मंदिर परिसर में यह आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।इस अवसर पर श्री जानकी बैंड जबलपुर के संयोजक दविंदर एवं बैंड की सभी कलाकारों का स्वागत राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त रंगकर्मी आशीष तिवारी ने किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में बैंड के संयोजक ने संस्था की गतिविधियों और उद्देश्य की जानकारी देते हुए बताया कि श्री जानकी बैंड का संचालन पूरी तरह महिलाओं द्वारा किया जाता है। इसकी स्थापना कोरोना काल के दौरान हुई थी।इसके बाद महिला गायिकाओं एवं वाद्य कलाकारों ने भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति से ओतप्रोत भजनों की प्रस्तुतियां दीं। राधा-कृष्ण को समर्पित गीतों ने ऐसा समां बांधा कि उपस्थित श्रद्धालु भक्ति में झूमने लगे।

श्री जानकी बैंड की विशेषता यह रही कि गायन से लेकर वादन तक सभी प्रस्तुतियां महिला कलाकारों द्वारा दी गईं। महिला कलाकारों की प्रतिभा और शानदार प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित इस सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक संध्या की उपस्थित लोगों ने सराहना की।

सरस्वती शिशु मंदिर में शिक्षक दिवस पर अवकाश प्राप्त शिक्षकों एवं आचार्यो का हुआ सम्मान

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती 'शिक्षक दिवस' के पावन अवसर पर गरिमामय सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शाला के अवकाश प्राप्त शिक्षक महेंद्र नामदेव एवं देवेन्द्र श्रीवास्तव को भारतीय जीवन पद्धति के अनुसार शॉल, श्रीफल एवं उपहार भेंट कर भावभीना सम्मान दिया गया। इसके साथ ही शाला के समस्त आचार्य एवं दीदियों को भी उनके समर्पित शिक्षण कार्य के लिए उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष गोपाल मालपानी, सचिव मुरली मालानी, पूर्व अध्यक्षद्वय अनूप जैन व अशोक मोलासरिया सहित बड़ी संख्या में अभिभावक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन आचार्या श्रीमती संध्या कौरव ने किया तथा अंत में आभार प्रदर्शन संस्था सचिव मुरली मालानी द्वारा किया गया।

साक्षरता की अलख जगा रहे अक्षर साथी कमलेश साहू सम्मानित

असाक्षरों के सर्वे से लेकर सामाजिक चेतना केंद्र के संचालन तक निःशुल्क दे रहे सेवाएं, शिक्षक दिवस पर मिला डिजिटल प्रशस्ति पत्र

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

शिक्षा केवल विद्यालय की चारदीवारी तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक ज्ञान की रोशनी पहुंचाना भी शिक्षक और समाज की साझा जिम्मेदारी है। इसी भावना को साकार करते हुए पीएम श्री शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरसिंहपुर संकुल अंतर्गत एकीकृत शासकीय हाई स्कूल नयाखेड़ा में साक्षरता पखवाड़े के दौरान शिक्षक दिवस पर अक्षर साथी श्री कमलेश साहू को साक्षरता के क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय एवं निःस्वार्थ कार्यों के लिए सम्मानित किया गय अक्षर साथी श्री कमलेश साहू द्वारा सामाजिक चेतना केंद्र के संचालन के साथ-साथ असाक्षरों के सर्वे कार्य में भी निःशुल्क सहयोग किया जा रहा है। साक्षरता अभियान को जन-जन तक पहुंचाने तथा असाक्षरों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए उनके द्वारा निरंतर किए जा रहे समर्पित प्रयासों को देखते हुए संस्था प्रमुख एवं प्राचार्य श्रीमती विनीता पांडे ने उन्हें डिजिटल प्रशस्ति प्रमाण पत्र, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

सम्मान से मिला समाजसेवा का संदेश

शिक्षक दिवस पर अक्षर साथी श्री साहू का सम्मान यह संदेश देता है कि साक्षरता अभियान केवल शासकीय कार्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज की सक्रिय भागीदारी से इसे जनआंदोलन का स्वरूप दिया जा सकता है। अक्षर साथी जैसे स्वैच्छिक सहयोगी अपने समय, श्रम और सेवाभाव से साक्षरता अभियान को मजबूती प्रदान कर रहे हैं तथा समाज के उन लोगों तक शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, जो किसी कारणवश औपचारिक शिक्षा से वंचित रह गए हैंइस अवसर पर संकुल सह-समन्वयक साक्षरता श्री एल.पी. गिरदोनिया, नोडल अधिकारी श्री राजाराम चौधरी सहित शाला परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। उपस्थितजनों ने कमलेश साहू के सेवाभाव और साक्षरता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

लोगों से नशे से दूर रहने का आह्वान

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

आज जरूरत है कि हम सब नशे से दूर रहें क्योंकि नशे के कारण अनेक परिवार बर्बाद हो गए हैं और युवा भटकाव में रहता है। उक्त बात श्री श्याम किशोर सेवा समिति के अध्यक्ष बुद्धि प्रकाश विश्वकर्मा ने श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व पर अनेक स्थानों पर जाकर लोगों से नशे से दूर रहने का आह्वान किया। साथ ही नशा मुक्ति को लेकर पंपलेट बांटे गए। इस दौरान कई लोगों ने नशे के दुष्परिणाम और उससे होने वाले परिवार के विवाद पर चर्चा की। लोगों ने पुलिस प्रशासन से भी अपेक्षा की कि नशे के अवैध कारोबार में लगे लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

शिक्षक दिवस पर एमआईएमटी कॉलेज में हुआ गरिमामय आयोजन

छात्र-छात्राओं ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। देश के वरिष्ठ शिक्षाविद एवं भारत के राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस पर 5 सितंबर को एम.आई.एम.टी. कालेज नरसिंहपुर में प्रतिवर्षानुसार छात्र-छात्राओं द्वारा शिक्षक सम्मान समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा समस्त स्टाफ मेम्बर्स का भावभीना स्वागत किया गया। कार्यक्रम का आयोजन एम.आई.एम.टी. के चेयरमैन इंजी रुद्रेश तिवारी के मुख्य आतिथ्य, प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार गर्ग की अध्यक्षता, एड. रचित तिवारी, डायरेक्टर एम.आई.एम.टी. लॉ कॉलेज के विशिष्ट आतिथ्य में किया गया। मुख्य अतिथि इंजी. तिवारी ने महाविद्यालय के छात्र - छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुये शिक्षक दिवस के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा लक्ष्य निर्धारित कर कड़ी मेहनत करने की बात पर जोर दिया। प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार गर्ग द्वारा प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा का उल्लेख करते हुए ऋषि-मुनियों से प्रेरणा लेकर सुसंस्कारित समाज निर्माण की बात पर बल दिया गया। विशिष्ट अतिथि एड. तिवारी ने तकनीकी संसाधनों की उपयोगिता पर बल देते हुए शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन, सरस्वती पूजन एवं डॉ. राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। छात्रा शुभी नेमा द्वारा सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी गई। सकार्यक्रम का संचालन पूर्वा पाठक, परवीन बानो, दिव्यांशी उपाध्याय, तान्या बचकईया एवं आभार तनीषा पाठक द्वारा किया।

कार्यक्रम में डॉ. एस. एन. राव, श्रीमती अनीता रघुवंशी, डॉ. दीपिका शर्मा, श्रीमती आराधना दुबे, जी. डी. उमरे, श्रीमती विजेता शर्मा, प्रसून नेमा, रीतेश मालवीय महेश पाठक, विवेक जोशी एवं समस्त स्टॉफ मेम्बर्स सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

विंध्याचल में शिक्षक सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल द्वारा शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में उमंग भवन ऑडिटोरियम में शिक्षक सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गयाए जिसमें शिक्षकों के अमूल्य योगदान को उत्साह एवं गरिमा के साथ सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कार्यकारी निदेशक ;विंध्याचलद्ध श्री किशोर कुमार होता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महाप्रबंधक ;प्रचालन एवं अनुरक्षणद्ध श्री मणिक्यन सुरेशए महाप्रबंधक ;चिकित्सा सेवाएँद्ध डॉण् विनोद कुमार भरालीए महाप्रबंधक ;मेंटेनेंस एवं एडीएमद्ध श्री निर्मल कुमार सिंहए महाप्रबंधक ;वीएसआर ओवरहालिंगद्ध श्री एचण् पीण् देवांगनए महाप्रबंधक ;रसायनद्ध श्री टीण् एनण् सीतारमनए महाप्रबंधक ;मानव संसाधनद्ध श्रीमती रुमा दे शर्माए डीपीएसए डीपॉलए सरस्वती शिशु मंदिरए टाइनी टॉट्सए बाल भवन एवं श्री चैतन्य कोचिंग अकादमी के प्राचार्य एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ शिक्षकों के स्वागतए उन्हें गुलाब के पुष्प एवं स्मृति.चिन्ह भेंट करने के साथ हुआ। तत्पश्चात दीप प्रज्वलन एवं स्वागत संबोधन का आयोजन किया गया। स्वागत भाषण में महाप्रबंधक ;मानव संसाधनद्ध श्रीमती रुमा दे शर्मा ने शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गुरु समाज के पथप्रदर्शक होते हैंए जो ज्ञानए संस्कार और प्रबोधन के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

समारोह के दौरान श्री रविंद्र मिश्रा द्वारा स्वरचित गीत की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। शिक्षकों के मनोरंजन हेतु फन गेम्सए क्विज प्रतियोगिताएँ एवं स्केटिंग डांस जैसी विविध गतिविधियों का आयोजन किया गयाए जिनमें सभी शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। वरिष्ठ अधिकारियों एवं अतिथियों ने शिक्षकों के समर्पणए निष्ठा एवं उत्कृष्ट योगदान की सराहना की। इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षकों का विशेष सम्मान किया गया । कार्यक्रम के दौरान शिक्षक दिवस की खुशी साझा करते हुए केक कटिंग का आयोजन भी किया गया। अपने संबोधन में कार्यकारी निदेशक ;विंध्याचलद्ध श्री किशोर कुमार होता ने शिक्षकों को उनकी निष्ठाए समर्पण एवं अथक प्रयासों के लिए बधाई देते हुए कहा कि शिक्षक ही विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारकर उन्हें उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर करते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज एवं राष्ट्र निर्माण के वास्तविक शिल्पकार हैंए जिनका योगदान सदैव प्रेरणादायी और अतुलनीय रहेगा।

इस अवसर पर डीपीएसए डीपॉलए सरस्वती शिशु मंदिरए टाइनी टॉट्सए बाल भवन एवं श्री चैतन्य कोचिंग अकादमी के प्राचार्यों को मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। प्राचार्यों ने इस सराहनीय पहल के लिए एनटीपीसी प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम का संचालन उप महाप्रबंधक ;मानव संसाधनद्ध श्रीमती कामना शर्मा द्वारा किया गयाए जबकि धन्यवाद ज्ञापन अपर महाप्रबंधक ;मानव संसाधनद्ध श्रीमती मृणालिनी ने प्रस्तुत किया। अंत में सभी शिक्षकोंए अतिथियों एवं कर्मचारियों के साथ समूह छायाचित्र लेकर समारोह का समापन किया गया।

जन्माष्टमी पर आधी रात गूंजा नंद के घर आनंद भयो

शहरभर में उमड़ा आस्था का सैलाब, लक्ष्मीनारायण मंदिर में भी उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

कटनी (स्वतंत्र मत)।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर कटनी शहर सहित जिलेभर में भक्ति और उल्लास का माहौल रहा। शहर के प्रमुख कृष्ण मंदिरों में दिनभर धार्मिक अनुष्ठान, भजन-कीर्तन और विशेष साज-सज्जा के साथ रात 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया। भगवान के प्राकट्य के साथ ही मंदिर परिसर नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की, के जयघोष से गूंज उठे। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण का पूजन-अर्चन कर आरती की और प्रसाद ग्रहण किया। शहर के प्रसिद्ध सत्यनारायण मंदिर, सिल्वर टॉकीज रोड स्थित श्री गोविंद देवजी मंदिर, लक्ष्मीनारायण मंदिर तथा स्टेशन रोड स्थित लक्ष्मीनारायण ट्रस्ट मंदिर में विशेष आयोजन किए गए। मंदिरों को आकर्षक विद्युत सज्जा, रंगोली और फूलों से सजाया गया था। भगवान श्रीकृष्ण-राधा और गोपियों की मनोहारी झांकियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहीं।

सत्यनारायण मंदिर में आधी रात हुआ जन्मोत्सव

जन्माष्टमी का सबसे ज्यादा उत्साह शहर के प्रसिद्ध सत्यनारायण मंदिर में देखने को मिला। यहां शाम से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटना शुरू हो गई थी। मंदिर परिसर और मुख्य मार्ग पर मेला लगाया गया, जिसमें झूले, विभिन्न स्टॉल और खान-पान की दुकानों ने लोगों को आकर्षित किया। रिमझिम बारिश के बीच भी श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ। रात ठीक 12 बजे ककड़ी की बौल काटकर भगवान बांकेबिहारी के प्राकट्य का उत्सव मनाया गया। जन्मोत्सव के दौरान मंदिर परिसर बधाई गीतों और भजनों से गूंज उठा। इसके बाद आरती कर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

गोविंद देवजी मंदिर में थ्री-डी रंगोली बनी आकर्षण

सिल्वर टॉकीज रोड स्थित श्री गोविंद देवजी मंदिर में भी जन्माष्टमी को लेकर विशेष तैयारियां की गई थीं। बाहर से आए कलाकारों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं और संत-महात्माओं पर आधारित आकर्षक थ्री-डी रंगोली तैयार की गई।

लक्ष्मीनारायण मंदिर में भजन और झांकियों ने मोहा मन

शहर के लक्ष्मीनारायण मंदिर में सुबह से ही धार्मिक कार्यक्रमों का सिलसिला शुरू हो गया था। भगवान श्रीहरि का भव्य श्रृंगार किया गया। जन्मोत्सव के बाद सजाई गई दिव्य झांकी के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। मंदिर की आकर्षक साज-सज्जा और भजन प्रस्तुतियों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

अन्य मंदिरों में भी रही जन्माष्टमी की धूम

शहर के प्रमुख शक्तिपीठ जालपा मंदिरए दक्षिणमुखी हनुमान मंदिरए मधई मंदिरए शेर चौक स्थित साईं मंदिर, विश्राम बाबा मंदिर, भोलेशंकर मंदिर सहित अन्य मंदिरों में भी विशेष आयोजन हुए। घर-घर भी भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया।

छपरवाह में रामायण पाठ और भजन संध्या

उपनगरीय क्षेत्र छपरवाह स्थित श्री श्री 1008 दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर परिसर के राधा-कृष्ण मंदिर में भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी धूमधाम से मनाई गई। मंदिर संचालन समिति द्वारा रामायण पाठ, भजन संध्या एवं अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जन्मोत्सव में छपरवाह, मंगलनगर, आयुध निर्माणी और बिलगंवा क्षेत्र से बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी श्रद्धालु शामिल हुए।

पुलिस ने मंदिरों का किया निरीक्षण

जन्माष्टमी पर्व को लेकर पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क रहा। पुलिस अधीक्षक अभिनव विश्वकर्मा, डीएसपी शिवा पाठक, कोतवाली थाना प्रभारी राखी पाण्डेय, यातायात थाना प्रभारी अनूप सिंह सहित पुलिस बल ने शहर के प्रमुख कृष्ण मंदिरों एवं आयोजन स्थलों का निरीक्षण किया।

जागृति पार्क में गहोई वैश्य समाज ने किया पौधरोपण

कटनी (स्वतंत्र मत)। पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रविवार को पर्यावरण संरक्षण जागृति पार्क में श्री गहोई वैश्य समाज कटनी द्वारा फलदार पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम दोपहर 12 बजे समाज के सरपंच, विभिन्न समितियों के अध्यक्ष-सचिव, वरिष्ठ संघ की कार्यकारिणी के अध्यक्ष, पदाधिकारी, सदस्य एवं संरक्षकों की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता हजारी लाल नोगरहिया ने की। इस अवसर पर पुरुषोत्तम दास सोनी, भागीरथ बहरे, राजेश बरसैंया, जगदीश बरसैंया, भगवान दास जलौन्हा, अनुराग सोनी, राकेश लहरिया, राकेश बिचपुरिया, अनुराग त्रिसौलिया, अमित जार, नरेश बहरे, राजेंद्र सेठिया, गोविंद सोनी, मोतीलाल सुहाने, संजय सुहाने सहित श्रीमती गीता बरसैंया, पत्रकार राठौर, पत्रकार अंशुल बहरे सहित आमंत्रित पत्रकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अध्यक्ष हजारी लाल नोगरहिया ने पर्यावरण संरक्षण में हरित क्रांति और पौधरोपण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना और उनकी देखभाल करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। साथ ही उन्होंने सामाजिक कुरीतियों को दूर करने में वरिष्ठ संघ की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी विचार व्यक्त किए। वरिष्ठ संघ के अध्यक्ष केशव प्रसाद छिरौल्या ने सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए निरंतर प्रयास करने का आश्वासन दिया। उन्होंने वरिष्ठ संघ की वार्षिक प्रगति का विवरण प्रस्तुत करते हुए समाजजनों एवं उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की सजी आकर्षक झांकी

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सेवा केंद्र पर आयोजन

कटनी (स्वतंत्र मत)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरी विश्वविद्यालय गोपाल नगर कटनी में मनाई गई कृष्ण जन्माष्टमी: आध्यात्मिक संदेश के साथ सजी श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की आकर्षक झांकी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सेवा केंद्र पर शुक्रवार को जन्माष्टमी पर्व श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की आकर्षक झांकी सजाई गई, जिसने मौजूद लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम की शुरुआत आरती करके की गई। सेवा केंद्र परिसर में भक्ति और आध्यात्मिकता का माहौल था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ब्रह्माकुमारी भगवती दीदी ने बताया श्री कृष्ण के व्यक्तित्व और दिव्य गुणों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि जन्माष्टमी सिर्फ भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव नहीं है, बल्कि उनके आदर्शों और अच्छे गुणों को जीवन में अपनाने का अवसर भी है। उन्होंने बताया कि श्रीकृष्ण का जीवन हमें पवित्रता, प्रेम, शांति, सच्चाई, आत्मसंयम और अच्छे संस्कारों के रास्ते पर चलने का संदेश देता है। उन्होंने यह भी कहा कि आज के समय में लोगों के जीवन में तनाव और अशांति बढ़ रही है। ऐसे में आध्यात्मिक सोच और सकारात्मक विचारों को अपनाकर मन को शांत और खुश रखा जा सकता है। जन्माष्टमी का संदेश हर व्यक्ति को अपनी अंदर की अच्छाइयों को जगाने और समाज में प्रेम व सद्भाव का माहौल बनाने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में बच्चों ने राधा-कृष्ण के मनमोहक रूप में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। बच्चों की इन प्रस्तुतियों ने मौजूद लोगों को खूब पसंद आई। श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं और उनके सुंदर रूप ने कार्यक्रम को और भी आकर्षक बना दिया। इस दौरान मौजूद लोगों ने आध्यात्मिक संदेश को अपने जीवन में अपनाने और पवित्रता, प्रेम व शांति के मूल्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान पूरा परिसर भक्ति और आध्यात्मिक उत्साह से भरा रहा। इस मौके पर ब्रह्माकुमारी अभिलाषा बहन योग कर कर सभी को आत्म अनुभूति एवं परमात्मा अनुभूति कराई । कार्यक्रम के आखिर में सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद बांटा गया।

मोतियाबिंद से होने वाली दृष्टिहीनता से मिलेगी मुक्ति

कटनी (स्वतंत्रमत)।

सद्गुरू सेवा संघ ट्रस्ट के माध्यम से जिला अस्पताल में जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री विश्वकर्मा ने कहा कि मोतियाबिंद के कारण दृष्टिहीनता झेल रहे लोगों को उपचार के माध्यम से पुनः रोशनी प्रदान करना अत्यंत पुनीत एवं जनसेवा का कार्य है। रीठी क्षेत्र को मोतियाबिंद से होने वाली दृष्टिहीनता के बैकलॉग से मुक्त करने की यह पहल ग्रामीण एवं जरूरतमंद लोगों के लिए विशेष रूप से लाभकारी साबित होगी। कार्यक्रम में सीएमएचओ डॉ राज सिंह ठाकुर, सिविल सर्जन डॉ यशवंत वर्मा, चित्रकूट नेत्र चिकित्सालय से डॉ विजय सिंह, गौरवकांत श्रीवास्तव, आशीष तिवारी एवं रवि तिवारी सहित जिला अस्पताल कटनी एवं नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट का स्टाफ उपस्थित रहा।

आंगनबाड़ी केंद्र के सामने जलभराव, बच्चों की फजीहत

गर्भवती महिलाओं को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा

फिसलन से दुर्घटनाओं की आशंका

कटनी (स्वतंत्र मत)।

ग्राम पंचायत बिलहरी स्थित आंगनवाड़ी केंद्र के मुख्य द्वार के सामने बारिश का पानी और कीचड़ जमा होने से यहां आने वाले बच्चों, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

जलभराव के कारण परिसर में फिसलन की स्थिति बनी हुई है, जिससे किसी भी समय दुर्घटना की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। लोगों के अनुसार बारिश के दौरान केंद्र के सामने पानी जमा होने से बच्चों एवं महिलाओं को आने-जाने में परेशानी होती है। लंबे समय तक जलभराव रहने के कारण कीचड़ की स्थिति भी बन जाती है। ऐसे में आंगनबाड़ी केंद्र तक पहुंचने वाले लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था कराने की आवश्यकता जताई है। जलभराव की समस्या के साथ ही आंगनबाड़ी कक्ष की फर्श का एक हिस्सा धंस जाने से भवन की सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

केंद्र में छोटे बच्चों की नियमित गतिविधियां संचालित होती हैं, वहीं गर्भवती महिलाएं और धात्री माताएं भी विभिन्न सेवाओं के लिए यहां पहुंचती हैं। ऐसे में क्षतिग्रस्त फर्श की स्थिति को देखते हुए किसी अप्रिय घटना की आशंका बनी हुई है। मामले को गंभीरता से लेते हुए बिलहरी निवासी सौरभ चौरसिया ने तहसीलदार रीठी के नाम आवेदन सौंपकर आंगनबाड़ी केंद्र का तत्काल निरीक्षण कराने और आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

आवेदन के माध्यम से प्रशासन का ध्यान केंद्र की जर्जर फर्श तथा मुख्य द्वार के सामने होने वाले जलभराव की ओर आकर्षित कराया गया है। मांग की गई है कि आंगनबाड़ी केंद्र के सामने जमा होने वाले बारिश के पानी एवं कीचड़ की समस्या का स्थायी निराकरण कराया जाए। इसके लिए जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही धंसी हुई फर्श की तकनीकी जांच कराकर उसकी आवश्यक मरमत अथवा पुनर्निर्माण कराया जाए।

शिकायत में यह भी मांग रखी है कि यदि प्रशासनिक निरीक्षण में आंगनबाड़ी भवन बच्चों एवं महिलाओं के लिए असुरक्षित पाया जाता है तो सुरक्षा की दृष्टि से तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था की जाए, ताकि केंद्र में आने वाले बच्चों और हितग्राहियों को किसी प्रकार का खतरा न रहे। ग्रामीण ग्रामीणों का कहना है कि आंगनवाड़ी केंद्र छोटे बच्चों और महिलाओं से जुड़ा महत्वपूर्ण केंद्र है, इसलिए यहां मूलभूत सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। अब देखना होगा कि प्रशासन द्वारा मौके का निरीक्षण कर समस्या के निराकरण के लिए कितनी शीघ्रता से कदम उठाए जाते हैं।

वाहन ने पुलिसकर्मी को मारी जोरदार ठोकर

स्थिति गंभीर, चालक फरार, माधवनगर गेट के सामने हादसा

कटनी (स्वतंत्र मत)।

शहर के माधवनगर गेट के सामने एक तेज रफतार अज्ञात वाहन ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी को जोरदार ठोकर मार दी। इस सड़क हादसे में पुलिसकर्मी अंकित लोधी गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना को अंजाम देने के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से वाहन सहित फरार होने में कामयाब रहा। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों और पुलिस टीम की मदद से घायल पुलिसकर्मी अंकित लोधी को तुरंत इलाज के लिए निकटतम अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। डॉक्टरों की टीम उनके उपचार में जुटी हुई है। उधर घटना की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया।

माधव नगर थाना पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेते हुए अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, ताकि फरार वाहन और उसके चालक की पहचान कर जल्द से जल्द गिरफ्तारी की जा सके। इसी तरह विजयराघवगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत शारदा मंदिर के पास ग्राम जंगलपुरैनी निवासी देविया प्रसाद चौधरी को तेज रफ्तार मोटरसाइकिल चालक ने जोरदार ठोकर मार दी।

शिकायत पर विजयराघवगढ़ पुलिस ने अपराध कायम किया है। इसी तरह बड़वारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत वेयर हाउस के सामने मऊगंज निवासी बलवंत सागर सोनी को ग्राम मझगवां स्थित वेयर हाउस के सामने ट्रक के चालक ने वाहन को अत्यधिक तेज रफ्तार और खतरनाक तरीके से चलाते हुए एक्सीडेंट कर चोट पहुंचाई। मामले में बड़वारा पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

डीपीएस में जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)।

गत दिवस दिल्ली पब्लिक स्कूल कटनी में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव जन्माष्टमी के पावन अवसर पर विद्यालय की प्रार्थना सभा में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को श्रीकृष्ण के जीवन, उनके आदर्शों तथा प्रेम, सद्भाव और धर्म के संदेश से परिचित कराना था। विशेष प्रार्थना सभा का शुभारंभ प्रार्थना एवं मंगलाचरण से हुआ। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं उनकी बाल लीलाओं पर आधारित मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियाँ दीं ,जिसने सभी का मन मोह लिया। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत श्रीकृष्ण की लीलाओं पर आधारित स्किट कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रही। बच्चों ने अपने अभिनय के माध्यम से श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े प्रसंगों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। नन्हे विद्यार्थियों की सुंदर प्रस्तुतियों, भावपूर्ण अभिनय और आकर्षक नृत्य ने पूरे वातावरण को भक्तिमय एवं उल्लासपूर्ण बना दिया। विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और उत्साह से कार्यक्रम को यादगार बना दिया। सम्पूर्ण कार्यक्रम अत्यंत सजीव, मनोरंजक एवं मनमोहक रहा और सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक इसका आनंद लिया।

आरटीओ कार्यालय की ऊपरी दीवार ढही, बड़ा हादसा टला

जिले में लगातार हो रही बारिश का असर

कटनी (स्वतंत्र मत)। जिले में बीते 24 घंटों से हो रही रुक रुक कर रिमझिम बारिश के बीच एक बड़ा हादसा होते होते टल गया। लगातार हो रही बारिश के कारण आरटीओ कार्यालय की ऊपरी दीवार देर शाम करीब 4 बजे अचानक भरभराकर नीचे गिर गई। राहत की बात यह रही कि घटना के वक्त मौके पर कोई मौजूद नहीं था, जिससे बड़ी अनहोनी टल गई। जानकारी के अनुसार कटनी जिले में कल शाम से ही बारिश का दौर रुक रुक कर जारी है। पानी सेभीगने के कारण आरटीओ कार्यालय की इमारत के ऊपर का हिस्सा अचानक टूटकर गिर पड़ा। गनीमत रही कि घटना के समय वहां से कोई कर्मचारी या आवेदक नहीं गुजर रहा था।

घटना के तुरंत बाद आरटीओ अधिकारी ने मामले की जानकारी कटनी कलेटर आशीष तिवारी को दी। कलेक्टर ने मामले को संज्ञान में लेते हुए क्षतिग्रस्त हिस्से को जल्द से जल्द दुरुस्त कराने का आश्वासन दिया है।

180 लोगों का नि:शुल्क चेकअप और बीपी चेक हुआ

कटनी (स्वतंत्र मत)। प्रभु श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव सम्पूर्ण भारत वर्ष मे बडे ही श्रध्दा भक्तिभाव और हर्षोल्लास के साथ मिलकर सुंदर बाल लीलाओं की मनोहर झांकिया लगाई गई इसी संदर्भ पर विगत कई वर्षो से सबके दुख दर्द तकलीफ और राहत पहुँचाने नवजीवन हास्पिटल और सर्वधर्म जनसेवा मंच समिति एंव मुख्य प्रधान मंत्री संजीवनी हास्पिटल तीनों के संयुक्त तत्वावधान में समभाव सामाजिक विकास समरसता मानवता जनहित मे दूर ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी क्षेत्र से आए भक्तगणों के स्वास्थ्य को लेकर समाजसेवी व अधिवक्ता रेखा अंजू तिवारी द्वारा नि:शुल्क प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सत्यनारायण मंदिर के सामने स्थित वरिष्ठ समाजसेवी राजकुमार सिंघानियां के निज निवास पर शिविर लगाया गया। उक्त अवसर पर विशेष सराहनीय सहयोग डॉ राहुल पांडेय एडॉ आर एस साहू, सर्वधर्म जनसेवा मंच समिति प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश सैनी, देवेन्द्र कुमार दुबे मेडिकल, धीरज वर्मा, देवेश दुबे, संजीवन हास्पिटल प्रेम नगर स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी रिजवान खान द्वारा विशेष सराहनीय सहयोग प्रदान किया गया। नि:शुल्क प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार केंद्र मे आने वाले नन्हे मुन्ने बच्चे और उनके माता पिता और परिजनों को इस बरसात में होने वाली बीमारियों से अवगत कराया और बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर उन्हे खांसी, दस्त, पेट दर्द, सर्दी.जुकाम, बुखार, सर दर्द चक्कर आना, भूख ना लगना इत्यादि दवाईयां केंद्र से नि:शुल्क दी गई गई। इस अवसर पर समाजसेवी व अधिवक्ता रेखा अंजू तिवारी ने दूर ग्रामीण क्षेत्र से आन जाने वाले श्रद्धालुओं को बच्चों के जीवन को सुरक्षित रखने हेतु आसपास साफ सफाई रखने और गढढों मे पानी जमा ना होने दे प्रेरित किया और ताकि मच्छरों के आंतक से बचाव करे बच्चों के माता पिता और संग मे आये हुए अभिभावकों को समझाया उक्त आयोजित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मे लगभग 50 से 70 लोगों का वी पी चेकअप हुआ बड़े-बुजूर्ग लोगो को कमर दर्द, घुटनों का दर्द के साथ ही खुलकर हंसते मुस्कुराते हुए जीवन की मंगल कामना की। इस अवसर कटनी जिला ब्राह्मण समाज महिला अध्यक्ष डॉ ऊषा पांडेय, पूर्व जिला अध्यक्ष कल्पना दुबे पूर्व नगर अध्यक्ष गीता पाठक, वार्ड पार्षद डबबू रजक, नगर-निगम एल्डरमैन वेकेंट मिश्रा, श्रीमति प्रमिला दाहिना मालती प्रजापति इत्यादि का नि:शुल्क प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में सहयोग प्राप्त हुआ।

आम सूचना

सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्री लक्ष्मणदास आहूजा पिता श्री रामचंद आहूजा, निवासी 18 बंगला लाईन, माधव नगर, कटनी, जिला कटनी (म.प्र.) द्वारा श्रीमती शारदा लालवानी पति श्री सुरेश लालवानी से मौजा ग्राम पड़रवारा, पटवारी हल्का नंबर 44, तहसील एवं जिला कटनी (म.प्र.) में स्थित खसरा क्रमांक 30/1/1, रकबा 0.01 हेक्टेयर (लगभग 1000 वर्गफुट) में से भूखण्ड क्रमांक 294 में से 400 वर्गफुट तथा भूखण्ड क्रमांक 293 में से 600 वर्गफुट कुल 1000 वर्गफुट भूमि, का क्रय-विक्रय किया गया है।

उक्त संपत्ति के संबंध में मेरे पक्षकार द्वारा विक्रय प्रतिफल अदा कर संपत्ति क्रय की गई है, किंतु विक्रेता श्रीमती शारदा लालवानी द्वारा विक्रय विलेख/रजिस्ट्री निष्पादित कराने हेतु उपस्थित नहीं हुआ जा रहा है। इस कारण उक्त संपत्ति के संबंध में मेरे पक्षकार का अधिकार एवं हित विवादित/विचाराधीन है तथा इस संबंध में आवश्यक कानूनी कार्यवाही की जा रही है।

अतः सर्वसाधारण को सावधान किया जाता है कि उक्त संपत्ति को कोई भी व्यक्ति श्रीमती शारदा लालवानी अथवा किसी अन्य व्यक्ति से क्रय न करे, न ही उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार का विक्रय, खरीद-फरोख्त, सौदा, अनुबंध, बंधक, हस्तांतरण अथवा अन्य कोई व्यवहार करे।

यदि कोई व्यक्ति उक्त संपत्ति को खरीदता है अथवा उसके संबंध में किसी प्रकार का लेन-देन करता है, तो वह अपने जोखिम एवं परिणाम के लिए स्वयं जिम्मेदार होगा तथा मेरे पक्षकार के अधिकार/दावे के विरुद्ध ऐसा लेन-देन मान्य नहीं माना जाएगा और उसके विरुद्ध मेरे पक्षकार द्वारा सक्षम न्यायालय / प्राधिकारी के समक्ष उचित वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

विवेक कुमार दुबे
अधिवक्ता
कार्यालय महारानी लक्ष्मी बाई वार्ड,
सिविल लाईन कटनी तहसील व जिला कटनी म.प्र.
मो. नं. 8839011614

भारत ने दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराया

मोकी (चीन) (वार्ता)

शनिवार को यहां अपने शुरुआती मैच में दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर महिला जूनियर एशिया कप में अपने खिताब की रक्षा की शानदार शुरुआत की। डिफेंडिंग चैंपियन, जिन्होंने महिला जूनियर एशिया कप के पिछले दो संस्करण जीते हैं, ने दक्षिण कोरिया के खिलाफ संयमित और दबदबे वाला खेल दिखाया। भारत के लिए सानिका चंद्रकांत माने, पूर्णिमा यादव, पूजा साहू और मधु सिदार ने गोल किए। भारत ने इरादे के साथ मुकाबले की शुरुआत की और पहले क्वार्टर में कई मौके बनाए। उनकी कोशिशों का फल 8वें मिनट में मिला जब सानिका चंद्रकांत माने ने गोल करके भारत को 1-0 की शुरुआती बढ़त दिलाई।

भारत ने कोरियाई डिफेंस पर दबाव बनाए रखा

भारतीय टीम ने दक्षिण कोरियाई डिफेंस पर दबाव बनाए रखा और पहले क्वार्टर में दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, जिसमें 14वें मिनट का एक पेनल्टी कॉर्नर भी शामिल था, लेकिन वे किसी भी मौके को गोल में नहीं बदल पाए। पहले क्वार्टर के अंत तक भारत ने अपनी बढ़त बनाए रखी। भारत ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में भी अपना आक्रामक रुख जारी रखा और शुरुआती पांच मिनट के भीतर एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। शुरुआती प्रयास के बाद उन्हें री-पीसी (दोबारा पेनल्टी कॉर्नर) मिला, लेकिन भारत गोल नहीं कर सका। दक्षिण कोरिया ने बढ़ते दबाव के साथ जवाब दिया और बराबरी का गोल करने की कोशिश में पांच मिनट के भीतर लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। हालांकि, भारतीय डिफेंस अडिग रहा और कोरियाई हमले को सफलतापूर्वक रोके रखा। इसके बाद भारत ने खेल पर फिर से नियंत्रण हासिल किया और दूसरे क्वार्टर के आखिरी पलों में एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। इस बार, भारतीय टीम ने एक बेहतरीन रणनीति अपनाई, जिसमें पूर्णिमा यादव ने 30वें मिनट में गोल करके भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया और टीम को 2-0 की बढ़त के साथ हाफ-टाइम ब्रेक में पहुंचाया।

पूजा ने गोल करके भारत की बढ़त को 3-0 कर दिया

दक्षिण कोरिया तीसरे क्वार्टर में नए इरादे के साथ उतरा और मुकाबले में वापसी करने की कोशिश की। हालांकि, भारत का डिफेंस दबाव में भी मजबूती से डटा रहा, जबकि भारतीय फॉरवर्ड्स ने जवाबी हमले में खतरा पैदा करना जारी रखा। तीसरे क्वार्टर के आखिरी पलों में भारत की लगातार कोशिशों का फल मिला, जब उन्हें एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला और उन्होंने उसे सफलतापूर्वक गोल में बदल दिया। पूजा साहू ने गोल करके भारत की बढ़त को 3-0 कर दिया। तीन गोल की बढ़त के साथ, भारत ने आखिरी क्वार्टर में भी आक्रामक खेल जारी रखा और एक और गोल करने की कोशिश की।

कोरियाई डिफेंस ने भारत के हमले को बखूबी रोका- क्वार्टर के सातवें मिनट में उन्हें एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन दक्षिण कोरियाई डिफेंस ने भारत के हमले को बखूबी रोका। कोरिया ने एक और पेनल्टी कॉर्नर को भी नाकाम कर दिया, जबकि भारत का खेल पर और मैदान के बड़े हिस्से पर कब्ज़ा बना रहा। आखिरकार 51वें मिनट में भारत के लगातार हमलों का नतीजा निकला और मधु सिदार ने गोल करके स्कोर 4-0 कर दिया।

कोरिया ने आखिरी सीटी बजने तक संघर्ष जारी रखा

दक्षिण कोरिया ने आखिरी सीटी बजने तक संघर्ष जारी रखा और खेल खत्म होने से सिर्फ़ चार मिनट पहले एक गोल किया। एक और पेनल्टी कॉर्नर के बाद, कोरिया ने एक खास चाल (वेरिएशन) अपनाई, जिससे 57वें मिनट में किल गैबिन ने गोल किया। हालांकि, भारत ने आखिरी पलों में अपनी पकड़ बनाए रखी और 4-1 से शानदार जीत हासिल करते हुए तीन अंकों के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम अब 6 सितंबर को महिला जूनियर एशिया कप चीन 2026 के अपने दूसरे मैच में मलेशिया का सामना करेगी।

नूरजहाँ जमानी ने आईटीटीएफ वर्ल्ड पैरा फ्यूचर लाह्टी 2026 में सिल्वर और ब्रॉन्ज़ मेडल जीते

अहमदाबाद (वार्ता)। भारत की नूरजहाँ नूरअली जमानी ने फ़िनलैंड में आयोजित इंटरनेशनल टेबल टेनिस फ़ेडरेशन (आईटीटीएफ) वर्ल्ड पैरा फ्यूचर लाह्टी 2026 में दो मेडल जीते। उन्होंने पजुलाह्टी ओलंपिक ट्रेनिंग सेंटर में क्लास 7 सिंगल्स में सिल्वर और क्लास 7 स्टैंडिंग डबल्स में ब्रॉन्ज़ मेडल हासिल किया। इस प्रदर्शन से नूरजहाँ की वर्ल्ड रैंकिंग में आठ स्थानों का सुधार हुआ और वह 27वें नंबर से 19वें नंबर पर पहुँच गई।

इससे अपनी कैटेगरी में भारत की नंबर 1 खिलाड़ी के तौर पर उनकी स्थिति और मज़बूत हुई। नूरजहाँ ने अपने सिंगल्स अभियान की शुरुआत जर्मनी की बिरगिट बॉमगार्टनर से 0-3 की हार के साथ की, लेकिन इसके बाद उन्होंने आइसलैंड की एग्नेस लोविसा जोहान्सडॉटिर को 3-0 से हराकर वापसी की। फिर उन्होंने मकाऊ की यू चोई होंग के ख़िलाफ़ कड़े मुक़ाबले में 3-2 से जीत हासिल की, जिसमें उन्होंने आख़िरी दो गेम 13-11, 13-11 से जीते। स्टैंडिंग डबल्स में, नूरजहाँ और उनके साथी शिवम पाल ने फ़िनलैंड के आरो टोइवो सामुली मकेला और आइसलैंड की एग्नेस लोविसा जोहान्सडॉटिर के ख़िलाफ़ 3-0 से जीत के साथ शुरुआत की। इसके बाद उनका सामना पोलैंड की दो जोड़ियों से हुआ और दोनों ही मैच उनके विरोधियों के पक्ष में रहे, लेकिन भारतीय जोड़ी ने ब्रॉन्ज़ मेडल हासिल कर लिया।

अल्काराज़ चौथे दौर में, टॉमी पॉल के साथ होगा अगला मुकाबला

न्यूयॉर्क,(वार्ता) शुक्रवार दोपहर यूएस ओपन में, ज़ोरदार शॉट लगाने वाले प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ कार्लोस अल्काराज़ के लिए मुकाबला आसान नहीं था। फिर भी, डिफेंडिंग चैंपियन ने निडर और जोखिम भरे खेल वाले वू यिबिंग के दबाव का डटकर सामना किया और आखिरकार 6-3, 6-4, 6-1 से शानदार जीत हासिल कर हार्ड-कोर्ट मेजर टूर्नामेंट के चौथे दौर में जगह बनाई। दाहिनी कलाई की चोट के कारण अप्रैल के बाद अपने पहले टूर्नामेंट में खेल रहे अल्काराज़ अब ग्रैंड स्लैम स्तर पर लगातार 17 मैच जीतने के अपने सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड पर हैं। अल्काराज़ ने कहा,मुझे लगता है कि आज खेल की गति बहुत तेज़ थी। उनके खेलने का तरीका अविश्वसनीय है, हर शॉट पर उनकी लय ज़बरदस्त है- चाहे फोरहैंड हो या बैकहैंड। उनकी गेंदें कोर्ट पर तेज़ी से फिसलती हैं और मेरे लिए कभी-कभी उन्हें नियंत्रित करना वाकई मुश्किल होता है। लेकिन मुझे लगता है कि मैं डटा रहा। मैंने आक्रामक खेल दिखाया और सबसे मुश्किल पलों में समझदारी से खेला। अल्काराज़ ने शुरुआती दोनों सेटों में ब्रेक की बढ़त गंवा दी; इन सेटों में दोनों खिलाड़ियों ने ज़बरदस्त फोरहैंड शॉट लगाए, खासकर वू ने अपने पसंदीदा विंग से आक्रामक शॉट खेले। हालांकि वे अपने सर्वश्रेष्ठ फ़ॉर्म में नहीं थे, फिर भी 23 वर्षीय

अल्काराज़ ने रिटर्न गेम में दबाव बनाए रखा और ज़रूरत पड़ने पर अपना खेल और बेहतर किया। कभी-कभी हताशा भरी नज़र से अपने बॉक्स की ओर देखने के बावजूद, उन्होंने दो सेट की मज़बूत बढ़त बना ली। एटीपी रैंकिंग में 113वें नंबर के खिलाड़ी वू, कई चोटों से जूझने के कारण पिछले साल जून तक दुनिया के टॉप 400 खिलाड़ियों में भी शामिल नहीं थे। लेकिन 26 वर्षीय खिलाड़ी, जो 2023 में इतिहास के पहले चीनी एटीपी टाइटल विजेता बने थे, ने आसानी से हार नहीं मानी। तीसरे सेट के शुरुआती गेम में, वू ने लगातार दो ब्रेक पॉइंट के मौके बनाए, लेकिन अल्काराज़ डटे रहे और दोनों मौकों को बचाकर मोमेंटम वापस हासिल किया और चौथे राउंड की ओर तेज़ी से बढ़े। दुनिया के नंबर 3 खिलाड़ी, जो इस साल रौलां गैरो और विंबलडन में नहीं खेल पाए थे, ने अब मेजर टूर्नामेंट्स में अपने पिछले 17 मैच जीते हैं।

खिताबी हैट्रिक की तलाश में लगी सबालेंका चौथे दौर में

न्यूयॉर्क (वार्ता)

दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी और चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सबालेंका ने कामिला राखिमोवा को 6-3, 6-4 से हराकर यूएस ओपन के चौथे राउंड में जगह बना ली है। इस जीत के साथ न्यूयॉर्क में उनकी लगातार जीत का सिलसिला 16 मैचों तक पहुँच गया है और वह क्वींस में लगातार तीसरा खिताब जीतने की कोशिश कर रही हैं। लेकिन जब उनसे अपने करियर की शुरुआत की खिलाड़ी के तौर पर पीछे मुड़कर देखने के लिए कहा गया, तो सबालेंका ने अपनी कामयाबी को तय नहीं माना। उन्होंने कहा, यह एक लंबा सफ़र रहा है। मुझे अपने खेल में कई चीज़ें बदलने और नई चीज़ें जोड़ने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ी, ताकि मैं सबसे ऊँचे लेवल पर मुकाबला कर सकूँ। सबालेंका की ताकत तो हमेशा से दिखती रही है। उन्होंने

कहा कि असली मेहनत उस ताकत को बनाए रखने के लिए ज़रूरी दूसरी चीज़ों को विकसित करने में लगी- जैसे सही फ़ैसले लेना, शांत रहना और खेल के सबसे बड़े टूर्नामेंट में आगे तक खेलने की ज़रूरतों के हिसाब से तैयार रहना। सबालेंका को यूएस ओपन में आखिरी हार 2023 के फ़ाइनल में मिली थी, जब कोको गॉफ़ ने उन्हें तीन सेट में हराया था। तब से, सबालेंका ने क्वींस में लगातार खिताब जीते हैं; उन्होंने 2024 के फ़ाइनल में जेसिका पेगुला को और पिछले साल अमांडा अनिसिमोवा को हराया था। शुक्रवार की जीत के साथ सबालेंका लगातार 16 यूएस ओपन मैच जीतने वाली पहली खिलाड़ी बन गईं। उनसे पहले सेरेना विलियम्स ने 2012 से 2015 के बीच लगातार 26 मैच जीते थे। 2018 में यूएस ओपन में अपने मेन-ड्रॉ डेब्यू के बाद से, सबालेंका ने इस टूर्नामेंट में किसी भी अन्य खिलाड़ी की तुलना में सबसे ज़्यादा सिंगल्स मेन-ड्रॉ मैच जीते हैं। अब उनकी कुल जीत की संख्या 37 हो गई है। राखिमोवा पर मिली जीत ने सबालेंका के न्यूयॉर्क और ग्रैंड स्लैम रिकॉर्ड में कुछ और उपलब्धियां भी जोड़ दी हैं सबालेंका अब लगातार 16 ग्रैंड स्लैम इवेंट्स में चौथे राउंड तक पहुंची हैं।

एलआईसी को आईसीआईसीआई बैंक में हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए मिली आरबीआई की मंजूरी

मुंबई (वार्ता)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सार्वजनिक क्षेत्र की जीवन बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक में हिस्सेदारी बढ़ाकर 9.99 प्रतिशत करने की अनुमति प्रदान कर दी है। आईसीआईसीआई बैंक ने शनिवार को शेयर बाजार को बताया कि उसे 04 सितंबर की रात आरबीआई से एलआईसी के नाम जारी पत्र की प्रति प्राप्त हुई है। इसमें बताया गया है कि केंद्रीय बैंक ने एलआईसी के आवेदन पर विचार के बाद उसे एक साल के भीतर बैंक में अपनी कुल हिस्सेदारी 9.99 प्रतिशत तक करने की अनुमति दे दी है। एक साल के भीतर ऐसा न कर पाने की स्थिति में यह अनुमति अपने-आप रद्द मानी जायेगी। यह अनुमति कतिपय नियामकीय अर्हताओं को पूरा करने की शर्त के साथ प्रदान की गयी है। उल्लेखनीय है कि 30 जून की शेयरधारिता के अनुसार, आईसीआईसीआई बैंक में एलआईसी की हिस्सेदारी 4.35 प्रतिशत है।

चीन ने कड़े संघर्ष में भारत को हराया

किताक्यूशू (जापान) (वार्ता)। चीन ने शनिवार को यहां पूल बी में भारत के खिलाफ सीधे सेटों में जीत के साथ एशियाई पुरुष वॉलीबॉल चैंपियनशिप में अपने अभियान की शुरुआत की। उन्होंने 25-21, 28-26, 27-25 से जीत हासिल की। तीन बार की कॉन्टिनेंटल चैंपियन टीम ने पहला सेट तो आसानी से जीत लिया, लेकिन अगले दो सेटों में उन्हें कड़ी टक्कर मिली। भारत ने दूसरे सेट को तय समय से आगे तक खींचा, लेकिन आखिर में चीन ने इसे 28-26 से अपने नाम किया। तीसरा सेट भी कुछ ऐसा ही रहा; एक और कड़े मुकाबले में चीन ने संयम बनाए रखते हुए मैच जीत लिया। चीन के मुख्य कोच विटाल हेनेन ने कहा कि उन्होंने मैच से पहले तय किया गया लक्ष्य हासिल कर लिया है, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि उनके खिलाड़ी दूसरे और तीसरे सेट के आखिर तक अपना शानदार प्रदर्शन बनाए रखने में नाकाम रहे और अभी भी सुधार की गुंजाइश है। इस जीत से चीन को तीन अंक मिले और वे पूल बी में ईरान के बाद दूसरे स्थान पर आ गए (अंक अनुपात के आधार पर), जबकि हर टीम एक-एक मैच खेल चुकी थी।

टीसीएस हैदराबाद में शुरू करेगी एक गीगावाट का डेटा सेंटर

हैदराबाद (वार्ता)

टाटा समूह की सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टीसीएस हैदराबाद में 264 एकड़ में एक गीगावाट का डेटा सेंटर स्थापित करेगी। कंपनी ने शनिवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि वह अपनी सहायक कंपनी हाइपरवॉल्ट एआई डेटा सेंटर लिमिटेड के जरिये यह डेटा सेंटर शुरू करेगी। इसके लिए उसने जमीन अधिग्रहण का काम पूरा कर लिया है। टीसीएस हाइपरवॉल्ट को चरणबद्ध तरीके से विकसित कर रही है। वह हाइपरस्केलर्स, एआई कंपनियों और वैश्विक कंपनियों के लिए सुरक्षित, विस्तार के विकल्प के साथ और एआई-रेडी डेटा सेंटर अवसंरचना तैयार कर रही है। हाइपरवॉल्ट के डेटा सेंटर विशेष रूप से एआई वर्कलोड के लिए बनाये जा रहे हैं। इनमें लिक्विड कूलिंग, डायरेक्ट टू चिप कूलिंग, हाई रैक डेनसिटी, हरित ऊर्जा और विश्वसनीयता को जोड़ने वाला एनर्जी मॉडल तथा मजबूत नेटवर्क कनेक्टिविटी जैसी सुविधाएं होंगी।

कंपनी और उसके साझेदार इस अवसंरचना के निर्माण और प्रबंधन के लिए 70,000 करोड़ रुपये तक निवेश करने की उम्मीद कर रहे हैं। टीसीएस ने बताया कि हैदराबाद का यह एआई डेटा सेंटर कैम्पस विशेष रूप से फ्रंटियर एआई कंपनियों और हाइपरस्केलर्स की जरूरतों को पूरा करने के लिए बनाया जायेगा। इसमें एआई प्रशिक्षण, इंफ्रेंस और आधुनिक कंप्यूटिंग वर्कलोड्स के लिए हाई-डेंसिटी जीपीयू लगाने की सुविधा होगी। पूरी तरह विकसित होने के बाद इस परिसर के देश के सबसे उन्नत और सबसे बड़े एआई अवसंरचना परिसरों में शामिल होने की उम्मीद है। परिसर के निर्माण में हरित ऊर्जा और जल-निरपेक्ष डिजाइन के सिद्धांतों का भी इस्तेमाल किया जायेगा। तेलंगाना के माननीय मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने हाइपरवॉल्ट के अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान इस परियोजना को न केवल तेलंगाना बल्कि पूरे देश के लिए ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि यह स्थापित करता है कि हैदराबाद अब मजबूत अवसंरचना के साथ वैश्विक एआई क्रांति में सबसे आगे है। तेलंगाना के आई एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने बताया कि इस समझौते की शुरुआत इस साल जनवरी में दावोस में श्री रेड्डी और टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन के बीच हुई बातचीत से हुई थी।

अडानी डिफेन्स ने एके-203 राइफल के गोली-बारूद की आपूर्ति के लिए किया समझौता

नयी दिल्ली (वार्ता)

अडानी डिफेन्स एंड एयरोस्पेस ने इंडो-रशियन राइफल्स प्राइवेट लि (आईआरआरपीएल) के साथ गोली-बारूद की आपूर्ति के लिए पांच वर्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। आईआरआरपीएल भारत-रूस संयुक्त उपक्रम है, जो भारत में एके-203 असॉल्ट राइफलों का निर्माण करता है।अडानी डिफेन्स एंड एयरोस्पेस इन राइफलों के लिए 7.62गुना 39 मिमी छोटे-कैलिबर के गोली-

बारूद का विनिर्माण एवं आपूर्ति करेगी। कंपनी ने भारत में स्मॉल-कैलिबर गोला-बारूद के निर्माण की क्षमताएं स्थापित की हैं, जिसमें कानपुर स्थित एक फैक्ट्री भी शामिल है जहां छोटे-कैलिबर के गोले-बारूद बनाए जाते हैं। कंपनी ने कहा है कि यह समझौता छोटे हथियारों की पूरी आपूर्ति श्रृंखला में घरेलू क्षमताओं को और मजबूत करने वाला है तथा इससे रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में आत्मनिर्भर-भारत के प्रयासों में मदद मिलेगी। आईआरआरपीएल की स्थापना वर्ष 2019 में भारत-रूस अंतर-सरकारी समझौते के तहत भारतीय सशस्त्र बलों के लिए एके-203 असॉल्ट राइफलों के स्वदेशी निर्माण के उद्देश्य से की गई थी। इसका कारखाना उत्तर प्रदेश में अमेठी जिले के कोरवा में है। इस संयुक्त उपक्रम में भारतीय कंपनी एडवांस्ड वेपन्स एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड और म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड तथा रूसी कंपनी कंसर्न कलाश्निकोव और रोसोबोरोनएक्सपोर्ट हिस्सेदार हैं। दिसंबर 2021 में इस कंपनी के साथ कुल 614100 से कुछ अधिक संख्या में एके-203 रायफलों की आपूर्ति के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए थे।

एसबीआई और बिस्लेरी के बीच जिम्मेदार प्लास्टिक कचरा प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए साझेदारी

मुंबई (वार्ता)

सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपनी शाखाओं और कार्यालयों में जिम्मेदार कचरा प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए बिस्लेरी इंटनेशनल के साथ साझेदारी की है। इस सहयोग के तहत बिस्लेरी एसबीआई के कर्मचारियों और सफाई कर्मचारियों के लिए जिम्मेदार प्लास्टिक कचरा प्रबंधन पर प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करेगी। साथ ही वह बैंक के कार्यालयों से इस्तेमाल किये गये प्लास्टिक कचरे को इकट्ठा करके उसे रीसाइक्लिंग के लिए भेजने का काम भी करेगी। एसबीआई और

बिस्लेरी ने शनिवार को एक लेटर ऑफ एसोसिएशन (सहयोग समझौता) पर हस्ताक्षर किये। बिस्लेरी ने बॉटल्स फॉर चेंज नाम से एक पहल शुरू की है। इसके जरिये वह संस्थानों, हाउसिंग सोसायटियों, कंपनियों और समाज को जिम्मेदार प्लास्टिक कचरा प्रबंधन के बारे में जागरूक करती है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंध निदेशक (रिस्क, कंप्लायंस और एसएजीआर) रवि रंजन ने कहा, बिस्लेरी के साथ बॉटल्स फॉर चेंज पहल के तहत हमारा सहयोग हमारे रोजमर्रा की कार्यस्थल संस्कृति में पर्यावरण अनुकूल तौर-तरीकों को शामिल करने की दिशा में एक कदम है। हमारा मानना है कि जब कर्मचारी जिम्मेदार फैसले लेने के लिए सशक्त होते हैं, तो यह जागरूकता हमारे कार्यालयों से आगे बढ़कर उन समाज तक भी पहुंचती है जिनकी हम सेवा करते हैं और जिनका हम हिस्सा हैं। बिस्लेरी इंटरनेशनल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एंजेलो जॉर्ज ने कहा, जिम्मेदार प्लास्टिक कचरा प्रबंधन की शुरुआत जागरूकता और सामूहिक पहल से होती है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के साथ हमारी साझेदारी देश के सबसे बड़े संस्थानों में से एक की पहुंच और बॉटल्स फॉर चेंज के जरिये बिस्लेरी के अनुभव को एक मंच पर लाती है, ताकि इस्तेमाल किये गये प्लास्टिक को जिम्मेदारी से अलग करने, इकट्ठा करने और रीसाइकिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

चीनी, अधिकतर दालों में नरमी, चावल मजबूत

नयी दिल्ली (वार्ता)

घरेलू थोक जिंस बाजारों में शनिवार को चीनी में नरमी रही। चीनी के साथ ज्यादातर दालों के दाम भी गिर गये। चावल में मजबूती देखी गयी जबकि गेहूं की कीमत पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर ही पड़ी रही। खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। मीठे के थोक बाजार में चीनी की औसत कीमत 53 रुपये गिरकर 5,687 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गुड़ भी 96 रुपये की गिरावट में 6,005 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। खुदरा बाजार में चीनी की औसत कीमत 41 पैसे घटकर 61.52 रुपये प्रति किलोग्राम रह गयी। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 46 रुपये बढ़कर 4,121 रुपये प्रति

क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं 2,865 रुपये प्रति क्विंटल के पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर ही रहा। आटे का भाव सात रुपये टूट गया। दाल-दलहनों में तुअर दाल की औसत कीमत 53 रुपये और उड़द दाल की 33 रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी। मूंग दाल 31 रुपये और मसूर दाल 29 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। वहीं, चना दाल पांच रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुई। खाद्य तेलों में आज मूंगफली तेल की औसत कीमत 319 रुपये प्रति क्विंटल लुढ़क गयी। वनस्पति 43 रुपये और पाम ऑयल 37 रुपये सस्ता हुआ। सूरजमुखी तेल की कीमत गत दिवस के स्तर पर ही पड़ी रही। सरसों तेल 80 रुपये और सोया तेल 11 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ।दाल चना 7989.34 रुपये, मसूर काली 8150.62 रुपये, मूंग दाल 10187.54 रुपये, उड़द दाल 11334.24 रुपये, तुअर दाल 11411.51 रुपये प्रति क्विंटल रही। अनाज (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2865.33 रुपये और चावल 4120.98 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3337.33 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी एस 5686.72 रुपये और गुड़ 6004.81 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। सरसों तेल 19132.15 रुपये, मूंगफली तेल 19616.74 रुपये, सूरजमुखी तेल 18373.29 रुपये, सोया तेल 15582.36 रुपये, पाम ऑयल 14290.09 रुपये और वनस्पति 15676.72 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर रहा।

मेट्रो शहरों के विकास के साथ-साथ उद्योग और व्यापार को गति देने का महत्वपूर्ण माध्यम: केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल

मेट्रो परियोजना परिवहन तंत्र को आधुनिक बनाने के साथ ही शहर के विकास को करेगी नई गति प्रदान : डॉ. यादव

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इंदौर में मेट्रो ट्रेन का विस्तार केवल परिवहन सुविधा का विस्तार नहीं, बल्कि विकास के एक नए अध्याय की शुरुआत है। आज मेट्रो का नया चरण शुरू हुआ है और आने वाले समय में इसके और चरण पूरे होंगे। मेट्रो के माध्यम से इंदौर को उज्जैन और पीथमपुर सहित आसपास के क्षेत्रों से जोड़ने का कार्य क्रमशः आगे बढ़ेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को इंदौर में मेट्रो ट्रेन के नये चरण के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मेट्रो के पहले चरण को मिले सकारात्मक प्रतिसाद के बाद अब इसका विस्तार शहर के अंदरूनी क्षेत्रों तक हो रहा है। यह सिलसिला लगातार आगे बढ़ेगा और आने वाले समय में मेट्रो इंदौर सहित पूरे मालवा क्षेत्र की यातायात व्यवस्था को नयी दिशा देगी। इंदौर के मेट्रो रेल नेटवर्क के विस्तार की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा 2 हजार 850 करोड़ रुपये की लागत से सुपर कॉरिडोर-3 से मालवीय नगर तक मेट्रो कॉरिडोर का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में अतिथियों ने बटन दबाकर मेट्रो का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। केंद्रीय आवास एवं शहरी राज्य मंत्री तोखन साहू, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, इंदौर सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक गोलू शुक्ला, मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड़, मधु वर्मा तथा उषा ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारीगण मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने किया 2 हजार 850 करोड़ रुपये की लागत से विस्तारित इंदौर मेट्रो का शुभारंभ-केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल भी रहे विशेष रूप से मौजूद

भारत की विकास दर ने बढ़ाया देशवासियों का गौरव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के सभी क्षेत्रों में विकास के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले सामने आई आर्थिक विकास दर के आंकड़े देशवासियों का उत्साह और गौरव बढ़ाने वाले हैं। अमेरिका की विकास दर लगभग 2 प्रतिशत और चीन की 4 प्रतिशत के मुकाबले भारत की विकास दर 7.8 प्रतिशत रहना देश की मजबूत आर्थिक स्थिति को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भारत आज दुनिया के बड़े देशों के सामने अपने हितों और अपनी शर्तों के साथ मजबूती से अपनी बात रख रहा है। यह प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत के बढ़ते आत्मविश्वास और सामर्थ्य का परिचायक है।

इंदौर-मनमाड़ रेल परियोजना से बनेगा नया इतिहास

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर को मिली मेट्रो की सौगात के साथ ही इंदौर-मनमाड़ नई रेल लाइन के लिए 18 हजार 500 करोड़ रुपये की मंजूरी भी क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है। यह परियोजना इंदौर, मालवा और पूरे मध्यप्रदेश के विकास में नया इतिहास रचेगी। उन्होंने कहा कि इस रेल परियोजना के पूर्ण होने के बाद इंदौर और मुंबई के बीच आवागमन के लिए गुजरात होकर जाने की आवश्यकता नहीं होगी। इंदौर से मनमाड़ के माध्यम से महाराष्ट्र और मुंबई से सीधा संपर्क स्थापित होगा। इसी प्रकार मध्यप्रदेश के अन्य क्षेत्रों से भी इंदौर और उज्जैन के बीच संपर्क और अधिक सुगम होगा।

उज्जैन-इंदौर-मुंबई कनेक्टिविटी को मिलेगा नया विस्तार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आने वाले समय में गुना से उज्जैन, उज्जैन से इंदौर और इंदौर से मनमाड़ तक बेहतर रेल कनेक्टिविटी विकसित होगी। इसके साथ ही इन्दौर मेट्रो के उज्जैन तक विस्तार का संकल्प भी लिया गया है। इससे उज्जैन और इंदौर सहित आसपास के पूरे महानगरीय क्षेत्र को एकजुट करने में मेट्रो महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि माँ देवी अहिल्या की नगरी इंदौर विकास और विरासत दोनों क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है।

इन्दौर मेट्रो के 17 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर में है 16 स्टेशन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मेट्रो का सफर गांधीनगर से मालवीय चौराहे तक आगे बढ़ रहा है। इस कॉरिडोर की लंबाई 17 किलोमीटर है और इसमें 16 स्टेशन शामिल हैं। यह परियोजना इंदौर के परिवहन तंत्र को आधुनिक और सशक्त बनाने के साथ ही शहर के विकास को नयी गति प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री सहित सभी संबंधित अधिकारियों और मेट्रो परियोजना से जुड़े लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इंदौर को लगातार मिल रही विकास की सौगातों का सिलसिला इसी तरह आगे भी जारी रहेगा।

मेट्रो परियोजना विकसित भारत के निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम

केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि इंदौर में मेट्रो के नए 11 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर का शुभारंभ शहर के विकास की दिशा में मील का पत्थर है। पहले मेट्रो का लगभग 6 किलोमीटर का हिस्सा आउटर क्षेत्र तक सीमित था, लेकिन नए कॉरिडोर के जुड़ने से मेट्रो अब शहर के प्रमुख क्षेत्रों से भी जुड़ गई है। उन्होंने कहा कि मेट्रो के विस्तार से विद्यार्थियों, कर्मचारियों, व्यापारियों और आम नागरिकों को सुरक्षित, सुविधाजनक और समयबद्ध परिवहन की सुविधा मिलेगी। इससे शहर में आवागमन सुगम होगा और लोगों के समय की बचत होगी। उन्होंने कहा कि मेट्रो शहरों के विकास के साथ उद्योग और व्यापार को गति देने का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। केन्द्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि वर्ष-2014 में देश के केवल पांच शहरों में 245 किलोमीटर मेट्रो नेटवर्क संचालित था, जबकि आज 26 शहरों में लगभग एक हजार 170 किलोमीटर लम्बा मेट्रो का नेटवर्क होने जा रहा है।

मेट्रो परियोजना का मूल उद्देश्य, इंदौर के विस्तार को गति देना: विजयवर्गीय

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि इंदौर मेट्रो की योजना का मूल उद्देश्य शहर के भीतर आवागमन को सुगम करने के साथ ही इंदौर के विस्तार को गति देना और शहर को विकेंद्रित करना था। इसी मूल उद्देश्य को पूरा करने के लिये मेट्रो परियोजना का विस्तार पीथमपुर, महू, देवास- मक्सी और उज्जैन तक किया जायेगा। उन्होंने कहा कि पहला चरण शहर में पूरा होने के बाद दूसरे चरण का काम आगे बढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भी इसके लिए आवश्यक स्वीकृति प्रदान की है। इसके बाद मेट्रो को पीथमपुर तक ले जाने की योजना है। आगे औद्योगिक क्षेत्रों से होते हुए उज्जैन, अवंतिकापुरी और मक्सी तक इसके विस्तार की परिकल्पना है।

मुख्यमंत्री, केन्द्रीय मंत्री ने हरी झंडी दिखाकर इंदौर मेट्रो ट्रेन को किया रवाना

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल और नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने शनिवार को बापट चौराहा मेट्रो स्टेशन पर हरी झंडी दिखाकर इंदौर मेट्रो ट्रेन को रवाना किया। इंदौर में आज ऐतिहासिक मेट्रो परियोजना की दूसरे चरण की विधिवत रूप से शुरूआत हो गई है। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, सांसद शंकर लालवानी, विधायक उषा ठाकुर, विधायक मालिनी गौड़, मधु वर्मा, गोलू शुक्ला, एससीएस संजय दुबे, पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल, सुमित मिश्रा, श्रवण चावड़ा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने केन्द्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जबसे आपने केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय संभाला है, तब से मध्यप्रदेश को लगातार सौगातें मिल रही है। इसके पूर्व भोपाल में भी मेट्रो परियोजना का शुभारंभ हुआ। उन्होंने कहा कि इंदौर मेट्रो परियोजना का दूसरा चरण केवल इंदौर के लिये नहीं पूरे प्रदेश के लिये गौरव की बात है। इंदौर में मेट्रो के दूसरे चरण के शुरू होने से आवागमन और सुगम होगा तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलेगी। इंदौर मेट्रो का सफर यहां नागरिकों की दिनचर्या का हिस्सा बनेगी। इंदौर मेट्रो में सफर के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मेट्रो ट्रेन में सांदीपनि विद्यालय के बच्चों के साथ यात्रा की। उन्होंने बच्चों से संवाद किया और उनकी पढ़ाई के बारे में जानकारी ली। इंदौर मेट्रो बापट चौराहे से शुरू होकर हीरा नगर, चंद्रगुप्त चौराहा, आईएसबीटी, एमआर टेन, भौरासला चौराहा तथा सुपर कॉरिडोर से होते हुए गांधी नगर स्टेशन पहुंची। मेट्रो के अधिकारियों ने बताया कि इंदौर मेट्रो रोजाना सुबह 9 से शाम 7 बजे तक चलेगी। इंदौर मेट्रो नागरिकों को हर 15 मिनट के अंतराल पर मिलेगी और रोजाना 70 से अधिक फेरे लगाएगी।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर आंगनबाड़ी केंद्र में मनाया गया उत्सव

दमोह (स्वतंत्र मत)।

शासन के निर्देशानुसार श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर सिविल वार्ड क्रमांक 3, लाल बहादुर शास्त्री वार्ड स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 6 में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का कार्यक्रम हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी केंद्र के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। बच्चों ने केक काटकर भगवान श्री कृष्ण का जन्मदिन मनाया और एक-दूसरे को जन्माष्टमी की बधाई दीं। इस अवसर पर बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप के रुप में देवांश गर्ग रहे। साथ ही भगवान से जुड़ी कथाओं एवं उनके जीवन आदर्शों के बारे में बच्चों को जानकारी दी गई। साथ ही बच्चों को श्रीकृष्ण के प्रेम, करुणा, सद्भाव और धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया गया। आंगनबाड़ी केंद्र में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को भारतीय संस्कृति एवं धार्मिक पर्वों की जानकारी से परिचित कराना तथा उनमें संस्कार, उत्साह और आपसी भाईचारे की भावना विकसित करना रहा। अंत में सभी बच्चों को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका एवं बच्चे उपस्थित रहे।

सीएमएचओ ने किया सीएचसी बटियागढ़ का औचक निरीक्षण

दमोह (स्वतंत्र मत)। दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य अमले द्वारा दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की हकीकत जानने के लिए सीएमएचओ डॉ राकेश राय द्वारा सीएचसी बटियागढ़ का औचक निरीक्षण किया गया। जहां पर उन्होंने स्वास्थ्य अमले की उपस्थिति दी जा रहीं स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने ओपीडी, डिलीवरी रूम, पीएनसी रूम, जांच एवं दवा वितरण कक्ष आदि का निरीक्षण कर हितग्राहियों से बात की, व्यवस्थाएं संतोषजनक मिली। इस अवसर पर बीएमओ डॉ. महेश लोधी, एएमओ सौरभ जैन, बीपीएम नरेश शुक्ला, बीसीएम पूजा शुक्ला, डीईओ नीलेश राजपूत आदि की मौजूदगी रही। इसके पूर्व ग्राम आंजनी में आयुष्मान आरोग्य मंदिर का लोकार्पण राज्यमंत्री लखन पटेल द्वारा किया गया जिसमें जनप्रतिनिधियों सीएमएचओ सहित सीएचसी स्टाफकी मौजूदगी रही। लोकार्पण उपरांत एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत राज्य मंत्री लखन पटेल, जन प्रतिनिधियों एवं सीएमएचओ द्वारा पौधारोपण किया गया।

शिक्षकों का सम्मान समारोह हुआ आयोजित

बाल विवाह की रोकथाम में शिक्षकों की अहम भूमिका विषय पर परिचर्चा

दमोह (स्वतंत्र मत)।

सीएम राइस विद्यालय में संकल्प समाजसेवी संस्था द्वारा शिक्षक दिवस पर एक परि चर्चा और शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। दरअसल बाल विवाह मुक्त भारत बनाने के उद्देश्य से जस्ट राइट और संकल्प समाजसेवी संस्था दमोह लगातार प्रयासरत है इनके द्वारा लगातार बाल विवाह रोकने प्रयास किया जा रहे हैं। इसी क्रम में शिक्षक दिवस पर दमोह के सीएम राइस विद्यालय में एक परीचर्चा का आयोजन किया गया। बाल विवाह की रोकथाम में शिक्षकों की अहम भूमिका विषय पर उपस्थित अतिथियों ने अपने विचार रखें। इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में समाजसेवी संगीता श्रीधर पूर्व नपा अध्यक्ष मालती असटी, रोजी बग्गा, रश्मि वर्मा, अभिनेता मनीष सोनी, शिक्षक विपिन चौबे, शाला के प्राचार्य श्री कुर्मी मौजूद रहे। इस दौरान उपस्थित अतिथियों ने अपने विचार रखें। संकल्प समाज सेवी संस्था के संयोजक देवेंद्र दुबे ने कार्यक्रम के प्रयोजन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वही यहां पर उपस्थित जिले भर के वरिष्ठ शिक्षकों का सम्मान किया गया। दरअसल 27 नवंबर को अंतर्राष्ट्रीय बाल विवाह उन्मूलन दिवस मनाया जाएगा। इसको लेकर भी उपस्थितियों द्वारा अपने-अपने विचार रखे गए। संचालन खुशबू तिवारी ने किया।

मध्यप्रदेश में मोबिलिटी क्रांति की शुरुआत

11 एवं 12 सितंबर को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में होगी यात्री परिवहन विजन समिट 2026

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा योजना पर केंद्रित होगी दो दिवसीय समिट

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश में यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में मध्यप्रदेश सरकार और उद्योग जगत को एक साझा मंच पर लाने के लिए यात्री परिवहन विज़न समिट 2026 का आयोजन किया जा रहा है। परिवहन विभाग द्वारा यह समिट 11 व 12 सितंबर 2026 को ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर, इंदौर में आयोजित की जाएगी। समिट में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में और परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री राव उदय प्रताप सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। समिट मुख्य रूप से मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा योजना पर केंद्रित होगी। समिट में निजी बस ऑपरेटर, नीति निर्माता, परिवहन प्राधिकरण, बस निर्माता, टेक्नोलॉजी कंपनियां, निवेशक और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र के प्रतिनिधि मंथन करेंगे। इंदौर में आयोजित इस दो दिवसीय यात्री परिवहन विज़न समिट-2026 का आयोजन मध्यप्रदेश यात्री परिवहन एण्ड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के सहयोग से तथा ईलेट्स टेक्नोमीडिया द्वारा किया जा रहा है। समिट का उद्देश्य प्रदेश में अधिक कनेक्टेड, वित्तीय रूप से साध्य, डिजिटल रूप से सक्षम और नागरिक-केंद्रित यात्री परिवहन इकोसिस्टम के निर्माण पर चर्चा और साझेदारी को बढ़ावा देना है। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विज़न और राष्ट्रीय पहल (जैसे पीएम ई-बस सेवा) के अनुरूप सतत और आधुनिक सार्वजनिक परिवहन मॉडल को आगे बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम है। जो यात्री परिवहन को राज्य की कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास के महत्वपूर्ण घटक के रूप में मजबूत करने की प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह मंच राज्य के मोबिलिटी एजेंडे को केवल नीतिगत चर्चा तक सीमित न रखते हुए, सरकारी निर्णयकर्ताओं और कार्यान्वयन में सहयोग करने वाली संस्थाओं के बीच प्रत्यक्ष संवाद और साझेदारी को बढ़ावा देगा।

यात्री परिवहन परिकल्पना रहेगी चर्चा के केंद्र में

मध्यप्रदेश की यात्री परिवहन परिकल्पना और भविष्य की मोबिलिटी व्यवस्था यात्री परिवहन विजन समिट-2026 में चर्चा के प्रमुख केंद्र में रहेगी। समिट में प्रदेश में यात्री परिवहन को आधुनिक, सुलभ और व्यापक बनाने के साथ निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। समिट के केंद्र में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा योजना रहेगी। यह यात्री परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बड़े स्तर पर निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करने वाली मध्यप्रदेश सरकार की प्रमुख पहल है।

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा योजना का उद्देश्य

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा योजना का उद्देश्य प्रदेश में एक समग्र और आधुनिक मोबिलिटी इको सिस्टम विकसित करना है। इसके अंतर्गत बस निर्माण, इलेक्ट्रिक एवं हाइड्रोजन मोबिलिटी, इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम, डिजिटल टिकटिंग, फ्लीट मैनेजमेंट, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, एआई एवं एनालिटिक्स, स्मार्ट बस स्टॉप, पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम, मोबिलिटी-एज-ए-सर्विस और परिवहन वित्त जैसे क्षेत्रों में व्यापक संभावनाएं विकसित होंगी। यह पहल निजी क्षेत्र की कंपनियों के लिए प्रौद्योगिकी, बुनियादी ढांचे, परिचालन विशेषज्ञता और नए व्यावसायिक मॉडल के माध्यम से मध्यप्रदेश के दीर्घकालिक यात्री परिवहन नेटवर्क में योगदान देने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगी। समिट के माध्यम से प्रदेश में यात्री परिवहन के भविष्य की दिशा तय करने के साथ निवेश, नवाचार और सार्वजनिक-निजी भागीदारी के नए अवसरों को भी बढ़ावा मिलेगा।

मोबिलिटी उद्योग के लिए साझेदारी का महत्वपूर्ण मंच

निजी बस ऑपरेटर, बस निर्माता, टेक्नोलॉजी कंपनियां, इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियां, चार्जिंग और स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े संगठन, वित्तीय संस्थान और मोबिलिटी इनोवेटर्स के लिए यात्री परिवहन विज़न समिट मध्यप्रदेश सरकार के विकसित हो रहे पीपीपी फ्रेमवर्क के साथ प्रत्यक्ष रूप से जुड़ने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। इसमें शामिल होने वाले संगठन आगामी आवश्यकताओं को समझ सकेंगे। साथ ही अपने समाधानों को प्रस्तुत कर सकेंगे।

पायलट प्रोजेक्ट्स और साझेदारियों की संभावनाएं तलाश सकेंगे तथा मध्यप्रदेश के यात्री परिवहन परिवर्तन से उभर रहे अवसरों का मूल्यांकन कर सकेंगे। समिट में भाग लेने वाले संगठनों को इस पहल का नेतृत्व कर रहे मध्यप्रदेश सरकार के नामित अधिकारियों के साथ पूर्व-निर्धारित वन-टू-वन बैठकों का अवसर भी मिलेगा।

साथ ही समाधान प्रस्तुत करने और साझेदारी पर केंद्रित चर्चा के लिए एक प्रभावी मंच तैयार होगा। समिट विशेष रूप से स्वच्छ मोबिलिटी, इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम, फ्लीट टेक्नोलॉजी, डिजिटल पेमेंट्स एवं टिकटिंग, एआई आधारित रूट ऑप्टिमाइजेशन, पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम, स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर और मोबिलिटी फाइनेंस से जुड़े व्यवसायों के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा।

मोबिलिटी क्षेत्रों को समझने का मिलेगा अवसर

समिट में शामिल होने वाले प्रतिनिधियों को 12 उच्च संभावनाओं वाले मोबिलिटी क्षेत्रों को समझने का अवसर मिलेगा। इसमें बस निर्माण, इलेक्ट्रिक एवं हाइड्रोजन मोबिलिटी, डिजिटल टिकटिंग, फ्लीट मैनेजमेंट, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, एआई एवं एनालिटिक्स, स्मार्ट बस स्टॉप, पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम, मोबिलिटी-एज-ए-सर्विस और परिवहन वित्त जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं।

कृष्ण जन्माष्टमी पर निकली भव्य शोभायात्रा

पथरिया (स्वतंत्र मत)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। वार्ड क्रमांक 15 स्थित कारस देव मंदिर से शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ जो नगर के प्रमुख चौराहों एवं तिराहों से होते हुए पुनः यथावत स्थान पर पहुंची। शोभायात्रा में भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में सराबोर सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए और पूरे नगर में भक्तिमय माहौल देखने को मिला।

CHANGE OF NAME

I, WAS KNOWN AS SAIMA KAREEMI AFTER MARRIAGE I, HAVE CHANGED MY NAME AND HENCEFORTH I, AND SHALL BE KNOWN AS SAIMA ANSARI W/O WASI AHMAD RESIDENT OF MAKAN NO. 356, NAGPUR ROAD, OPP. APEX HOSPITAL, NEHRU NAGAR COLONY, GARHA, JABALPUR (M. P.) 482003.

उपनाम हटाने बावत

मैं RASHIDA पति ISMAIL BHAI निवासी 58/59 SARAFA BOHRA GALI, MOTILAL NEHRU WARD, JABALPUR शपथ पूर्व कथन करती हूं कि-

1. यह की मैं उपरोक्त पता पर निवास करती हूं । 2. यह की मेरा पुराना पासपोर्ट नंबर J1433851 जारी दिनांक 09/12/2010 वैध दिनांक 08/12/2020 में मेरा नाम RASHIDA SURNAME ISMAIL BHAI पति ISMAIL BHAI है। 3. यह की मेरे पासपोर्ट में उपनाम में मेरे पति का नाम लिखा है । उस उपनाम को मेरे पासपोर्ट से हटा दिया जाए। 4. यह की मेरा आधार कार्ड, पैन कार्ड सभी शासकीय दस्तावेज में मेरा नाम RASHIDA पति ISMAIL BHAI हो गया है । 5. यह आशय का शपथ पत्र प्रस्तुत कर रही हूं । 6. मेरा पुराना नाम RASHIDA ISMSIL BHAI पति ISMAIL BHAI ये है। 7. और मेरा नया नाम RASHIDA पति ISMAIL BHAI ये है।

जबलपुर दिनांक.........

RASHIDA
प्रार्थी

नाम परिवर्तन सूचना

मैं SAKINA ABDUL TAIYAB MUNEEM पति ABDUL TAIYAB MUNEEM निवासी 133 SARDAR BALLABH BHAI PATEL WARD, KOTWALI BAZAR, HANUMANTAL, JABALPUR शपथ पूर्व कथन करती हूं कि

1. यह की मैं उपरोक्त पता पर निवास करती हूं । 2. यह की मेरा पुराना पासपोर्ट नंबर P9366414 जारी दिनांक 01/04/2017 वैध दिनांक 31/03/2027 में मेरा नाम SAKINA ZAINUDDIN KHAMBATI पिता ZAINUDDIN MULLA FIDA HUSAIN है । 3. यह की मेरा नाम बदल कर SAKINA ABDUL TAIYAB MUNEEM पति ABDUL TAIYAB MUNEEM हो गया है । 4. यह की मेरा आधार कार्ड, पैन कार्ड सभी शासकीय दस्तावेज में मेरा नाम SAKINA ABDUL TAIYAB MUNEEM पति ABDUL TAIYAB MUNEEM हो गया है । 5. यह आशय का शपथ पत्र प्रस्तुत कर रही हूं । 6. मेरा पुराना नाम SAKINA ZAINUDDIN KHAMBATI पिता ZAINUDDIN MULLA FIDA HUSAIN ये है। 7. और मेरा नया नाम SAKINA ABDUL TAIYAB MUNEEM पति ABDUL TAIYAB MUNEEM ये है।

जबलपुर दिनांक ....

सकीना
प्रार्थी

▶▶ सिविल लाइन थाना क्षेत्र में वारदात, आरोपियों की तलाश में पुलिस

मोबाइल छीनकर भागे बाइक सवार बदमाश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सिविल लाइन थाने में रितिक वर्मा उम्र 26 वर्ष निवासी छोटी ओमती ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह ड्रायवरी करता है। विगत शाम वह अम्बेडकर चौक से एसपी आफिस तरफ पैदल जा रहा था। हाईकोर्ट गैट नम्बर 6-7 के बीच पीछे से काले रंग की मोटरसाइकिल में 3 लडके आये। पीछे बैठा लड़का जो सफेट कपड़े पहना था। इसी बीच उसके हाथ से उसका मोटोरोला कम्पनी का मोबाइल कीमती 11 हजार 990 रूपये का झपटकर बाइक सवार भाग गए। वह मोटरसाइकिल का नम्बर नहीं देख पाया। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

▶▶ प्रताड़ना से तंग आकर महिला पहुंची थाने

ससुर-पति ने मिलकर महिला से की मारपीट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। ओमती थाने में अलीशा सेठ जेम्स उम्र 34 वर्ष निवासी नेपियर टाउन ने लिखित शिकायत कर बताया कि उसका विवाह अंकित जेम्स उम्र 34 वर्ष निवासी नेपियर टाउन के साथ दोनों परिवार की सहमति से हुआ था। शादी के 15 दिन बाद से पति आये दिन शराब पीकर छोटी छोटी बातों को लेकर गाली गलौज कर घर से निकालने की धमकी देकर शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगे। विगत शाम पति बहुत देर से घर पर सो रहे थे उसने पति को जगाया तो पति उसके साथ गाली गलौज करते हुये हाथ मुक्कों से मारपीट कर हाथ पैर में चोटें पहुँचाये।

‘गुरु भक्ति ही असली ईश्वर भक्ति’

शिक्षक दिवस के अवसर पर हितकारिणी सभा द्वारा मानस भवन में शिक्षक सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मानस भवन के मुख्य द्वार पर प्रभारी अधिकारी द्वारा सभी अतिथियों का पुष्प एवं कलम देकर अभिनंदन किया गया। मुख्य अतिथि के तौर पर पूर्व संभागायुक्त प्रभात पराशर सहित विशिष्ट अतिथि के रूप में पं. नित्य निरंजन खम्परिया, सुनयना पटेरिया, बाबू विश्वमोहन, अशोक गुप्ता, डॉ. राजेश धीरावाणी, समर सिंह गायकवाड, नमन अग्रवाल, मुकुल खम्परिया, जयसिंह राव गायकवाड, के.के. हुंका, जयेश राठौर, नितिन अग्रवाल, संदीप गोलछा, अरविंद जैन, शिवदत्त मिश्रा एवं अनुश्री पटेरिया मंचासीन रहे।

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

कार्यक्रम में हितकारिणी सभा के प्रभारी अधिकारी सुबोध दुबे, सतीश रांका, विद्या परिषद के संयोजक राजीव श्रीवास्तव, हितकारिणी सभा द्वारा संचालित स्कूल-कॉलेजों के प्रचार्य-उप प्राचार्य, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि की आसंदी से कार्यक्रम को संबोधित करते हुये प्रभात पराशर ने कहा कि गुरु को गोविंद से अधिक महत्व दिया गया है क्योंकि गुरु ही ईश्वर प्राप्ति का मार्ग दिखाता है। उन्होंने कहा कि मध्य भारत में शिक्षा के क्षेत्र में हितकारिणी सभा का बड़ा योगदान है। श्री पराशर ने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षकगण ऐसी शिक्षा प्रदान करें जिससे उनकी ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग हो सके। उन्होंने कार्यक्रम की सराहना करते हुये कहा कि सम्मान की यह परंपरा शिक्षकों ऊर्जा देने के साथ-साथ उन्हें प्रोत्साहित भी करती है।

शिक्षक दिवस पर हितकारिणी सभा ने किया शिक्षकों का सम्मान

प्रत्येक सदस्य और शिक्षक ही सभा की ताकत

हितकारिणी सभा के मंत्री बाबू विश्वमोहन ने शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुये कहा कि सभा से जुड़े प्रत्येक सदस्य और शिक्षक ही सभा की ताकत हैं। उन्होंने कहा कि हितकारिणी सभा में हम सब एक परिवार के रूप में कार्य करते हैं और किसी के भी प्रति कभी दुर्भावना नहीं रखते। सभा के पूर्व प्रभारी अधिकारी स्व. प्रशांत पराशर को याद करते हुये बाबू विश्वमोहन ने कहा कि कोरोनाकाल की कठिन परिस्थितियों में भी प्रशांत पराशर स्वयं की चिंता छोड़कर कर्मचारियों की चिंता करते रहे। ऐसे समर्पित कर्मयोगी को विनम्र श्रद्धांजलि।

हिन्दुस्तान की सबसे पुरानी संस्था है हितकारिणी

हितकारिणी सभा के अध्यक्ष पं. नित्य निरंजन खम्परिया ने अपने उद्बोधन में सभा के सफरनामे पर प्रकाश डालते हुये बताया कि 157 साल की हितकारिणी सभा महाकोशल या मध्यप्रदेश ही नहीं बल्कि हिन्दुस्तान की सबसे पुरानी संस्था है। इस संस्था ने व्यवसायिकता से दूर रहकर सच्चे मन से शिक्षा की ज्योति जलाई है। उन्होने कहा कि वर्तमान दौर में शिक्षक और विद्यार्थी के बीच एक अनदेखी दूरी बढ़ती जा रही है, इसे महसूस करना होगा। कार्यक्रम में सम्मानित शिक्षकों को बधाई देते हुये श्री खम्परिया ने कहा कि गुरु के लिये सबसे महत्वपूर्ण दिन वह होता है जब वह अपने शिष्य से पराजित होता है।

आज का दिन हम सबके लिये बड़े गर्व का दिन

हितकारिणी सभा की सभापति सुनयना पटेरिया ने कहा कि आज का दिन हम सबके लिये बहुत गर्व का दिन है। उन्होंने कहा कि गुरु भक्ति ही असली ईश्वर भक्ति है। श्रीमती पटेरिया ने कहा कि हितकारिणी सभा की संरचना शिक्षा को लेकर ही तैयार की गई थी। आज 157 वर्ष के इस सफर में हितकारिणी सभा के सभी शिक्षकों का बड़ा योगदान है। कार्यक्रम के प्रारंभ में विद्या परिषद के मंत्री जयेश राठौर ने अपने संबोधन में कहा कि बोर्ड परीक्षाओं में शत-प्रतिशत रिजल्ट देने वाले शिक्षकों का सम्मान करके गर्व की अनुभति हो रही है।

इन शिक्षकों को मिला सम्मान

शिक्षक दिवस के अवसर पर अरुणा गौतम, श्रद्धा श्रीवास, मोहित सक्सेना, पूनम पटेल, रत्ना मिश्रा, सारिका मिश्रा, हरीश विश्वकर्मा, प्रियंका तिवारी, किरण तिवारी, रानू वर्मा, सौरभ सेन, निशा शर्मा, निधि ठाकुर, कौशल्या तिवारी, अर्चना तिवारी, कुंजबिहारी हनवत, साहिल पटेल, एसएस द्विवेदी, दीपा सांघी, सुनीता मेवाड़ी, रीता श्रीवास्तव, प्रीति तिवारी, रवीन्द्र दुबे, रश्मी तिवारी, श्रीनिरंजन श्रीवास्तव, कीर्ति चौहान, प्रियंका चौरसिया, अंजलि शर्मा, सान्यो पाल, अपर्णा खरे, सोनल हबलानी, अनामिका विश्वकर्मा, सरिता ठाकुर, राजीव तिवारी, दुर्गेश चौरसिया, संध्या पांडे, रोहित द्विवेदी, अरुणा लता तिवारी, तृप्ति बघेल, मो.आदिल खान, प्रियंका दुबे, गार्गी गुप्ता, वैष्णवी दुबे, वन्दना खरे, साक्षी यादव, नवलीन कौर, संगीता यादव, आरती शर्मा, प्रियांशी सेन का ग्यारह-ग्याहर सौ राशि देकर सम्मानित किया गया।

फोटो: अनिल तिवारी

इन प्राचार्यों को किया गया सम्मानित

शिक्षक दिवस के अवसर पर प्राचार्य डॉ. नीलेश चन्द्र पाण्डेय, डॉ. प्रिन्सी शाजी, डॉ. विकास सिंह, डॉ. रिंकू कथूरिया, डॉ. सुलक्षणा त्रिपाठी, डॉ. रोहित मिश्रा, नीरज अग्रवाल, डॉ कविता शुक्ला, अर्चना गुप्ता, माधुरी शुक्ला, नमिता सोनी, रजनीश श्रीवास्तव, तृप्ति नारंग ज्योत्सना दीक्षित, चित्रा परिहार, अर्चना बख्शी, प्रियंका पाठक, लता डिग्रस्कर, वर्षा पांडे, सरिता नामदेव, दिव्या नायक को सम्मानित किया गया।

स्व. प्रशांत पाराशर स्मृति पुरुस्कार

हितकारिणी सभा में व्याख्याता पद से लेकर अपनी सेवाएं शुरू कर डेंटल कॉलेज के रजिस्ट्रार और फिर हितकारिणी सभा के प्रभारी अधिकारी का दायित्व निर्वहन करने वाले स्व. प्रशांत पाराशर की स्मृति में श्रेष्ठ प्राचार्य, श्रेष्ठ शिक्षक तथा श्रेष्ठ सहयोगी कर्मचारी के नाम से पुरस्कार वितरित किए गए। इसमें प्राचार्य डॉ विकास सिंह, प्राचार्या ज्योत्सना दीक्षित, शिक्षक रविन्द्र दुबे, कर्मचारी धर्मेश गुप्ता को सम्मानित किया गया। इसी क्रम में लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से स्नेहलता श्रीवास्तव को सम्मानित किया गया।

ट्रक की टक्कर से टमाटर से भरा लोडिंग ऑटो पलटा

सिहोरा के खितौला क्षेत्र की घटना

सिहोरा (स्वतंत्र मत)

सिहोरा के खितौला क्षेत्र में जय भवानी कॉलोनी के सामने पीछे से आ रहे एक ट्रक ने टमाटर से भरे लोडिंग ऑटो को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे पलट गया। हादसे में ऑटो चालक अंदर फंस गया। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे किसी तरह बाहर निकाला। चालक को मामूली चोटें आई हैं। जानकारी के मुताबिक सिहोरा के गढ़िया मोहल्ला निवासी 30 वर्षीय सोनू बर्मन लोडिंग ऑटो से जबलपुर मंडी से सब्जी लेकर सिहोरा आया था। दोपहर करीब 1 बजे वह खितौला में सब्जी छोड़ने जा रहा था। जय भवानी कॉलोनी के सामने पहुंचते ही पीछे से आए ट्रक ने उसके ऑटो को टक्कर मार दी। सड़क की साइड पट्टी ऊंची होने के कारण ऑटो का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क से नीचे पलट गया। ऑटो पलटते ही उसमें रखी सारी सब्जियां सड़क पर बिखर गईं। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने ऑटो में फंसे सोनू को सुरक्षित बाहर निकाला। गनीमत रही कि उसे कोई गंभीर चोट नहीं आई। स्थानीय लोगों ने बताया कि सिहोरा-खितौला रोड पर दोनों तरफ अतिक्रमण है। कई जगहों पर सड़क के साइड शोल्डर की पट्टी भी ऊंची है। इन कारणों से वाहन चालकों को निकलने में परेशानी होती है और आए दिन हादसे होते रहते हैं।

दोपहिया और चारपहिया वाहन चालक अक्सर घायल हो रहे हैं। स्थानीय लोगों ने सड़क के शोल्डर को समतल करने और अतिक्रमण हटाने की मांग की है।

सूने मकान से जेवर-नगदी ले उड़े चोर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

खितौला थाने में सुमन पटेल उम्र 47 वर्ष निवासी सकरी मोहल्ला खितोला ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह बडे बेटे शुभम पटेल के साथ जयपुर गयी थी। दूसरे दिन घर वापस आयी देखा आंगन में ताला टूटा पडा था कमरे मे रखी 2 अलमारियों एवं पेटियों का ताला टूटा था अलमारी मे रखे नगद 30 हजार रूपये तथा ड्रेसिंग टेबिल के उपर रखे पर्स मे रखे चांदी के 4 सिक्के गायब थे। कोई अज्ञात चोर सूने मकान का ताला तोडकर नगदी रूपये व सिक्के चोरी कर ले गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्रसिद्ध पचमठा मंदिर में चोरी की वारदात, सीसीटीवी में कैद हुए चोर

आधारताल थाना क्षेत्र का मामला, जांच में जुटी पुलिस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहर के प्रसिद्ध लक्ष्मी नारायण मंदिर (पचमठा) में देर रात 2 चोर घुसे और दानपेटी में रखी नकदी और जेवरात लेकर फरार हो गए। सीसीटीवी में कैद हुए चोरों ने चेहरे ढक रखे थे। मंदिर में घुसते ही उन्होंने सबसे पहले सीसीटीवी कैमरे तोड़े, इसके बाद दानपेटी और अलमारी को निशाना बनाया। घटना के संबंध में मंदिर के पुजारी ने बताया कि वह शुक्रवार रात करीब 9 बजे मंदिर में ताला लगाया और घर चले गए थे। शनिवार सुबह मंदिर पहुंचे तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा मिला। अंदर दानपेटी गायब थी और भगवान का आसन भी बिखरा हुआ था। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

टूटे मिले अधिकांश सीसीटीवी

इधर मंदिर में चोरी की जानकारी मिलते ही आधारताल थाना पुलिस मौके पर पहुंची। सीएसपी राजेश्वरी कौरव और टीआई विपिन ताम्रकार ने टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। कुछ देर बाद स्थानीय विधायक अशोक रोहाणी भी मंदिर पहुंचे। पुलिस ने मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की तो अधिकांश कैमरे टूटे मिले। हालांकि एक कैमरा चोरों की नजर से बच गया था। उसकी फुटेज खंगालने पर दो संदिग्ध मंदिर से जाते हुए दिखाई दिए। पुलिस अब फुटेज के आधार पर उनके हुलिए की पहचान कर तलाश में जुटी है। सीएसपी ने बताया कि डॉग स्क्वॉड और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। चोरों की तलाश के लिए पुलिस की 3 टीमें आसपास के इलाकों में लगाई गई हैं। पुलिस के मुताबिक जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सड़क किनारे खड़ा ई-रिक्शा हुआ चोरी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

बेलबाग थाने में अंकित सोंधिया उम्र 31 वर्ष निवासी बेलबाग टोरिया ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह डेकोरेशन का काम करता है। विगत सुबह वह अपना ई रिक्शा धर्मेन्द्र बेन के घर के सामने बेलबाग में खड़ा कर अपने घर चला गया था। दोपहर को जब वापस लौटा तो देखा कि ई रिक्शा नहीं था। आसपास तलाश करता रहा पता नहीं चला। कोई अज्ञात चोर उसका ई रिक्शा चोरी कर ले गया है। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से अज्ञात चोर की तलाश कर दी है।

पुराने विवाद पर बदमाशों ने की मूर्तिकार की गोली मारकर हत्या

हनुमानताल थाना क्षेत्र में वारदात, आरोपी फरार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हनुमानताल थाना अंतर्गत भानतलैया क्षेत्र के सिंधी कैंप इलाके में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात भगवान गणेश की मूर्ति बना रहे एक मूर्तिकार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। इस मामले में हनुमानताल में पुष्कर सोनकर उम्र 21 वर्ष निवासी बड़ी खेरमाई हनुमानताल ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह अपने मामा मनोज उर्फ बाबा के साथ मथुरा सेठ की बाड़ी में मूर्ति बनाने का काम करता है। 4 सितंबर की रात लगभग 11.30 बजे वह तथा मामा मनोज उर्फ बाबा सोनकर, मामी विमला सोनकर एवं उनका बेटा अनुराग सोनकर दुकान में मूर्ति बना रहे थे। तभी वहां पर गाड़ी में रोहित मराठा एवं चिन्टू उर्फ भरत यादव आये, जिनसे मामा बाबा सोनकर का पुराना विवाद है।

गर्दन के पिछले हिस्से में लगी गोली

दोनों पुरानी रंजिश पर से मामा मनोज उर्फ बाबा सोनकर से विवाद करने लगे, चिन्टू उर्फ भरत यादव ने रोहित से कहा कि आज बाबा को जान से खत्म कर दो। इतने में रोहित ने अपने पास से पिस्टल निकालकर उसके मामा मनोज उर्फ बाबा सोनकर पर जान से मारने की नियत से फायर कर गोली मामा मनोज उर्फ बाबा के गर्दन में पीछे तरफ लगी जिससे मामा गिर गये। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी भाग निकले। परिजन घायल मनोज को ई रिक्शा से अस्तपाल ले गए। जहां डॉक्टर ने चेक कर 50 वर्षीय मनोज उर्फ बाबा सोनकर को मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपियों की सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी है।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**